badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960

भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बढ़ती कलम

बिना फेवर, तीखे तेवर

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्ष: 12 अंक: 43 | गंगापुरसिटी. बुधवार 22 सितम्बर, 2021 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

केंद्र सरकार ने की भारतीय वायुसेना के नए चीफकी घोषणा, विवेक राम चौधरी के हाथ होगी कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारतीय वायुसेना के अगले प्रमुख की घोषणा मंगलवार को कर दी। रक्षा मंत्रालय द्वारा मौजूदा वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ विवेक राम चौधरी को नया वायु सेना प्रमुख बनाए जाने का ऐलान किया गया है। चौधरी, मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया का स्थान लेंगे।रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक भारतीय वायुसेना के मौजूदा प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया का कार्यकाल आगामी 30 सितंबर 2021 को समाप्त हो रहा है। केंद्र सरकार ने भदौरिया का कार्यकाल पूरा होने के बाद उनके स्थान पर नए वायुसेना प्रमुख का चयन कर लिया है।मंत्रालय ने बताया कि भारतीय वायुसेना के मौजूदा वाइस चीफ वीआर चौधरी को अगला चीफ ऑफ एयर स्टाफनियुक्त किया जाएगा। एयर मार्शल विवेक राम चौधरी को इस साल जून में एयर मार्शल हरजीत सिंह अरोड़ा के स्थान पर भारतीय वायु सेना का उप प्रमुख नियुक्त किया गया था।इससे पहले, उन्होंने भारतीय वायुसेना के पश्चिमी वायु कमान (ड्ढष्ट) के कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य किया, जो संवेदनशील लद्दाख क्षेत्र के साथ-साथ उत्तर भारत के विभिन्न अन्य हिस्सों में देश के वायु क्षेत्र की सुरक्षा की देखभाल करता है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र, एयर मार्शल चौधरी को 29 दिसंबर, 1982 को भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े में शामिल किया गया था।तकरीबन 38 वर्षों के अपने विशिष्ट करियर में, चौधरी ने भारतीय वायुसेना में विभिन्न प्रकार के लड़ाकू और प्रशिक्षक विमान उड़ाए हैं। उन्हें मिग-21, मिग-23 एमएफ, मिग 29 और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों पर परिचालन उड़ान सहित 3,800 घंटे से अधिक का उड़ान का अनुभव है।एयर मार्शल चौधरी ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वह एक फ्रंटलाइन फाइटर स्क्वैड्रन के कमांडिंग ऑफिसर थे और उन्होंने फ्रंटलाइन फाइटर बेस की भी कमान संभाली थी। अपने करियर के दौरान, चौधरी को उनकी सेवा के लिए 2004 में वायु सेना पदक, 2015 में अति विशिष्ट सेवा पदक और 2021 में परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

सेना के टैंक के धमाकों से गूंजा रेगिस्तान

40 डिग्री तापमान में प्रैक्टिस कर रहे आर्मी के जवान, दुश्मनों के ठिकानों को पलभर में किया खत्म

बीकानेर (एजेंसी)। रेगिस्तान में तापमान एक बार फिर 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके बाद भी पाकिस्तान बॉर्डर से कुछ दूरी पर महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज पर रोज भारतीय जवान अभ्यास में जुटे हैं। कभी फायरिंग तो कभी तोपों की आवाज से रेगिस्तान थर्रा उठता। दरअसल, MFFR में इन दिनों सेना की स#शक्ति कमान की आर्टिलरी रेजिमेंट जमकर युद्धाभ्यास कर रही है। आर्टिलरी रेजिमेंट मुख्य रूप से हथियारों को चलाने का ही काम करती है। युद्ध के समय इसी रेजिमेंट के पास सबसे महत्वपूर्ण काम होता है। इसी रेजिमेंट के जवान इन दिनों MFFR में तोपें चला रहे हैं। फिलहाल 130 एमएम गन और 'के 9 होवित्जर' गन के साथ दुश्मनों के ठिकानों पर निशाने साधे जा रहे हैं। शनिवार दोपहर को प्रैक्टिस के दौरान जवानों ने दुश्मन के एक ठिकाने को निशाना बनाया। हमले का संदेश मिलते ही भारतीय तोप मैदान में फुर्ती से आई। फिर सीधे निशाने पर गोले दागे। जितनी बार ठिकाने मिलने के संकेत मिले, उतनी बार सीधे निशाने लगे। एक बार भी इन जवानों का निशाना नहीं चूका।

कांग्रेस के होंगे कम्युनिस्ट नेता कन्हैया कुमार

2 अक्टूबर को राहुल गांधी कराएंगे कांग्रेस में शामिल, बिहार में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। कम्युनिस्ट नेता और JNU छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार 2 अक्टूबर को कांग्रेस में शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, उस दिन गुजरात से निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी भी पार्टी में शामिल होंगे। पहले खबर आई थी कि शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर 28 सितंबर को कन्हैया पार्टी में शामिल होंगे, लेकिन अब इसे आगे बढ़ाया गया है। उनकी पिछले दिनों राहुल गांधी से दो बार मुलाकात हो चुकी है। दोनों मुलाकात के दौरान प्रशांत किशोर मौजूद रहे।बिहार कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता असित नाथ तिवारी खुलकर कुछ बोल तो नहीं रहे हैं, लेकिन वो इतना जरूर कह रहे कि 2 अक्टूबर को कांग्रेस में सभी गांधीवादी का स्वागत है। कन्हैया कुमार यदि शामिल होते हैं तो उनका स्वागत है।

प्रदेश में 25 सितंबर तक भारी बारिश, माही बांध के 16 गेट खोले

राजस्थान में मानसून की बारिश का दौर जारी रहेगा और मंगलवार को 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है

जयपुर (कासं)। राजस्थान में मानसून की बारिश का दौर जारी रहेगा और मंगलवार को 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। उधर, बांसवाड़ा में झमाझम बारिश के चलते माही बाध के सभ 16 गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। माही बांध की कुल भराव क्षमता 281.50 मीटर है। बांसवाड़ा में ही घाटोल का हेरो डेम भी छलक गया है। वहीं सुरवानीया के भी 2 गेट खोले गए हैं। मौसम विभाग की माने तो भारी बारिश का दौर 24 सितंबर तक जारी रहेगा।मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा में भारी बारिश की संभावना है। जबकि बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। दक्षिणी राजस्थान में भारी बारिश का दौर अगले तीन दिन तक जारी रहने की संभावना है। उसके बाद मानसून की झमाझम में कमी आ सकती है और मध्ययम दर्जे की बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग 30 सितंबर तक बारिश जारी रहने की संभावना जता रहा है। तेज बारिश की बात करें तो मंगलवार को चित्तौड़गढ़ जिले गांव लिरड़ी और चावंडिया गांव के समीप बहने वाली बेड़च नदी पर घोड़ी घाट बेड़च पुलिया पर पानी के तेज बहाव के चलते मार्ग अवरुद्ध हो गया है।

बीसलपुर का जलस्तर 311.07 आरएल मीटर पर-बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र में त्रिवेणी नदी के लगातार बहने के चलते पिछले चार दिन से बीसलपुर में पानी की आवक जारी है।

गहलोत कैबिनेट की बैठक आज

कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक में सभी मंत्रियों को सीएम निवास ? बुलाया, दो बड़े अभियानों में गांव-शहरों में पट्टे देने की प्रक्रिया को मंजूरी दी जाएगी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार 4 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई है। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। इस बार बैठक में वर्चुअल जुड़ने की जगह सभी मंत्रियों को सीएम हाउस पहुंचने को कहा गया है। अब तक कोरोना के कारण मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कैबिनेट की बैठकों से जुड़ते रहे हैं।गहलोत कैबिनेट की बैठक में मुख्य एजेंडा प्रशासन गांवों के संग अभियान और प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टे देने की प्रक्रिया को मंजूरी देने का है। सरकार ने विधानसभा में बिल पास करके पट्टे देने के प्रावधान बदले हैं, लेकिन उनकी प्रक्रिया कैबिनेट तय करेगी। गहलोत सरकार 2 अक्टूबर से बड़े पैमाने पर प्रशासन शहरों के संग अभियान और प्रशासन गांवों के संग अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान में लाखों लोगों को पट्टे देने का लक्ष्य रखा गया है। लंबे समय बाद सभी मंत्रियों को सीएम निवास बुलाया हैं। अब तक कोरोना के कारण कैबिनेट की वर्चुअल बैठकें ही होती रही हैं। गहलोत कैबिनेट की बैठक ऐसे वक्त होने जा रही है जब पंजाब कांग्रेस में उथल-पुथल मची है। कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद राजस्थान में भी अब जल्द मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन स्तर पर बदलावों की चर्चा है। बुधवार की कैबिनेट को लेकर सियासी हलकों में कई तरह की चर्चाएं हैं।

सीएम को फीडबैक दिया, वीसी और वर्चुअल कार्यक्रमों से सियासी मैसेज नहीं जाता-कोरोना काल में पिछले 18 महीनों से गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही बैठकें और शिलान्यास उद्घाटन किए हैं। गहलोत को उनके नजदीकी रणनीतिकारों ने सलाह दी है कि कांग्रेस का कोर वोटर गांव और छोटे कस्बों में है, वह सीधे कनेक्ट चाहता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राजनीतिक तौर पर माहौल नहीं बनता और कांग्रेस का कोर वोटर कनेक्ट नहीं होता।

ताकत दिखाएंगे गहलोत: कांग्रेस को सताया सत्ता विरोधी लहर का डर, पूरी तरह स्वस्थ होते ही सीएम का फील्ड में दौरे करने का प्लान

जयपुर (कासं)। पंजाब कांग्रेस के घटनाक्रम ने राजस्थान में बड़े नेताओं के कान खड़े ?कर दिए हैं। दोनों राज्यों के राजनीतिक हालात में अंतर होने के बावजूद राजस्थान में भी फेज में बदलावों की सियासी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इस बीच कांग्रेस सरकार को सत्ता विरोधी लहर का डर सताने लगा है। सत्ता विरोधी लहर से निपटने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इससे उभरने का प्लान तैयार किया है। गहलोत अब पूरी तरह ठीक होते ही फील्ड में उतरने की तैयारी कर रहे हैं, इसके लिए कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।बताया जा रहा है कि सीएम गहलोत पश्चिमी राजस्थान से अपने दौरों की शुरुआत कर सकते हैं। गृह जिले जोधपुर के अलावा बीकानेर, नागौर, जालोर, सिरोही जिलों में भी सीएम के बड़े स्तर पर दौरे करने के कार्यक्रम बनाने पर विचार किया जा रहा है। गहलोत ने पिछले 18 महीने से उपचुनावों को छोड़ कोई सियासी दौरा नहीं किया। गहलोत के प्रदेश दौरे का कार्यक्रम बनाने पर मंथन चल रहा है। दिसंबर में सरकार के तीन साल पूरे हो रहे हैं, ऐसे में तीन साल के कार्यक्रमों में जगह-जगह जाकर शिलान्यास उद्घाटन करने पर भी विचार चल रहा है। गहलोत के रणनीतिकार सरकार के तीन साल पूरे होने पर बड़े स्तर पर दौरों की तैयारी कर रहे हैं। गहलोत के दौरों का प्लान कोरोना पर निर्भर करेगा। राजस्थान में पिछले लंबे समय से कोरोना कंट्रोल में है। वैक्सीनेशन भी सही रफ्तार से चल रहा है। दिसंबर तक ज्यादातर आबादी सेफहो जाएगी, कोरोना की तीसरी लहर नहीं आती है तो सियासी दौरे करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

जयपुर में गैंगवार हिस्ट्रीशीटर की हत्या

2 स्कूटी पर आए 6 बदमाशों ने 5 राउंड फायर किए, युवक को 2 गोली लगी, लेकिन मरा नहीं; फिर पत्थर से सिर कुचला

हिस्ट्रीशीटर अजय यादव की फाइल फोटो।

जयपुर (कासं)। जयपुर में मंगलवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने हिस्ट्रीशीटर अजय यादव की हत्या कर दी। 6 बदमाश दो स्कूटी पर सवार होकर आए थे। बनीपार्क में राम मंदिर के पास सूत मील कॉलोनी में रेलवे फाटक के पास चाय की थड़ी के बाहर अजय को पहले 2 गोली मारी। इसके बाद पास में पड़े पत्थर से उसका सिर कुचल दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश फरार हो गए। जयपुर एडिशनल कमिश्नर अजयपाल लांबा सहित तमाम पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे जयपुर में ए श्रेणी की हथियारबंद नाकाबंदी कराई गई है। राजस्थान विधानसभा में मुख्य सचेतक महेश जोशी भी एसएमएस अस्पताल में देखने पहुंचे थे। अजय उनका नजदीकी बताया जाता है।सदर थाने के हिस्ट्रीशीटर अजय यादव के खिलाफ9 मुकदमे पहले से दर्ज थे। उसकी हत्या गैंगवार में होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार दोपहर 12:30 बजे अजय अपने साथी सौरभ के साथ स्कार्पियो गाड़ी लेकर सूत मिल कॉलोनी में राम मंदिर के पास आया था। वह चाय की थड़ी के पास गाड़ी में बैठा था। उसके साथ सौरभ भी मौजूद था। तभी दो स्कूटी पास में रुकी। इन पर छह बदमाश सवार थे। बदमाशों ने अजय की गाड़ी पर पहला फायर किया। तब अजय स्कार्पियो के दूसरे गेट से निकलकर भागा। अन्य बदमाशों ने उसे दौड़ाते हुए पीछे से फायरिंग की। तभी गोली लगने पर अजय एक थड़ी के पास गिर पड़ा। इस दौरान 2 गोली अजय को लगी और बदमाशों की पिस्टल लॉक हो गई। तब बदमाशों ने उसे पकड़कर घसीटा। थोड़ी दूरी पर ले जाकर जमीन पर पटका। फिर भारी पत्थर से सिर पर कुचलकर मार डाला। घटना के दौरान कुल 5 राउंड फायर किए गए। पुलिस अजय के साथ मौजूद सौरभ और घटना के वक्त मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से बदमाशों के हुलिए के बारे में पूछताछ कर रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

आसपास के लोग सहम गए-फायरिंग की सूचना मिलने पर बनीपार्क पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रदेश में कम किया गया 30% सिलेबस

बोर्ड ने क्लास 12वीं कक्षा तक के सभी विषयों में पाठ्यक्रम को कम कर दिया, एक-दो दिन में संशोधित सिलेबस होगा जारी

बीकानेर (कासं)। कोरोना काल के चलते शिक्षा विभाग ने लगातार दूसरे साल सिलेबस में कटौती कर दी है। इस बार उन्हीं चैप्टर्स को हटाया गया है, जो अब तक नहीं पढ़ाए गए। साथ ही हर चैप्टर के क्रम का भी ध्यान रखा गया है। पिछले साल की गलतियों को नहीं दोहराते हुए स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफएजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग उदयपुर और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने सिलेबस में संशोधन किया है। शिक्षा निदेशालय इन दोनों के बीच समन्वय का काम कर रहा है।शिक्षा निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर के स्ढ्ढश्वक्रञ्ज ने क्लास एक से आठ और अजमेर के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने क्लास नौ से बारह तक का सिलेबस कम कर दिया है। दोनों की तरफसे अलग-अलग आदेश जारी करके संशोधित सिलेबस जारी किया जाएगा। एक-दो दिन में ही संशोधित सिलेबस स्कूल तक पहुंचाने के आदेश जारी हो सकते हैं। रीट परीक्षा की तैयारी के चलते इन दिनों बोर्ड चैयरमेन व्यस्त चल रहे हैं, इसी कारण संशोधित कार्यक्रम सार्वजनिक नहीं किया गया।

राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे का तबादला

अकील कुरैशी राजस्थान हाईकोर्ट के चीफजस्टिस होंगे, इंद्रजीत महांति का त्रिपुरा हाईकोर्ट में तबादला; गुजरात सरकार के खिलाफ फैसला देकर चर्चा में आए थे कुरैशी

जयपुर (कासं)। जस्टिस अकील अब्दुल हमीद कुरैशी राजस्थान हाईकोर्ट के CJ (चीफ जस्टिस) होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 5 हाईकोर्ट CJ के तबादलों की सूची जारी कर दी है। राजस्थान के मौजूदा CJ इंद्रजीत महांति का तबादला कुरैशी की जगह त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के पद पर किया गया है। जस्टिस कुरैशी 7 मार्च 2022 को रिटायर होने वाले हैं। उनका कार्यकाल करीब साढ़े पांच महीना का ही रहेगा। अकील कुरैशी का जन्म 7 मार्च 1960 को गुजरात में हुआ। जस्टिस कुरैशी ने 1983 में LLB की। गुजरात हाईकोर्ट में वकील के तौर पर प्रैक्टिस शुरू की। बाद में वकील कोटे से मार्च 2005 में कुरैशी गुजरात हाईकोर्ट के जज बने। इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट में जज रहे।

अमित शाह और गुजरात सरकार के खिलाफफैसलों से चर्चा में-जस्टिस अकील कुरैशी देश में हाईकोर्ट के वरिष्ठतम जजों में से एक हैं। गुजरात हाईकोर्ट में जज रहते हुए अमित शाह और गुजरात सरकार के खिलाफफैसला सुनाने को लेकर वो चर्चा में आए थे। 2010 में अमित शाह को CBI हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। जस्टिस कुरैशी ने 2012 में रिटायर जस्टिस आरए मेहता की लोकायुक्त के रूप में नियुक्ति को बरकरार रखा था। यह फैसला उस वक्त गुजरात सरकार के खिलाफथा।

सुप्रीम कोर्ट में जज बनने के दावेदार थे-जस्टिस कुरैशी को पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया था। सरकार की आपत्तियों के बाद उन्हें त्रिपुरा भेजा गया। उस समय रंजन गोगोई सुप्रीम कोर्ट के ष्ठ्ठ के तौर पर कॉलेजियम की अगुवाई कर रहे थे। अकील कुरैशी को हाईकोर्ट के जजों में वरिष्ठता क्रम में टॉप टू पर होने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट जज के पद पर पदोन्नत नहीं करने पर सवाल उठाए गए थे। कॉलेजियम में उनके नाम पर सहमति नहीं बनी। इसलिए उनका नाम ही नहीं भेजा गया।

आत्महत्या या हत्या | निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेंद्र गिरि (70) की मौत को लेकर सस्पेंस बना हुआ है।

महंत नरेंद्र गिरि के सुसाइड नोट के 11 पन्ने: लिखा- 13 सितंबर को ही आत्महत्या करना चाहता था, पर हिम्मत नहीं हुई; लड़की के साथ फोटो बनाकर बदनाम करना चाहता था आनंद गिरि

प्रयागराज/लखनऊ (एजेंसी)। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेंद्र गिरि (70) की मौत को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच महंत नरेंद्र गिरि 11 पन्नों में लिखा सुसाइड नोट भास्कर के हाथ लगा है। जिसमें उन्होंने आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी का तीन बार जिक्र किया और पूरे होश में उन्हें अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया है। ये भी लिखा है कि एक महिला से जोड़कर उनका वीडियो वायरल किए जाने का धमकी दी जा रही थी। इसके चलते उन्हें यह कदम उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने बाघंबरी गद्दी मठ का उत्तराधिकारी बलबीर को घोषित किया है। साथ ही अपने प्रिय शिष्यों के नाम वसीयत भी की है।

पहला पन्ना.. मैं महंत नरेंद्र गिरि। मठ वाघम्बरी गद्दी बड़े हनुमान मंदिर (लेटे हनुमानजी) वर्तमान में अध्यक्ष अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अपने होशोहवास में और बगैर किसी दबाव में ये बात लिख रहा हूं कि जबसे आनंद गिरि ने मेरे ऊपर सत्य, मिथ्या, मनगढ़ंत आरोप लगाया, तब से मैं मानसिक दबाव में जी रहा हूं। जब भी मैं एकांत में रहता हूं मर जाने की इच्छा होती है। आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी और उनका लड़का संदीप तिवारी मिलकर मेरे साथ विश्वासघात किया। मुझे जान से मारने का प्रयास किया।

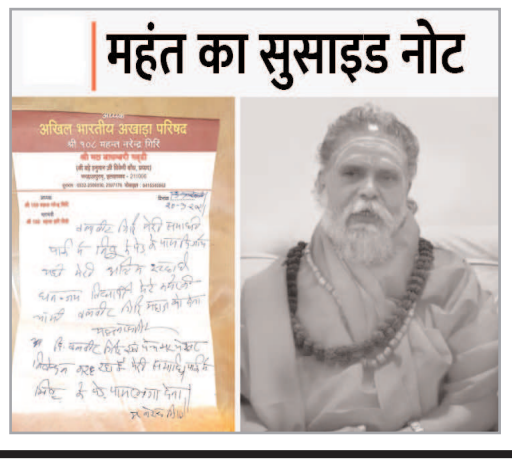

दूसरा पन्ना.. सोशल मीडिया, फेसबुक और समाचार पत्रों में आनंद गिरि ने मेरे चरित्र के ऊपर मनगढ़ंत आरोप लगाया। मैं मरने जा रहा हूं। सत्य बोलूंगा मेरा घर से कोई संबंध नहीं है। मैंने एक भी पैसा घर पर नहीं दिया। मैंने एक-एक मंदिर एवं मठ में लिगाया। 2004 में मैं महंत बना। 2004 से पहले अभी जो मठ एवं मंदिर का विकास किया सभी भक्त जानते हैं। आनंद गिरि द्वारा जो भी आरोप लगाया गया। उससे मेरी एवं मठ मंदिर की बदनामी हुई। मैं बहुत आहत हूं। मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं। मेरे मरने की सम्पूर्ण जिम्मेदार आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी, जो मंदिर में पुजारी है, आद्या प्रसाद तिवारी का बेटा संदीप तिवारी की होगी। मैं समाज में हमेशा शान से जिया, लेकिन आनंद गिरि मुझे गलत तरीके से बदनाम किया।

तीसरा पन्ना.. मैं महेंद्र नरेंद्र गिरि। आज मेरा मन आनंद गिरि के कारण विचलित हो गया। हरिद्वार से ऐसी सूचना मिली कि कम्प्यूटर के माध्यम से एक लड़की के साथ मेरी फोटो जोड़कर गलत काम करते हुए बदनाम करेगा। आनंद गिरि का कहना है कि महराज यानी मैं कहां तक सफाई देते रहेंगे'। मैं जिस सम्मान से जी रहा हूं। अगर मेरी बदनामी हो गई तो मैं समाज में कैसे रहूंगा। इससे अच्छा मर जाना ही ठीक है।

संपादकीय

कैप्टन पर से उठे भरोसे के बाद

पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे कद्दावर और वरिष्ठ नेता से मुख्यमंत्री पद छीनते हुए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को कोई गौरव हासिल नहीं हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब विधानसभा में भले ही अपनी विधायी ताकत को बरकरार रखा हो, लेकिन लोकप्रियता के पैमाने पर यह पार्टी कुछ पायदान नीचे जरूर उतर गई है। वैसे कोई भी ताउम्र मुख्यमंत्री बने रहने की ख्वाहिश नहीं रख सकता और कैप्टन अमरिंदर सिंह अब 79 साल के हो चुके हैं। उनके पास दो कार्यकालों में साढ़े नौ साल तक पंजाब की कमान रही है। कुछ समय पहले ही यह जाहिर हो गया था कि उन्हें अब नेहरू-गांधी परिवार का विश्वास और समर्थन हासिल नहीं है, मगर उनकी विदाई पर मुहर तब लगी, जब उन्हें अंधेरे में रखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने चंडीगढ़ में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुला ली। इस सियासी चाल में शामिल इशारा साफ और पुरजोर था। कैप्टन को बदलाव की गतिविधियों से बाहर रखा गया, ताकि उन्हें विधायकों के बीच समर्थन जुटाने के लिए समय न मिल सके। कैप्टन ने अपनी पार्टी द्वारा दिए गए इस घाव को उन तमाम घावों में सबसे निर्मम माना, जो पार्टी ने उन्हें नवजोत सिंह सिद्धू के साथ खींचतान की वजह से दिए हैं। कैप्टन की सलाह के खिलाफ जाकर ही नवजोत सिंह सिद्धू को कांग्रेस राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। मध्य रात्रि में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाने का कदम एक तरह का तख्ता पलट ही था, जिसने इस बात की एकदम पुष्टि कर दी कि नेतृत्व का कैप्टन अमरिंदर सिंह पर से विश्वास उठ गया है। सभी मौजूदा संकेतों को देखकर यही लगता है कि वह नेतृत्व की योजनाओं के मोर्चे पर पार्टी के लिए गैर में तब्दील हो गए। यही वजह है कि वह कांग्रेस विधायक दल (जिसके वह नेता थे) में शर्मिंदा होने के बजाय मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपने के लिए राजभवन पहुंच गए। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति किसी भी तरह के विरोध से बचना चाहती थी, इसलिए विधायकों को दिए गए निर्देश में साफ कर दिया गया था कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए पार्टी कार्यालय पहुंचते समय रास्ते में कहीं भी पड़ाव नहीं डालना है। यह संदेश इसलिए स्पष्ट रूप से दिया गया था, क्योंकि मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर अपने फार्महाउस में बैठक बुला रखी थी। फिर भी राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने जाने से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह से मंत्रियों और पार्टी सांसदों के अलावा दो दर्जन से अधिक विधायकों ने मुलाकात की। अलविदा कहते हुए, उन्होंने विधायकों से विधायक दल की बैठक में भाग लेने के लिए कहा। शायद इसी वजह से विधायक दल की बैठक में 80 विधायकों में से 78 की उपस्थिति दर्ज हुई और विधायक दल ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को राज्य में कैप्टन का उत्तराधिकारी चुनने के लिए अधिकृत कर दिया। हमेशा नेहरू-गांधी परिवार के प्रति सम्मान का व्यवहार करने वाले कैप्टन ने उल्लेख किया है कि हाल के सप्ताहों में नई दिल्ली में जिन जांचों का उन्होंने सामना किया, उससे उन्हें 'अपमान' महसूस हुआ। उन्हें विधायक दल की बैठक के बारे में अंधेरे में रखकर मानो जले पर नमक छिड़का गया। पार्टी की आंतरिक उथल-पुथल के बीच, जो अक्सर खुलेआम हो जाती थी, कैप्टन अपने दोस्तों और सलाहकारों से कहते थे कि यदि नेतृत्व चाहे, तो वह सुलह के साथ पीछे हटने को तैयार हो जाएं। अपने फार्महाउस में सुशोभित चित्रों की ओर इशारा करते हुए वह कहते थे, सार्वजनिक जीवन में पांच दशक का अच्छा समय गुजारने के बाद मुझे कोई पछतावा नहीं है और संतुष्टि के साथ पीछे मुड़कर देखने के लिए बहुत कुछ है। अपने साथ हुए व्यवहार से परेशान होने के बावजूद कैप्टन ने नेहरू-गांधी परिवार को कभी बुरा-भला नहीं कहा। स्वर्गीय राजीव गांधी के साथ अपनी दोस्ती की यादों को ताजा करते हुए उन्होंने एक बार इस लेखक से कहा था, 'मैं सोनिया गांधी या उनके बच्चों के खिलाफ कभी नहीं जाऊंगा, जो मुझे अंकल कहते हैं।' मेरा आकलन है, यदि सोनिया गांधी सीधे इस्तीफा देने के लिए कहतीं, तो कैप्टन दे देते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कैप्टन ने मुझे वे संदेश भी दिखाए थे, जो उन्होंने प्रियंका गांधी के साथ अपने विशाल फार्महाउस में लगे पौधों और फूलों की उत्तम किस्मों के बारे में साझा किए थे और कहा था, 'वह अपना जवाब देने में बहुत तेज हैं।' ऐसे में, किसी को भी आश्चर्य हो सकता है कि आखिर संवाद की कड़ी कैसे टूटी, जिसका ऐसा दुखद परिणाम हुआ। कुछ मामलों में उनकी कार्यशैली की वजह से वांछित नतीजे नहीं मिले, जिससे भले ही लोगों और विधायकों के एक वर्ग के बीच उनकी लोकप्रियता घट गई थी, लेकिन समस्या हल के योग्य थी। अब यह धारणा कि उनके प्रमुख आलोचक नवजोत सिंह सिद्धू के हित में उन्हें बलिदान कर दिया गया है, कांग्रेस पार्टी की जमीन खराब कर सकती है। कम से कम विधानसभा चुनावों से पहले के बचे हुए समय में सिद्धू को मुख्यमंत्री के रूप में पेश नहीं करना चाहिए। गुस्सा शांत करने के लिए पंजाब के नए मुख्यमंत्री का किसी भी गुट से जुड़ाव नहीं होना चाहिए। कांग्रेस हाईकमान इसी कोशिश में दिखता है। जहां तक नवजोत सिंह सिद्धू का सवाल है, तो उनके साथ हमेशा से समस्याएं रही हैं। वह ऐसे नेता हैं, जो अपने ही नगाड़े पर मार्च करते हैं। वह लोक-लुभावन बोलने वाले नेता हैं, ऊर्जावान प्रचारक हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर चलने और सरकार चलाने में वह कितने कामयाब होंगे।

कितना सच बोलते हैं आंकड़े

देश के विभिन्न राज्यों में अपराधों की स्थिति समझने के वास्ते किसी भी जिज्ञासु शोधार्थी के लिए ब्यूरो की रिपोर्टें एक प्रस्थान बिंदु की तरह होती हैं। यह याद रखने की जरूरत है कि 1986 में स्थापित राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का काम सिर्फ राज्यों से प्राप्त अपराधों के आंकड़े संकलित कर प्रकाशित कर देना है। उसमें इतनी बौद्धिक क्षमता नहीं है कि इनका समाजशास्त्रीय अध्ययन कर वह अपराधों के घटने या बढ़ने की प्रवृत्तियों की शिनाख्त कर सके।

आंकड़ों के बारे में आम सहमति है कि वे हमेशा या पूरा सच नहीं बोलते और उनमें तैयार करने वालों की व्यक्तिगत पसंद-नापसंद की झलक हमेशा दिखती रहती है। पर यह भी सच है कि आंकड़ों का कोई विकल्प नहीं है, खासतौर से भारत जैसे एक वैविध्यपूर्ण समाज में, जहां नीति-निर्धारकों के पास धर्मों, जातियों, भाषाओं और भिन्न राष्ट्रीयताओं में बंटे समाजों के लिए योजनाएं बनाते समय इनके अलावा कोई दूसरा बेहतर आधार न हो। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2020 की रिपोर्ट छपकर आ गई है। देश के विभिन्न राज्यों में अपराधों की स्थिति समझने के वास्ते किसी भी जिज्ञासु शोधार्थी के लिए ब्यूरो की रिपोर्टें एक प्रस्थान बिंदु की तरह होती हैं। यह याद रखने की जरूरत है कि 1986 में स्थापित राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का काम सिर्फ राज्यों से प्राप्त अपराधों के आंकड़े संकलित कर प्रकाशित कर देना है। उसमें इतनी बौद्धिक क्षमता नहीं है कि इनका समाजशास्त्रीय अध्ययन कर वह अपराधों के घटने या बढ़ने की प्रवृत्तियों की शिनाख्त कर सके। इस काम को तो दूसरे शोध संस्थानों को ही करना होगा और निश्चित रूप से ब्यूरो के संकलित आंकड़े उनके लिए बहुमूल्य सिद्ध होते हैं। आंकड़ों से किसी निष्कर्ष पर पहुंचते समय यह जरूर याद रखना होगा कि सभी राज्य सरकारों की तरफ से कोशिश होती है कि अपराध को कम करके दिखाया जाए। अपवाद-स्वरूप भी ऐसा राज्य तलाशना मुश्किल होगा, जो इन आंकड़ों के स्रोत पुलिस थानों में शत-प्रतिशत आपराधिक मामले दर्ज कराने पर जोर देते हों। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में तो सर्वविदित है कि आधे से भी कम मामलों में एफआईआर दर्ज होती हैं। बहरहाल, ब्यूरो की यह रिपोर्ट वर्ष 2020 की है, जब कोविड महामारी के चलते देश का अधिकांश हिस्सा बंद था। सड़कों पर कम लोग निकलते थे और ज्यादातर कारखानों, दफ्तरों या शिक्षा संस्थानों में ताले लटके हुए थे। ऐसे में, यह स्वाभाविक ही है कि घरों के बाहर होने वाले अपराधों में गिरावट आई और चारदीवारियों के भीतर घरेलू हिंसा या यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी होंगी। अवसादजन्य हिंसा या आत्महत्याओं में भी वृद्धि हुई ही होगी, पर लीक से हटकर सोचने की बौद्धिक सलाहियत से वंचित ब्यूरो ने अपराध के पारंपरिक खानों में इनके लिए गुंजाइश नहीं रखी है, इसलिए उन पर बातचीत नहीं हो सकती। इसके बावजूद इस रिपोर्ट से समकालीन समाज को समझने में मदद मिलेगी।कोविड महामारी और परिणामस्वरूप लॉकडाउन के चलते महिलाओं, बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध अपराधों में कमी आई है, ऐसा ब्यूरो का मानना है, पर यह अन्य समाजशास्त्रीय स्रोतों के निष्कर्षों से भिन्न है। तमाम विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के जमीनी अध्ययन बताते हैं कि बड़े पैमाने पर रोजगार जाने, आमदनी में कटौती और जीवन में तरह-तरह की अनिश्चितताओं से उत्पन्न तनाव ने मध्य आयु वर्ग के सदस्यों का जीवन एक खास तरह के अवसाद से भर दिया है और यह घरेलू हिंसा के रूप में प्रकट हुआ है। बहुत से सर्वेक्षणों और अध्ययनों ने इसकी पुष्टि की है। ऐसे में, ब्यूरो के आंकड़े चौंकाते हैं। मुझे नहीं लगता कि वे विश्वसनीय हैं। इसी तरह से शिक्षा संस्थानों की बंदी के चलते घरों में कैद बच्चे भी चिड़चिड़े हुए हैं और उनके व्यवहार में भी रेखांकित किया जा सकने वाला परिवर्तन आया होगा, जिनको पकड़ने में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े मदद नहीं करते। हालांकि, यह समझ में आता है कि चोरी, सेंधमारी, राहजनी और डकैती जैसे मामलों में कोविड-काल में कमी आई है। अनुसूचित जातियों के खिलाफ होने वाली ज्यादतियों के मामलों में 9.4 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों द्वारा दर्ज मुकदमों में 9.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह समझ आने वाली स्थिति है, क्योंकि कोविड के लॉकडाउन से अमूमन ग्रामीण भारत, जहां अधिकतर अनुसूचित जातियां या जंगलों के नजदीकी रिहायशी इलाके, जहां अनुसूचित जनजातियां रहती हैं, अप्रभावित रहे। इन इलाकों में जीवन चलता रहा, इसलिए इतनी वृद्धि सामान्य कही जाएगी।लेकिन इन आंकड़ों में दो क्षेत्र दिलचस्प हैं। इस दौरान सरकारी आदेशों के उल्लंघन के मामलों में वृद्धि हुई। यह स्वाभाविक ही है कि कोविड-काल के निर्देशों, यथा मास्क पहनने या सामाजिक दूरी बनाए रखने के आदेश का अनुपालन करना भारतीय जन के लिए सांस्कृतिक आघात की तरह था और इस संबंध में बड़ी संख्या में मुकदमे कायम हुए। दूसरा क्षेत्र भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जहां अपराध कम हुए बताए गए। यह कैसे हुआ? नागरिकों के सामान्य संपर्क में आने वाले सरकारी कार्यालय आमतौर से बंद रहे, इसलिए स्वाभाविक रूप से संपर्क में कम नागरिक आए, और परिणामस्वरूप उनके उत्पीड़न की घटनाएं भी कम हुईं, लेकिन उस एक क्षेत्र का क्या हुआ, जिसका एक बड़ी आबादी से महामारी के दौरान पाला पड़ा। यह क्षेत्र था स्वास्थ्य। अमूमन आम दिनों में आबादी के छोटे हिस्से से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का संपर्क होता है और उनका अनुभव कोई बहुत अच्छा नहीं होता, लेकिन इस बार तो महामारी के चलते बड़ी संख्या में लोगों को सरकारी अस्पतालों का रुख करना पड़ा और बड़े पैमाने पर उन्हें ऐसे अनुभवों से गुजरना पड़ा, जो प्रचलित कानूनों के अंतर्गत भी भ्रष्टाचार की परिधि में आते हैं और इन मामलों में मुकदमे दर्ज होने चाहिए थे। देश भर के अखबार ऐसी खबरों से भरे पड़े थे, जिनमें मरीजों या तीमारदारों के साथ दुर्व्यवहार, दवाओं और अन्य सुविधाओं के लिए अवैध उगाही या फिर सरकारी तंत्र की अक्षमता के किस्से बयान किए गए थे। महामारी के दौरान जनता को मिले तल्ख अनुभवों पर गीत रचे गए, कहानियां लिखी गईं, फिल्में बनीं और इन सबके बावजूद ब्यूरो की रिपोर्ट अगर भ्रष्टाचार के मामले कम दिखा रही है, तो स्पष्ट है कि इसे गहराई से परखने की जरूरत है। पूरी संभावना है कि बहुत कम प्रकरण थानों में लिखे गए। यह भी संभव है कि बहुत से मामलों में पीड़ित पुलिस के पास न गए हों। लोगों को उम्मीद नहीं रहती कि उनकी शिकायतें दर्ज होंगी या वे सरकारी मशीनरी से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद करते हों और जब तक कोई बड़ी दुर्घटना न घटे, वे थाना-कचहरी के चक्कर में नहीं पड़ना चाहते। कुछ भी हो, भ्रष्टाचार के मामलों में गिरावट हमारी सामाजिक संरचना पर एक टिप्पणी की तरह तो है ही।

पित्र पक्ष, श्राद्ध

प्रभा पारीक,गुजरात

हिन्दु धर्म में मृत्यु के बाद श्राद्ध करना बेहद जरूरी माना जाता है। मान्यतानुसार अगर किसी मनुष्य का विधि पूर्वक श्राद्ध और तर्पण न किया जाये तो उसे इस लोक में मुक्ति नहीं मिलती,और वह भूत के रूप में इस संसार में ही रह जाता है।

पित्र पक्ष का महत्व-ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार देवताओं को प्रसन्न करने के लिये पहले मनुष्य को अपने पितरोंपुर्वजोंकों प्रसन्न करना चाहिये । पित्र दोष से बचने का यही एक सरल तरीका है। हिन्दु ज्योतिष के अनुसार सबसे जटिल कुडंली दोष में से एक गिना जाता है। पितरों की शान्ति के लिये हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा आश्विन कृष्ण अमावस्या तक के काल को पित्र पक्ष श्राद्ध होते हैं। मान्यता हैं कि इस दौरान कुछ समय के लिये यमराज पितरों को आजाद कर देतें है। ताकि वह अपने परिजनों से श्राद्ध ग्रहण कर सके।

श्राद्ध क्या है?

ब्रह्म पुराण के अनुसार जो भी वस्तु उचित काल या उचित स्थान पर पितरों के नाम उचित विधि द्धाराब्रहमणों को श्रद्धा पूर्वक दिया जाये वह श्राद्ध कहलाता हैं श्राद्ध के माध्यम से पितरों को तृप्ती के लिये भोजन पहुंचाया जाता है। पिंड रूप में पितरों को दिया गया भोजन श्राद्ध का अहम हिस्सा हैं।

क्यों जरूरी है श्राद्ध देना-मान्यता हैं कि अगर पित्ररूष्ट हो जायें तो मनुष्य को जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड सकता है। पितरों की अशान्ति से धन हानि और संतान पक्ष की समस्याओं का सामना करना पडताहैं।संतानहिनता की स्थिति में ज्योतिष पित्र दोष को जरूर देखते हैं ऐसे लोगों को पित्र पक्ष के दौरान श्राद्ध अवश्य करना चाहिये।

क्या दिया जाता हैं श्राद्ध में?

श्राद्ध में तिल चांवल जौ आदि को अधिक महत्व दिया जाता हैं साथ ही पुराणों में इस बात का जिक्र हैं कि श्राद्ध का अधिकार केवल योग्य ब्रह्मण को हैं श्राद्ध में तिल और कुशा का सर्वाधिक महत्व हैं श्राद्ध में पितरों को अर्पित किये जाने वाले भोज्य पदार्थ को पिन्डी रूप में अर्पित करना चाहिये। श्राद्ध का अधिकार पुत्र को पौत्र को भाई प्रपौत्र समेत महिलाओं को भी होता हैं

श्राद्ध में कौओं का महत्व-कौए को पितर का रूप माना जाता हैं मान्यता हैं कि श्राद्ध ग्रहण करने के लिये हमारे पित्रकौऐ बन कर नियत तिथि पर दोपहर के समय हमारे घर आते हैं अगर उन्हे श्राद्ध नहीं मिलता तो वह रूष्ट हो जाते हैं।इस कारण श्राद्ध का प्रथम अंश कौए को दिया जाता है।

किस तारीख को करना चाहिये श्राद्ध?

सरल शब्दों में समझा जाय तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु की तिथि पर श्रद्धा पूर्वक याद किया जाता हैं अगर किसी परिजन की मृत्यु (उदाहरण प्रतिपदा को हुयी हैं तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा को ही किया जाये।)इस प्रकार अन्य दिनों में भी ऐसा ही किया जाता हैं इस विषय में कुछ विशेष मान्यतायें है। पिता का श्राद्ध अष्टमी के दिन, माता का श्राद्ध नवमी के दिन किया जाता हैं जिन परिजनों की अकाल मृत्यु हुयी हैं ,यानि किसी दुर्धटना आत्महत्या के कारण हुयी हैं तो उनका श्राद्ध चर्तुदशी के दिन किया जाता हैं साधु संन्यासीयों का श्राद्ध ,द्वादशी के दिन किया जाता हैं जिन परिजनो के मृत्यु का दिन याद नहीं उनका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है। इस दिन को सर्व पित्र श्राद्ध भी कहते हैं श्राद्ध करने का तरीका हमारे देश में भी भिन्न भिन्न हैं क्यों की हर प्रांत में भोजन भी भिन्न हैं पर श्राद्ध में भरपेट भोजन के बाद दक्षिणा का भी उतना ही महत्व हैं। दूध व दूध से बने आहार को प्राथमिकता देते हुये सभी तरह के शाकाहार को सम्मिलित करते हुयेषठरस भोजन को महत्व दिया जाता हैं कहीं उडदकी दाल का महत्व हैं तो कहीं चांवल जौ का पर मिष्ठान को भी महत्वपूर्ण माना गया हैं श्राद्ध में तुलसीदल का समावेश करते हुये गौ ग्रास को भी अपना स्थान दिया गया हैं गाय के बाद कुत्ते के लिये भोजन निकालना भी जरूरी माना गया हैं।परिजन के निमित्त पांच वस्त्र दान को भी श्राद्ध का ही एक भाग माना जाता हैं ।श्राद्ध कर्म करते समय प्रसन्न मन अपनी श्रद्धा, भक्ति क्षमता के अनुसार भोजन बना कर तुलसीदल हाथ में लेकर अंजुली में जल ले पूवाभिमुख बैठ कर अपना नाम गोत्र और जिसके निमित्त किया जा रहा हैं उनका नाम बोल कर श्री कृष्ण को समर्पित कर दे। और भोजन कराये भोजन के बाद पान सुपारी आदि दे कर आसन दे और दक्षिणा दे कर हॅसते प्रसन्नचित्त विदा करेसेजिसके निमित्त श्राद्ध किया जा रहा हैं उनके नाम से पूजापाठ दान घर्म जो कुछ भी आपसे बन पडे करें।

योगी सरकार के 4.5 सालः काम पर मुहर, पर नाकामियों पर पर्देदारी क्यों जरूरी?

उत्तर प्रदेश में 2017 में बीजेपी सरकार आई, अप्रत्याशित रूप से योगी आदित्यनाथ को सूबे का मुख्यमंत्री बनाया गया। काम की बात करें तो यूपी ने जिस 'खौफ' के साथ बीते करीब 10-15 सालों से जिंदगी जी थी, उसमें व्यापक बदलाव हुआ। केन्द्र सरकार की योजनाएं भी 100त्न तो गरीबों तक नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन पहले के मुकाबले काफी बेहतर स्थिति थी। अधिकारियों ने 'कुछ' काम भी करना शुरू कर दिया था। इन सबके बीच अगर सीधे तौर पर 'थोड़ी-बहुत' कमियों के लिए जिम्मेदार मुख्यमंत्री और सरकार को माना जाए या ठहराया जाए तो 'थोड़ी' सी ज्यादती मानी जाएगी। निश्चित तौर पर लंबे समय से एक परंपरा चल रही थी, कामचोरी की परंपराज अब वो परंपरा बदल रही है, पूरी तरह से नहीं लेकिन कुछ तो काम हो ही रहा है।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश में सत्ता की कमान संभाली थी। रविवार को उनके कार्यकाल के साढ़े चार साल पूरे हो गए। कई कार्यक्रम हुए, सोशल मीडिया पर जमकर ट्रेंड्स चलाने की कोशिश हुई, इसलिए मैं उन बेहतर कामों की बात नहीं करूंगा, मैं बात करूंगा उस व्यवस्था की जो पूरी तरह से ध्वस्त हो गई। मैं बात करूंगा उस लापरवाही की, जिसकी वजह से आज एक शानदार विजन पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। याद करिए कोरोना की पहली लहर, एक पत्रकार के तौर पर मैंने खुद कई विश्लेषण किए, पाया कि दुनिया के कई देशों में उतना शानदार काम नहीं हो रहा था, जितना यूपी में हो रहा था। हालांकि कुछ भी परफेक्ट नहीं था, लेकिन व्यावहारिक हकीकत समझें तो आपदा इतनी बड़ी थी कि सबकुछ परफेक्ट हो भी नहीं सकता था। लेकिन फिर भी एक पत्रकार के तौर पर मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि तुलनात्मक दृष्टि से काम ठीक हुआ। अब बात करें कि पहली लहर में बेहतरीन व्यवस्था के मानक तय करने वाली योगी सरकार की व्यवस्थाएं ध्वस्त क्यों हो गईं। हालांकि इसमें भी दोष स्थानीय अधिकारियों को दिया जा सकता है लेकिन हकीकत यही है कि लापरवाही सरकार के तौर पर अधिक हुई, ऐसा इसलिए क्योंकि व्यवस्था बड़े स्तर पर ध्वस्त हुई, और सरकार को हमने इसी स्तर पर व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के लिए बैठाया है।मैं उस दौरान बंगाल चुनाव की कवरेज के लिए गया था। क्योंकि खुद को लेकर मैं हमेशा से काफी लापरवाह रहा हूं, इसलिए घरवाले परेशान थे कि वहां फील्ड में सेफ्टी और सिक्यॉरिटी के लिहाज से मैं कितनी जागरूकता दिखा रहा होऊंगा। लगातार लोगों के फोन आ रहे थे, किसी को ऑक्सिजन नहीं मिल रही थी तो किसी को रेमडेसिविर। सोशल मीडिया और मेन स्ट्रीम मीडिया में जहां व्यवस्थाओं की बदहाली साफ दिख रही थी, वहीं सरकार और प्रशासन की ओर से दावा किया जा रहा था कि किसी चीज की कमी नहीं है, सब ठीक है। पर मन इस बात को मानने को तैयार ही नहीं था कि सब ठीक है। ऑक्सिजन के लिए सबसे ज्यादा मारामारी थी। फिर हमने दहकते शवों की तस्वीरें भी देखीं, उस भीड़ को भी देखा, जिसे अपने किसी परिचित/रिश्तेदार के शव के अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं मिल रही थी। वक्त मुश्किल था, बहुत मुश्किलज लेकिन कमी मान लेने में बुराई क्या है? कभी सदन में सरकार कहती है, कभी सीएम योगी की विधायकज कि ऑक्सिजन की कमी से मौत नहीं हुई। मैं मानता हूं कि उस दौरान खूब कालाबाजारी हुई, जमाखोरी हुई लेकिन उसे रोकने की जिम्मेदारी भी तो सरकार और प्रशासन की थी ना? वहां पर अगर फेल्योर हुई तो उसकी जिम्मेदारी सरकार और स्थानीय प्रशासन को लेनी ही चाहिए ना? अपनी गलती को मान लेने वाला बड़ा होता है, ना कि अपनी गलती को छिपाने के चक्कर में सैकड़ों झूठ बोलने/बोलवाने वाला। बड़ा वह नहीं होता जो अपने अधीनस्थ की लापरवाही छिपाए, बल्कि बड़ा वह होता है जो अधीनस्थ की लापरवाही साफ दिखने पर तत्काल प्रभाव से कड़ी कार्रवाई करे। यह बात सिर्फ योगी सरकार ही नहीं, बल्कि सभी सरकारें अगर समझ लें तो शायद भविष्य में इस तरह की नाकामियों से बचा जा सकता है।

दूर तक सुनाई देगी गुजरात प्रयोग की गूंज

गुजरात में विजय रूपाणी को मुख्यमंत्री पद से हटाना और उनकी जगह भूपेंद्र पटेल को बिठाते हुए मंत्रिमंडल में सारे नए चेहरों को लाना ऐसा प्रयोग है जिसकी चर्चा लंबे समय तक होगी। 2017 के प्रदेश विधानसभा चुनाव में मोदी और शाह को बहुमत के लिए नाकों चने चबाने पड़े थे। मोदी द्वारा किसी भी एक राज्य के विधानसभा चुनाव में उसकी जनसंख्या की तुलना में सबसे ज्यादा सभाएं करने, अमित शाह के लंबे समय तक डेरा जमाने तथा पूरी पार्टी की शक्ति झोंकने के बावजूद किसी तरह 99 स्थानों का बहुमत मिल सका। माना यही गया कि पटेल जाति की नाराजगी बीजेपी को महंगी पड़ी। ऐसे में विजय रूपाणी की जगह भूपेंद्र पटेल को लाने की पहली व्याख्या यही हो सकती है कि यह पटेलों की नाराजगी दूर करने का प्रयास है। मंत्रिमंडल में 7 पटेलों के अलावा 6 अति पिछड़ों, 5 आदिवासियों, 3 क्षत्रियों, 2 ब्राह्मणों और एक-एक दलित तथा जैन को शामिल किया जाना भी जातीय समीकरण साधने की कोशिश ही माना जाएगा।ऐसे में यहां यह प्रश्न उठाना आवश्यक है कि नरेंद्र मोदी को क्यों भारी समर्थन मिलता रहा जबकि वह न पटेल जाति से हैं और न गुजरात में उनका बड़ा जातीय जनाधार है? आज भी गुजरात में उनकी लोकप्रियता किसी भी अन्य नेता से ज्यादा है तो इसका अर्थ यही है कि पटेलों का बड़ा तबका भी उन्हें अपना नेता मानता है। 2014 और 2019 का चुनावी विश्लेषण बताता है कि समाज के एक बड़े वर्ग ने जाति, संप्रदाय और क्षेत्र से ऊपर उठकर मोदी के पक्ष में मतदान किया। ऐसे में स्वयं मोदी चुनावी सफलता के लिए जातीय समीकरण को निर्णय के केंद्र में लाएंगे, इस पर सहसा विश्वास करना मुश्किल है। ऐसा हो तो इसे क्या कहा जाएगा? क्या इसे जाति और संप्रदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर मतदान करने वालों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कहेंगे? गुजरात के सीमित संदर्भ में बात करें तो भी पटेलों की नाराजगी आनंदीबेन पटेल के मुख्यमंत्री रहते ही सामने आ गई थी। अगर किसी पटेल का मुख्यमंत्री होना या मंत्रिमंडल में पटेल समुदाय के लोगों का पर्याप्त संख्या में रहना नाराजगी दूर करता तो आनंदीबेन पटेल की जगह विजय रूपाणी को मुख्यमंत्री बनाने की नौबत नहीं आती।गुजरात में संपूर्ण मंत्रिमंडल के परिवर्तन से जो संदेश निकल रहे हैं वे वर्तमान और भविष्य दोनों लिहाज से नुकसानदेह कहे जा सकते हैं। स्वयं मोदी केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ-साथ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के चयन में भी जाति और क्षेत्र से ज्यादा उनकी योग्यता, ईमानदारी और वैचारिक निष्ठा को अहमियत देते रहे हैं। हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर का कोई जातीय आधार नहीं रहा है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं। यह भी विचार करने का विषय है कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के बाद वहां मंत्रिमंडल के चयन में यह कसौटी नहीं अपनाई गई। उत्तराखंड में भी यह कसौटी नहीं थी। गुजरात प्रयोग के दूसरे पहलू भी चिंता पैदा करते हैं। मंत्रिमंडल में पूर्व मंत्रियों को जगह नहीं देने का अर्थ तो यही है कि जिसने बेहतर काम कर अपनी योग्यता साबित की और जिसने अच्छा काम नहीं किया, वे दोनों बराबर माने गए। इससे आम धारणा यही बनेगी कि भैया, आप काम करो न करो मोदी जी की जब इच्छा होगी आपको हटाकर किसी और को बिठा देंगे।वैसे यह बात पहले से साफ थी कि राष्ट्रीय तथा प्रादेशिक स्तरों पर सरकार और संगठन में व्यापक परिवर्तन होंगे क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान तथा पश्चिम बंगाल पराजय के बाद बीजेपी अपेक्षानुरूप प्रखर भूमिका निभाने में विफल रही है। इनमें आगामी चुनावों का भी ध्यान रखा जाएगा। लेकिन जैसा परिवर्तन गुजरात में हुआ उसे तर्क की कसौटी पर सही साबित करना कठिन है। इस समय नरेंद्र मोदी के रूप में केंद्रीय नेतृत्व सशक्त और प्रभावशाली है तो इसके विरुद्ध बड़ा विद्रोह नहीं दिखेगा लेकिन आवश्यक नहीं कि हमेशा इतना ही सक्षम नेतृत्व रहे। इस तरह के निर्णय की परंपरा बनी तो यह भविष्य में पार्टी के विभाजित होने का कारण भी बन सकता है। अबकी बार गुजरात में बीजेपी की 'नई सरकार', आखिर क्यों खेला पार्टी ने ऐसा दांव?

जलीय खाद्य की जरूरत

मनुष्य के लिए भोजन एक सबसे महत्वपूर्ण विषय है। भोजन के लिए लोग न जाने क्या-क्या करते हैं और न जाने कहां से कहां तक चले जाते हैं। फिर भी हमारी दुनिया की एक बड़ी सच्चाई है कि रोज लगभग 70 करोड़ लोग भूखे रह जाते हैं, जिनमें से करीब 25 करोड़ लोग भुखमरी जैसी स्थिति में रहने को मजबूर हैं। दुनिया में बहुत प्रयासों के बावजूद खाद्य असुरक्षा की समस्या बढ़ती चली जा रही है। जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक बारिश या कम बारिश के कारण भी सामान्य खाद्यान्न उत्पादन पर गहरा असर पड़ रहा है। दुनिया में एक बड़े इलाके में स्थायी रूप से खेती प्रभावित होने लगी है। लोग खेती छोड़कर दूसरे व्यवसायों में लगने को मजबूर हो रहे हैं और खेती करने वालों की संख्या घट रही है। कृषि उत्पादों की कीमत बढ़ रही है और लगे हाथ मंदी का दौर भी चल ही रहा है। तो कुल मिलाकर दुनिया में यह एक बड़ी चिंता है कि आने वाले समय में वंचितों या भूखे लोगों का पेट कैसे भरा जाएगा? ऐसे में, ब्ल्यू फूड की चर्चा दिनों दिन तेज होती जा रही है। ब्ल्यू फूड मतलब जलीय खाद्य पदार्थ। इसमें कोई शक नहीं कि हमें पानी से मिलने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में पूरी जानकारी है, लेकिन हमने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि जलीय खाद्य पदार्थ क्षेत्र में कितनी संभावना है। खाद्य आपूर्ति की हमारी योजनाओं में थल भाग या खेतों-वनों में पैदा होने वाले उत्पादों की ही बहुलता होती है। ये ब्ल्यू फूड कई खाद्य प्रणालियों का महत्वपूर्ण घटक हैं, फिर भी खाद्य नीति बनाते समय इन पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। हमें अपनी खाद्य नीति में जलीय खाद्य पदार्थों को भी शामिल करके खाद्य सुरक्षा का विस्तार करना चाहिए। भारत में ओडिशा या दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों में दोपहर के भोजन में ब्ल्यू फूड के ही एक प्रकार मछली का उपयोग शुरू हो रहा है, लेकिन इस कार्य को बड़े पैमाने पर उन तमाम क्षेत्रों में तो किया ही जा सकता है, जहां जलीय खाद्य पदार्थों की प्रचुर उपलब्धता है। जलीय खाद्य पदार्थ, मीठे पानी और समुद्री परिवेश से प्राप्त पशु, पौधे और शैवाल दुनिया में 3.2 अरब से भी अधिक लोगों को प्रोटीन की आपूर्ति करते हैं। दुनिया के कई तटीय, ग्रामीण समुदायों में यह पोषण का मुख्य आधार है। यह बात भी छिपी नहीं है कि जलक्षेत्र 80 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन इतना विशाल क्षेत्र होने के बावजूद दुनिया में लोग भूखे सोने को मजबूर हैं। पोषण का बड़ा अभाव है। हमें जमीन आधारित खाद्य प्रणालियों की सीमा और उसके खतरों को भी समझना चाहिए।

वरिष्ठ नगर नियोजक श्री सन्त सरन को मिला राज्यस्तरीय योग्यता पुरस्कार

जयपुर (कासं)। उद्योग मंत्री श्री परसादीलाल मीणा ने मंगलवार को आवासन मंडल के वरिष्ठ नगर नियोजक श्री सन्त सरन को राज्यस्तरीय योग्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि श्री सन्त सरन को राजकीय उपक्रम श्रेणी में एकमात्र योग्यता पुरस्कार प्रदान किया गया है। इस अवसर पर आवासन आयुक्त ने श्री सन्तसरन को राज्यस्तरीय पुरस्कार मिलने पर बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि श्री सन्तसरन मंडल के कर्मठ और ईमानदार कार्मिक हैं। राज्य सरकार ने इनके द्वारा अपने सेवाकाल में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया है। उन्होंने अन्य कर्मचारियों को भी इनसे प्रेरणा लेकर कार्य करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि श्री सन्त सरन मंडल में 1982 से कार्यरत हैं। वर्तमान में ये मंडल में वरिष्ठ नगर नियोजक के पद पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर राजस्थान आवासन मंडल के अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक श्री अनिल माथुर भी उपस्थित थे।

राज्यपाल को भेंट किया श्रील् प्रभुपाद जी की 125वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष में जारी विशेष स्मारक सिक्का

जयपुर (कासं)। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र को अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के संस्थापक भक्तिवेदांत स्वामी श्रील् प्रभुपाद जी की 125वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष में इस्कॉन के उत्तर-पूर्व क्षेत्र प्रभारी श्री देवकीनन्दन दास ने मंगलवार को यहां राजभवन में विशेष स्मारक सिक्का भेंट किया। गत एक सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यह विशेष स्मारक सिक्का जारी किया गया था। इस अवसर पर इस्कॉन जयपुर परिचालन समिति के श्री सुरेश पोद्दार, श्री संजय साबू, श्री पंचरत्न दास, श्री संजय माहेश्वरी एवं जनार्दन जितेन्द्रिय दास उपस्थित रहे।

खोपरा और मिश्री खिलाकर गलतियों के लिए मांगी क्षमा

जयपुर (कासं)। दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण महापर्व का समापन मंगलवार को पड़वा ढोक क्षमावाणी के साथ हुआ। जैन मंदिरों में सुबह अभिषेक, शांतिधारा के बाद नित्यनियम पूजा हुई। चातुर्मासरत मुनियों और आर्यिकाओं के सान्निध्य में क्षमावाणी पर्व के महत्व पर प्रवचन हुए। वहीं शाम को भगवान को पांडुकशिला में विराजमान कर पूजन किया गया। स्वर्ण और रजत कलशों से भगवान का जल, चंदन, घी, दूध, दही, सर्वोषधि और पंचामृत से अभिषेक किया गया। इसके बाद धर्मावलंबियों ने एक-दूसरे को खोपरा और मिश्री खिलाकर वर्ष भर में जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना की।

आर्यिका संघों का हुआ मंगल मिलन, संतों में भी मांगी क्षमायाचना

जयपुर (कासं)। श्याम नगर स्थित महावीर दिगंबर जैन मंदिर और आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दोनों में सामूहिक पड़वा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विवेक विहार दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास कर रही आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भी विवेक विहार से विहार कर वशिष्ठ मार्ग जैन मंदिरों में मंगल प्रवेश किया। जहां आर्यिका गौरवमती माताजी ससंघ ने आर्यिकाविज्ञाश्री माताजी ससंघ की मंगल अगवानी की। इस दौरान सर्व प्रथम आर्यिका संघों के सान्निध्य में महावीर दिगंबर जैन मंदिर में श्रीजी के कलशाभिषेक व शांतिधारा हुई। इसके बाद आर्यिका संघ के मंगल प्रवचन हुए। इसके बाद आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रीजी के स्वर्ण एवं रजत कलशों से पंचामृत कलशाभिषेक एवं वृहद शांतिधारा का आयोजन हुआ। इसी दौरान सामूहिक क्षमावाणी पर्व भी मनाया गया। इसमें आर्यिका संघों में विराजमान सभी आर्यिका, क्षुल्लिका माताजी आदि ने भी क्षमायाचना की।

विजेन्द्र मेहरा भाजपा सिविल लाइंस शांति नगर मंडल के वार्ड 39 के संयोजक मनोनीत

जयपुर (कासं). भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राघव शर्मा के निर्देशानुसार सिविल लाइंस विधानसभा के शांति नगर मंडल की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विजेन्द्र मेहरा को वार्ड 39 का संयोजक मनोनीत किया गया।

महवा के अस्पताल को मिली नई एंबुलेंस

प्रसूताओं के लिए वरदान साबित होगी 104 एंबुलेंसः हुड़ला

जयपुर (कासं)। महवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए मंगलवार को राज्य सरकार से नई एंबुलेंस की सौगात मिल गई है। क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश हुड़ला ने नई एंबुलेंस का फीता काटकर शुभारंभ किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री का आभार जताते हुए बताया कि प्रसूता के लिए यह एंबुलेंस वरदान साबित होगी उन्होंने कहा कि शिशु और प्रसूता को अस्पताल से घर और प्रसूता को घर से अस्पताल पहुंचाने के लिए इसे काम में लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 24 घंटे यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार से हादसे में घायल होने वाले लोगों के लिए राज्य सरकार ने 108 एंबुलेंस जैसी सुविधा दे रखी है, उसी प्रकार जननी सुरक्षा

योजना के अंतर्गत 104 एंबुलेंस के नाम से यह सुविधा जारी रहेगी। प्रसूता के परिजन 104 नंबर पर कॉल कर एंबुलेंस को आमंत्रित कर सकते हैं। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत पूर्व में अस्पताल को दी गई एंबुलेंस के खराब हो जाने के बाद चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह एंबुलेंस अस्पताल को भिजवाई गई है। इस दौरान ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शिवचरण गुर्जर और स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ दिनेश मीणा ने क्षेत्रीय विधायक का आभार जताते हुए उनका माला अर्पण कर स्वागत किया।

अब पट्टों पर होंगे निकाय प्रमुख के हस्ताक्षर... नहीं अटका सकेंगे पट्टा

स्वायत्त शासन विभाग ने जारी किए आदेश

विधानसभा में भी उठा था मामला

जयपुर (कासं)। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने निकाय प्रमुखों की मांग की पूरी कर दी है। प्रशासन शहरों के संग अभियान में जो पट्टे जारी होंगे, उन पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी और निकाय प्रमुख के संयुक्त हस्ताक्षर होंगे। मगर इसमें समय की बंदिश भी डाल दी है। अगर निकाय प्रमुख 15 दिन में पट्टे पर हस्ताक्षर नहीं करता है, तो इसे डीम्ड अनुमति मानते हुए निकाय आयुक्त या अधिशासी अधिकारी अपने स्तर पर ही पट्टा जारी कर सकेंगे। विधानसभा में यह मामला उठा था। कई विधायकों ने मांग की थी कि अभियान के दौरान जारी होने वाले पट्टों में निकाय प्रमुख के भी हस्ताक्षर हों। इस पर धारीवाल ने विधानसभा में इस बारे में घोषणा की थी। इसके बाद स्वायत्त शासन विभाग ने आदेश जारी किए हैं। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि यह आदेश अभियान अवधि तक की प्रभावी रहेंगे।

17 निकायों में अधिकारियों के हाथ में सत्ता : प्रदेश के 213 निकायों में से 17 निकाय नए हैं, जहां अभी तक चुनाव नहीं हो पाए है। यहां अधिकारियों के पास ही कुछ माह पहले अस्तित्व में आए हैं। इस कारण यहां चुनाव नहीं हुए। इस वजह से अधिकारी के हस्ताक्षर से ही यहां पट्टे जारी किए जाएंगे। इनमें जयपुर का बस्सी व पावटा (प्रागपुरा), श्रीगंगानगर में लालगढ़ जाटान, अलवर में लक्ष्मणगढ़, रामगढ़, बानसूर, दौसा में मण्डावरी, भरतपुर में उच्चैन, सीकरी, धौलपुर में सरमथुरा, बसेड़ी, करौली में सपोटरा, सवाईमाधोपुर में बामणवास, जोधपुर में भोपालगढ़, सिरोही में जावाल, कोटा में सुल्तानपुर और बारां के अटरू में अधिकारी ही पट्टा जारी करेंगे।

सरकार को डर था, पट्टे ना अटक जाएं

प्रदेश के कई निकायों में भाजपा के निकाय प्रमुख हैं। सरकार ने अभियान में 10 लाख पट्टे देने का लक्ष्य रखा है। सरकार को अंदेशा था कि जहां भाजपा के निकाय प्रमुख हैं, वहां पट्टे अटक सकते हैं। मगर प्रदेश के ज्यादातर निकायों ने इसका विरोध किया और पट्टों पर निकाय प्रमुख के हस्ताक्षर की मांग की।

दो साल की लीज जमा कराओ, फ्री होल्ड का पट्टा पाओ

प्रशासन शहरों के संग अभियान में सरकार ने दी छूट, जिन प्रकरणों में 8 या 10 वर्ष की लीज है जमा, उन्हें मिलेगा फायदा

जयपुर (कासं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान महज दो साल की लीज एकमुश्त जमा कराने पर फ्री होल्ड का पट्टा दिया जाएगा। इस आदेश का फायदा उन लोगों को मिलेगा, जो 99 वर्ष की लीजडीड के लिए 8 या 10 वर्ष की लीज एकमुश्त जमा करवाकर लीज मुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं। नगरीय विकास विभाग की ओर से जारी आदेशों के तहत इस तरह के प्रकरणों में पुरानी लीजडीड को निकाय में समर्पित करवाकर पुरानी लीजडीड के पंजीयन का उल्लेख करते हुए नया फ्री-होल्ड पट्टा जारी किया जाएगा। इसी तरह जिन प्रकरणों में लीजडीड या पट्टा जारी होने के बाद संपत्ति विक्रय, वसीयत, गिफ्ट के आधार पर 4 जनवरी, 2021 के अधिसूचना के अनुसार 10 वर्ष या 2 वर्ष की लीज राशि एकमुश्त जमा करवाकर लीजडीड या पट्टा को समर्पण करवाकर फ्री होल्ड का पट्टा जारी किया जाएगा, हालांकि पंजीकृत विक्रय पत्र व वसीयत के प्रकरणों में विज्ञप्ति जारी की जाएगी। इन प्रकरणों में पंजीयन की दरों में छूट के लिए जल्द ही आदेश जारी किए जाएंगे।

आदेश में यह भी शामिल

आदेश में लिखा है कि अगर लीजडीड या पट्टा जारी होने के बाद भूखंडों का उप विभाजन या पुनर्गठन कर निर्णय लिया जाता है तो ऐसे प्रकरणों में भी 10 वर्ष या 2 वर्ष की लीज राशि एकमुश्त जमा करवाकर लीजडीड या पट्टा को समर्पण करवाकर फ्री होल्ड का पट्टा जारी किया जाएगा। भू-उपयोग परिवर्तन के निर्णय पश्चात पुराना पट्टा -लीजडीड समर्पण कराकर 10 वर्ष या 2 वर्ष की लीज राशि एकमुश्त लेकर नया फ्री होल्ड का पट्टा जारी किया जाएगा।

शहरों के संग अभियान के लिए जनजागरण

प्रशासन शहरों के संग अभियान की तैयारी कैम्प के लिए जनप्रतिनिधियों, मुख्य सफाई निरीक्षकों एवं सफाई निरीक्षक घर-घर संपर्क कर अभियान के बारे में जानकारी दे रहे हैं। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि अभियान के लिए वेबसाइट shaharw@wv.rajasthan.gov.in बनाई गई, जिसमें अभियान की पूरी जानकारी दी जा रही है। साथ ही आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए हेल्प डेस्क नं. 1800 180 6127 प्रारम्भ किया है।

हेरिटेज नगर निगम सीमा में अब डीएलसी से अधिक आरक्षित दर

जयपुर (कासं)। हेरिटेज नगर निगम सीमा में अब जमीनों की कीमत कुछ महंगी होगी। नगर निगम ने बनीपार्क, आदर्श नगर, सी-स्कीम आदि जेडीए से ट्रांसफर होकर आई पुरानी योजनाओं की आरक्षित दरें तय कर दी। इनमें जिन क्षेत्रों की डीएलसी दर 20 हजार रुपए प्रतिवर्ग मीटर से अधिक है, वहां 20 हजार से ऊपर की अंतर राशि का 40 प्रतिशत अधिक आरक्षित दर होगी। ऐसे में शहर के कई पोश इलाके ऐसे हैं, जहां डीएलसी से अधिक आरक्षित दर हो जाएगी। इससे लीज राशि आदि अधिक चुकानी पड़ेगी।

हेरिटेज नगर निगम ने मंगलवार को निगम क्षेत्र की आरक्षित दरें तय कर दी है। हेरिटेज निगम के किसी क्षेत्र की डीएलसी दर 20 हजार रुपए से अधिक है तो उस क्षेत्र की आरक्षित दर डीएलसी दर के अलावा अंतर राशि में 40 प्रतिशत जोड़कर आरक्षित दर ली जाएगी। यानी 20 हजार में 40 प्रतिशत और जोड़ने से उस क्षेत्र की आरक्षित दर निकाली जाएगी। इसी के आधार नगर निगम उस क्षेत्र से लीज आदि की वसूली करेगा। बैठक में निर्णय लिया कि डीएलसी दर 20,000 रुपए तक है तो उस क्षेत्र की आरक्षित दर भी वही रहेगी, लेकिन डीएलसी दर 20,000 से अधिक है तो उस क्षेत्र की आरक्षित दर डीएलसी के साथ 40 प्रतिशत और जोड़कर ली जाएगी।

कोविड संदिग्ध मरीजों की स्टडी करेगा आईसीएमआर

कोटा. कोविड पोजिटिव मरीजों की संख्या में भले ही कमी आई हो, लेकिन अब भी ऐसे मरीज सामने आ रहे हैं जिनमें कोविड के लक्षण हैं, लेकिन आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। इसकी जानकारी मिलने पर संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर आए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आईसीएमआर के महानिदेशक से बात कर ऐसे मामलों की स्टडी करने को कहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने मंगलवार को कोविड तथा मौसमी बीमारियों की रोकथाम के उपायों की समीक्षा के लिए जिला प्रशासन और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कोविड पर चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कोविड पोजिटिव मरीजों की संख्या में कमी आई है। परन्तु ऐसे मरीज सामने आ रहे हैं जिनकी रिपोर्ट निगेटिव है, लेकिन कोविड के लक्षण हैं। इन मरीजों को ऑक्सीजन और वेंटीलेटर सपोर्ट की आवश्यकता भी पड़ रही है। बिरला ने इसका कारण पूछा तो चिकित्सा अधिकारी कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने बैठक में ही आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव से फोन पर बात की। डॉ. भार्गव से बात करने के बाद उनकी बात मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. विजय सरदाना से भी करवाई। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर और मेडिकल कॉलेज मिलकर इस तरह के मामलों की स्टडी करें तथा कारणों का पता लगाएं। डॉ. भार्गव ने डा. सरदाना को केस से जुड़ी जानकारी और दस्तावेज लेकर दिल्ली बुलाया है।

निजी स्कूल में पिटाई से छात्र जख्मी, मामला दर्ज

पीपाड़सिटी (जोधपुर) एक निजी स्कूल में छात्र की बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। घटना के चार दिन बाद पुलिस तक मामला पहुंचा। पीड़ित छात्र के परिजनों ने स्कूल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। संचालक ने परिजनों के आरोपों को नकारा है। पुलिस के अनुसार पीड़ित छात्र शहर की निजी स्कूल में ११वीं का नियमित छात्र है। इसके साथ 17 सितंबर को स्कूल में संचालक गोबरसिंह व कर्मचारी लुम्बाराम ने मारपीट की। आरोप है कि उसके कपड़े उतार कर कमरे में बंद कर दिया। घटना के दूसरे दिन छात्र स्कूल तो गया लेकिन अन्य छात्रों के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस करने लगा। छात्र को रविवार को बुखार आ गया और चलने फिरने में परेशान होते देख छात्र की मां ने जब पूछा तो डरते हुए घटना की जानकारी दी।

प्रताप को नमन कर भाजपा ने किया 2023 के चुनावी चिंतन का आगाज

कुंभलगढ़ (राजसमंद) (कासं)

राजस्थान भाजपा ने विधानसभा चुनाव-2023 चुनाव में जीत हासिल करने के मकसद से मंगलवार को कुंभलगढ़ में दो दिवसीय चिंतन शिविर का आगाज किया। कई राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय नेताओं ने इससे पहले दुर्ग स्थित महाराणा प्रताप के जन्मकक्ष में जाकर प्रताप को नमन किया। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संतोष, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, वरिष्ठ नेता ओम माथुर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में 2023 के चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपनी पुत्रवधू का स्वास्थ्य

ठीक नहीं होने से बैठक में नहीं आ सकीं। सुबह से शाम तक विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ नेताओं में प्रदेश में कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने, केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को जोड़ने, राज्य की कांग्रेस सरकार की विफलताओं और राज्य में संगठनात्मक एकता के मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक स्थल की किलाबंदी: कुंभलगढ़ के रिजॉर्ट को किले में तब्दील कर दिया गया था। प्रदेश स्तर से सूचीबद्ध नेताओं के अलावा पार्टी के किसी भी नेता को अंदर नहीं आने-जाने दिया जा रहा। जिला भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी होटल परिसर में व्यवस्थाएं संभालने के लिए मौजूद थे, लेकिन बैठक में किसी को अनुमत नहीं किया गया।

आज होंगे तीन और सत्र: मंथन के लिए दो दिन में कुल 8 सत्र तय किए गए। पहले दिन मंगलवार को 5 सत्रों में बातचीत हुई, जबकि दूसरे दिन बुधवार को शेष तीन सत्र होंगे।

सीकर रोड की सर्विस रोड पर भरा बरसात का पानी, गड्ढे में गिरे वाहन

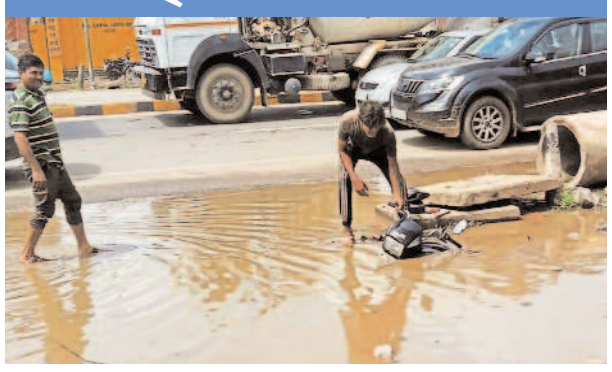

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा क्षेत्र के जयपुर-सीकर हाईवे के नींदड़ मोड़ से लेकर 14 नंबर पुलिया तक बारिश का पानी सर्विस रोड पर भरने से राहगीर और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सर्विस रोड के किनारे दुकानदारों को भी पानी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों को पानी में से आना-जाना पड़ रहा है। ज्यादा बारिश होने से पानी दुकानों में भी भर जाता है, जिससे दुकान में रखे सामान तक खराब हो जाते हैं।

लोगों ने आरोप लगाया कि जेडीए प्रशासन व हाईवे के ठेकेदारों की लापरवाही के चलते यह परेशानी हो रही है। लोगों ने कहा कि कुछ दिन पहले जेडीए ने नाला बिछाने का कार्य शुरू किया था, जहां बरसात के कारण काम को बंद कर दिया गया। अब गहरे गड्ढे सर्विस रोड के किनारे हैं, जिससे आए दिन उनमें वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस संबंध में जेडीए प्रशासन व हाईवे प्रशासन को लिखित में कई बार अवगत करा गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों ने कहा कि मंगलवार को भी बारिश से भरे पानी में एक मोटरसाइकिल सवार युवक सर्विस रोड किनारे बने गड्ढे में गिर गया, जहां आसपास के लोगों ने दौड़कर उसे बचाया।

बिजली संकट के बाद अब विद्युत उत्पादन, उपलब्धता और मांग पर रहेगी नजर

जयपुर (कासं)। प्रदेश में बिजली संकट नहीं हो, इसके लिए विद्युत उत्पादन, उपलब्धता और मांग के रियल टाइम डेटा का नियमित विश्लेषण किया जाएगा। साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए मेकेनिज्म विकसित किया जाएगा। इसके लिए ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने मंगलवार को सचिवालय में कार्यभार संभालने के बाद विद्युत उत्पादन निगम, जयपुर विद्युत वितरण निगम और ऊर्जा विकास निगम अफसरों की बैठक ली।

छह गांवों में बनेंगे प्लास्टिक निस्तारण केंद्र

जयपुर (कासं)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जिले के छह गांवों में प्लास्टिक निस्तारण केंद्र बनाए जाएंगे। इसके तहत बीलवाड़ी, मोहनुपरा, मौजमाबाद, फागी, माधोराजपुरा, गोविंदगढ़ में प्लास्टिक निस्तारण केंद्रों का निर्माण किया जाएगा। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पूजा पार्थ ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रत्येक राजस्व गांव में सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिले के कुल राजस्व गांवों के 20 प्रतिशत राजस्व गांव में सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण हो चुका है।

बजरी का अवैध परिवहन करते डम्पर जब्त, चालक गिरफ्तार

अजमेर (कासं)। बजरी के अवैध खनन व परिवहन करने के मामले में क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मंगलवार को बजरी से भरा डम्पर जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ चोरी और ४/२१ एम.एम.आर.डी. एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया।थानाप्रभारी डा. रवीश कुमार समारिया ने बताया कि मंगलवार को बजरी के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए डम्पर चालक नागौर थांवला कालणी कुमारान की ढाणी निवासी जाकिर पुत्र जब्बार मोहम्मद को गिरफ्तार किया। आरोपी अलवर के रजिस्ट्रेशन नम्बर के डम्पर में बजरी से भरकर ले जा रहा था। डम्पर में भरी बजरी से संबंधित दस्तावेज मांगने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने डम्पर जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर खनन विभाग को सूचना दे दी। कार्रवाई में सीओ नॉर्थ डा. प्रियंका रंघुवंशी के सुपरविजन में थानाप्रभारी डा. रवीश सामरिया, हैडकांस्टेबल श्रीकिशन, हरिराम, सिपाही राजेश, सुशील, हरेन्द्र शामिल रहे।

कुई ढहने से एक श्रमिक दबा, बचाव कार्य जारी

नेतेवाला (श्रीगंगानगर) (कासं)। चूनावढ़ थाना इलाके में गांव 6 एमएल की रोही में मंगलवार दोपहर बाद खुदाई करते समय करीब २०- २५ फुट गहरी कुई में मिट्टी ढहने से एक श्रमिक दब गया। जिसको निकालने के लिए देर शाम तक बचाव कार्य जारी रहा। मौके पर पुलिस, प्रशासन मौजूद है और ग्रामीण जमा हो गए। जानकारी के अनुसार गांव छह एमएल की रोही में दुर्गा प्रसाद पुत्र वेद रामकुमार गौड के खेत में ट्यूबेल की पाइप लाइन बाहर निकालने के लिए साइड में कुई खुदवाई चल रही थी। कुई का कार्य घमुडवाली निवासी राजेश कुमार पुत्र सोहन लाल नायक व उसका साथी साहब राम नायक पुत्र भूराराम नायक कर रहे थे। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे बाद राजेश नायक कुई के अंदर खुदाई कर रहा था और साहब राम बाल्टी से मिट्टी निकाल रहा था। तभी अचानक पाइप के पास से मिट्टी गिरनी शुरू हो गई। इस पर राजेश नायक ने शोर किया तो ऊपर खड़ा साहबराम रस्सी के सहारे नीचे उतरा। इसी दौरान मिट्टी ज्यादा गिर गई थी। वह बाहर आया और शोर मचाया तथा कुई मालिक को सूचना दी। आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे श्रमिक व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मामले की सूचना मिलने पर एम्बुलेंस १०८, ग्रामीण सीओ भंवरलाल, तहसीलदार संजय अग्रवाल, चूनावढ़ थाना प्रभारी परमेश्वर सुथार मय जाब्ते के मौके पर पहुंच गए। वहीं गिरदावर धर्मपाल सहारण, गिरदावर ओम प्रकाश के अलावा गांव महिया वाली निवासी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सतपाल कासनिया, महियावाली सरपंच राकेश बेनीवाल सहित आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए। इस दौरान बारिश शुरू हो गई। जहां कुई पर त्रिपाल लगाया गया। लोहे के ड्रमों को काटकर कुई के साइज का तैयार कर अंदर डाला गया। इसके बाद कुई से मिट्टी निकालने का कार्य शुरू किया गया। जो रात तक जारी था। साहब राम पुत्र भूराराम नायक ने बताया कि उन्होंने ७० रुपए फुट के हिसाब से कुई खोदना तय किया था। 40 फुट खोदनी थी। वे सोमवार को सुबह 10 बजे कुई खोदने को लगे थे। 20 फुट के करीब खोदी थी। मंगलवार सुबह फिर खुदाई शुरू की थी। राजेश नायक शादीशुदा है। उसके चार बच्चे हैं। जिसमें दो लड़के व दो लड़कियां हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से पिता-पुत्र की मौत

रूपनगढ़ (अजमेर) . समीपवर्ती ग्राम कोटड़ी में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से पिता व पुत्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोटड़ी ग्राम स्थित हनुमान नाडी के पास अपने खेत में बाजरे की सिट्टियों की डूचणी (कटाई) कर रहे पिता भंवरलाल जाट (४०) व पुत्र जितेन्द्र (१३) तेज बारिश से बचने के लिए खेजड़ी के पेड़ के नीचे आ गए। इसी समय तेज गर्जना के साथ पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे पिता-पुत्र की मौत हो गई।

कच्ची बस्ती सुधार समिति की तरफसे वार्ड 59 धावास स्कूल में लगाया वेक्सीन कैंप

जयपुर। कच्ची बस्ती सुधार समिति की तरफसे वार्ड 59 धावास स्कूल में वेक्सीन कैंप लगाया गया। इस कैंप में चेयरमैन श्रीमती भारती लख्यानी, श्रीमती सुखप्रीत बंसल, श्री मनोज तेजवानी, पार्षद श्री मदन लाल शर्मा, श्री राधेश्याम रेगर,श्री सुरेश रेगर, श्री संजय,एवं विकास समिति के पदाधिकारी व वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर स्थानीय नागरिको को वैक्सीन लगायी गयी।

नेगेटिव रोल कहीं ज्यादा अधिक आकर्षक होते है: समीर सोनी

अपने किरदार के बारे में कुछ बताएं?

मैं दोराबजी का किरदार निभा रहा हूं, जो एक सुपर.रिच इंडस्ट्रियलिस्ट है, जो अपनी पावर और सोर्सेज का उपयोग अंडरवर्ल्ड में हेरफेर करने के लिए विभिन्न पावर फैमिलीज़ के बीच झगड़े का कारण बनता है। वह लोगो को कठपुतली बनाने में मास्टर है जो अनजाने में हर किसी के साथ छेड़छाड़ करता है, खासकर आंग्रे परिवार। यह एक बहुत ही नेगेटिव रोल है , बहुत ज्यादा नेगेटिव ।

इस किरदार को निभाने में सबसे रोमांचक बात आपको क्या लगी?

एक ऐसा किरदार निभाना जो आपसे अलग हो, हमेशा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होता है। तो जब आपको इस किरदार को निभाने का मौका मिलता है जो एक आकर्षक व्यक्ति की तरह दिखता है, लेकिन साथ ही साथ बेहद धूर्त और दुष्ट भी है। निगेटिव किरदार निभाना बहुत मजेदार होता है। अपने करियर के शुरुआतीदिनों में, मैंने हमेशा पॉजिटिव रोल किये हैं, लेकिन जब मुझे नेगेटिव रोल करने का मौका मिला तो यह मेरे लिए बहुत रोमांचक है क्योंकि इसमें मुझे कुछ नया तलाशने को मिलेगा। मुझे लगता है कि नेगेटिव रोल कहीं ज्यादा आकर्षक, और दिलचस्प धोटे है और उन्हें निभाना मजेदार होता है।

आपने इस शो के लिए हां क्यों कहा?

मैंने इस शो के लिए मुख्य रूप से इसके किरदार की वजह से हां कहा। जब मुझे इस किरदार बे बारे में बताया गया, तो वह मुझे बहुत रोमांचक लगा। मुझे लगा कि मैं इस किरदार के साथ न्याय कर सकता हूं क्योंकि वह एक अमीर टाइकून है जिसका जो एक नेगेटिव रोल में है। मैंने ऑल्ट बालाजी और एकता कपूर के साथ अपने संबंधों के कारण शो के लिए हां कहा, मैंने उनके साथ कई शो में काम किया है। मेरे लिए यह शो यह बहुत मजेदार था और इसकी शूटिंगका अनुभव वाकई शानदार था। यह ऑल्ट बालाजी का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, इसलिए इसका हिस्सा बनना वैसे भी बहुत अच्छा है।

शो की शूटिंग आपके लिए कैसी रही? इस शो से जुडी कोई यादें जो आपको पता हो?

हमेशा की तरह, मुझे लगता है कि ऑल्ट बालाजी के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा क्योंकि मैंने ऐसा कई बार किया है। इसलिए, जिन लोगों के साथ आप काम कर रहे हैं उमके साथ एक कम्फर्ट लेवल आ जाता है , उनके साथ डायरेक्टर सुयश, जिनके साथ मैंने पंच बीट में काम किया है, मुझे मालूम है उन्हें क्या चाहिए और उन्हें भी यह मालूम है के मैं उन्हें क्या दे सकता हू। मोनिका डोगरा और ऋत्विक धनजानी के साथ काम करने की मेरी बहुत अच्छी यादें हैं। चूंकि, मेरे अधिकांश दृश्य उनके साथ थे, यह वास्तव में मेरे लिए रोमांचक था।

बढ़ी हुई प्रोस्टेट से पेशाब की समस्याएं हो सकती हैं

जयपुर। बीपीएच - या बेनाईन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया बढ़ी हुई प्रोस्टेट का चिकित्सीय नाम है। यह उम्र बढ़ने के साथ हार्मोनल परिवर्तनों के कारण होता है। बीपीएच सौम्य होता है। इसका मतलब है कि यह कैंसर नहीं है। यह कैंसर का कारण भी नहीं हैं। हालांकि, बीपीएच और कैंसर एक साथ हो सकते हैं। बीपीएच के लक्षण हर व्यक्ति में अलग हो सकते हैं और यह बढ़ने के साथ लक्षण अलग-अलग भी हो सकते हैं। बढ़ी हुई प्रोस्टेट से जुड़ी परेशानियां या जटिलताएं अनेक समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं, जो समय के साथ विकसित होती हैं। बीपीएच का जोखिम तीन चीजों से बढ़ जाता है जिनमें बढ़ती उम्र, परिवार में इतिहास (यदि किसी पूर्वज को बीपीएच रहा हो, तो आपको यह बीमारी होने की संभावना ज्यादा है) और मेडिकल स्थिति (शोध से पता चलता है कि कुछ चीजें, जैसे मोटापा बीपीएच के बढ़ने में मददगार हो सकती हैं) प्रोस्टेट उम्र के साथ वृद्धि के दो मुख्य चरणों से गुजरता है। पहला चरण यौवनावस्था की शुरुआत में होता है, जब प्रोस्टेट का आकार बढ़कर दोगुना हो जाता है। वृद्धि का दूसरा चरण लगभग 25 साल की उम्र से शुरू होता है और आजीवन चलता रहता है। बीपीएच अक्सर वृद्धि के दूसरे चरण में होता है। जब प्रोस्टेट बढ़ जाती है, तो वह ब्लैडर पर दबाव डाल सकती है या उसे रोधित कर सकती है, जिससे लोअर यूरिनरी ट्रैक्ट सिंपटम्स (लुट्स) यानि निचली मूत्रनली की समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें बार-बार पेशाब आना, पेशाब करने के फौरन बाद भी ब्लैडर भरा हुआ महसूस होना, पेशाब बहुत धीरे-धीरे आना, पेशाब करते हुए बार-बार रुकना, पेशाब करने में मुश्किल होना, दबाव पड़ना आदि शामिल हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए मरीज पानी एवं अन्य तरल चीजें लेना कम कर देता है और उसे बार-बार पेशाब की फिक्र रहने लगती है, उदाहरण के लिए, वो जहां भी जाता है, वहां सबसे पहले टॉयलेट तलाशता है, लंबा सफर करने से पहले यदि उसे सफर में पेशाब की सुविधा नहीं मिलने वाली है, जैसे बस के लंबे सफर में, तो वह पहले पेशाब करता है। इससे मरीज के जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। डॉ. रवि गुप्ता, एचओडी एंड डायरेक्टर , यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी, इटरनल हॉस्पिटल, जयपुर ने कहा, ''यह स्थिति बहुत आम है। 50 से 60 साल की उम्र के बीच लगभग आधे पुरुषों को यह समस्या हो सकती है और 80 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते, लगभग 90 प्रतिशत लोगों को बीपीएच हो जाता है। इतने विस्तृत स्तर पर मौजूद होने के बाद भी मरीजों को इस स्थिति का अनुमान नहीं होता और वो इसे बढ़ती उम्र का हिस्सा मानते हैं। अधिकांश लोग समस्या को तब पहचानते हैं, जब वॉशरूम में जाने की जरूरत धीरे-धीरे न बढ़कर अचानक बहुत तेजी से बढ़ती है। ज्यादातर लोगों के लिए पहले लक्षण की शुरुआत ऐसे ही होती है।''डॉ. रवि गुप्ता ने कहा, ''बीपीएच और प्रोस्टेट कैंसर के बीच कोई संबंध नहीं, लेकिन आपके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को कुछ लक्षणों पर गौर करना जरूरी है। पुरुष अक्सर, लक्षणों के अनुरूप अपनी दैनिक दिनचर्या को संशोधित कर लेते हैं और उन लक्षणों को दूर करने के तरीके नहीं तलाशते।''आपके लक्षण चाहे हल्के हों, मध्यम हों या गंभीर, आपको अपने फिज़िशियन से मुलाकात कर अपनी स्थिति एवं इलाज के उचित विकल्पों पर बातचीत कर लेनी चाहिए। बीपीएच के कई इलाज हैं। आप और आपका डॉक्टर मिलकर फैसला ले सकते हैं कि आपके लिए कौन सा विकल्प सबसे अच्छा रहेगा। बीपीएच के लिए एक्टिव सर्वियलेंस (सावधानीपूर्वक निगरानी) करने की जरूरत होती है। कुछ मामलों में दवाई से काम चल जाता है और कभी-कभी मिनिमली इन्वेसिव प्रक्रिया की जरूरत होती है। कभी-कभी मिश्रित इलाज श्रेष्ठ रहता है। जीवनशैली का प्रबंधन करने की सरल विधियों से भी लक्षणों का इलाज किया जा सकता है -चुस्त रहें - शिथिल जीवन से ब्लैडर पूरी तरह से खाली न हो पाने की समस्या हो सकती है।

बाथरूम जाने पर अपना ब्लैडर पूरी तरह से खाली करने की कोशिश करें।

हर रोज एक दिनचर्या के अनुरूप पेशाब करने की कोशिश करें, फिर चाहे आपकी पेशाब करने की इच्छा हो रही हो या नहीं।

रात में 8 बजे के बाद कोई भी तरल पदार्थ न पिएं, ताकि आपको रात में पेशाब न आए।

अल्कोहल पीना सीमित कर दें।

ज्यादा गंभीर मामलों में प्रोस्टेट बढ़ने से मूत्र रुक सकती है, जिससे और ज्यादा गंभीर समस्याएं, जैसे किडनी फेल हो सकती है। इसका इलाज फौरन करना पड़ता है। इसलिए, यदि आपको कोई भी लक्षण दिखता हो, तो उसका निदान कराएं और जानें कि उसके इलाज के लिए आप क्या कर सकते हैं।

"हप्पू की उलटन पलटन' को और जानदार बनायेगी बिमलेश": सपना सिकरवार

एण्डटीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' को और भी ज्यादा मजेदार और मसालेदार बनाने के लिये सपना सिकरवार शो में बिमलेश के रूप में एंट्री कर रही हैं। सपना ने एक छोटी-सी बातचीत में बताया कि उनके किरदार को कौन-सी बात अनोखी बनाती है। कैमरे के सामने और पीछे बाकी कलाकारों के साथ उनका कैसा रिश्ता है, इस बारे में भी उन्होंने बात की।

1.आप 'हप्पू की उलटन पलटन' में बिमलेश का बहुप्रतीक्षित किरदार निभा रही हैं। इस बारे में आपका क्या कहना है?

लोग इस किरदार से वाकिफ हैं, लेकिन उससे कभी मिलना नहीं हुआ या कभी देखा नहीं, इसकी वजह से शो में बिमलेश की एंट्री और भी रोचक हो गयी है। वैसे मैं यह विश्वास दिलाती हूं कि मैं दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरने की कोशिश करूंगी। बिमलेश 'हप्पू की उलटन पलटन' को और भी जानदार बना देगी। वह कमाल के सेंस ऑफह्यूमर वाली एक चुलबुली लड़की है। बिमलेश यह बात जानती है कि बेनी उसे दीवानों की तरह प्यार करता है, पहली बार देखकर उसका क्या हाल होता है यह देखना बड़ा ही मजेदार होने वाला है। 'हप्पू की उलटन पलटन' जैसे घरेलू शो का हिस्सा बनने का मतलब था अपने कॉमिक टैलेंट को सामने लाना और मैंने इसके लिये तुरंत ही हां कर दी। मैं उम्मीद करती हूं लोगों को बिमलेश के रूप में मेरी भूमिका पसंद आयेगी। वे बेनी और हप्पू परिवार के साथ उसकी केमेस्ट्री का जरूर लुत्फ उठायेंगे।

2.बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) के साथ अपनी ऑन-स्क्रीन केमेस्ट्री के बारे में कुछ बतायें।

हमारी केमेस्ट्री तो लाजवाब है; ऐसा लगता है जैसे हम एक-दूसरे के लिये ही बने हैं। वैसे हमारे किरदारों का आधार भी यही है! बिमलेश और बेनी एक साथ सुनकर कितना अच्छा लगता है, है ना? दोनों एक-दूसरे को बेइंतहा प्यार करते हैं और जब दोनों की लड़ाई होती है तो वे प्यार से हटकर इसे करते हैं। दोनों के बीच इतने लंबे समय की दूरी को देखते हुए, उनके पुनर्मिलन को काफी दमदार तरीके से दिखाया जा रहा है। बतौर एक्टर विश्वनाथ जी एक बहुत अच्छे इंसान हैं और हम लाइनें याद करने और ब्रेक्स के दौरान काफी सारा वक्त साथ बिताते हैं।

3. इस शो में अपने लुक के बारे में कुछ बतायें?

बिमलेश का चुलबुला और खुशमिजाज अंदाज उसके लुक्स और पहनावे में भी नजर आयेगा। उसने चाहे कोई भी कपड़े पहने हों, बिमलेश के लिये पंजाबी चूड़ा और सिंदूर बहुत जरूरी है; उसे यह पहनना अच्छा लगता है। बिमलेश को मेकअप करना काफी पसंद है और मुझे भी। इसलिये, मैं अपना मेकअप इस तरह करने की कोशिश करती हूं कि सपना की छवि बिमलेश में नजर आये।

4. बिमलेश वर्सेज दबंग राजेश! दोनों बहनों के बीच क्या चीजें एक जैसी हैं और दोनों में क्या फर्क है?

बाकी बहनों की तरह ही दोनों के बीच बहुत प्यार है। उनका सिस्टरहुड अटूट प्यार, बेहिसाब लड़ाई और खूब मस्ती पर टिका है। अब दोनों बड़े हो चुके हैं, उनकी पर्सनालिटी एक-दूसरे से काफी जुदा है। राजेश (कामना पाठक) जहां ज्यादा शांत और समझदार महिला नजर आती है वहीं, बिमलेश चुलबुली और मस्तमौला है। उनका स्वभाव ऐसा है कि कोई भी दोनों के बीच फर्क बता सकता है। लेकिन बाकी बड़ी बहन की तरह राजेश, बिमलेश का बहुत ख्याल रखती है और उसे हमेशा वे बातें समझाती रहती है जो बिमलेश को अपने आप समझ नहीं आतीं।

5.एण्डटीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' में बेनी और बिमलेश का रिश्ता एकतरफा है। आप इस पर क्या कहेंगी?

मेरा मानना है कि एक तरफा प्यार ज्यादा मजबूत होता है। उनके प्यार में कोई बंधन नहीं होता। बेनी ने जब से बिमलेश की आवाज सुनी है तब से ही उसका दीवाना है। वह हमेशा ही उससे बातें करने का बहाना ढूंढता रहता था और उससे शादी करने के सपने देखता रहता था। अब उसका यह सपना पूरा होने वाला है। इन दोनों के बीच बेहद ही खूबसूरत रिश्ता है। यह देखना हमेशा ही मजेदार होता है, जब दो प्यार करने वाले हैप्पी एंडिंग तक पहुंचने के लिये कितने संघर्षों से होकर गुजरते हैं।

6.क्या आप एक ऐसा किरदार निभाने के लिये उत्साहित हैं जिसके बारे में पहले केवल सुना गया है, लेकिन जिसे कभी देखा नहीं गया?

सच कहूं तो जब मैंने बिमलेश का किरदार अपने हाथों में लिया था तो एक जिम्मेदारी का एहसास हुआ। मैं जानती थी कि यह शो का छोटा हिस्सा नहीं होने वाला। बिमलेश की कहानी उसके मौजूद होने के भी काफी पहले से शुरू हो चुकी थी और उस किरदार को निभाना और अपनी परफॉर्मेंस से उसे साकार कर पाना, एक ऐसा मौका था, जिसकी मुझे तलाश थी। हर भूमिका अपने साथ कुछ चुनौतियां लेकर आती हैं और मैं इस शो में बिमलेश का किरदार निभाने के लिये बेहद उत्सुक हूं। **देखिये, बिमलेश और बेनी की प्रेम कहानी 'हप्पू की उलटन पलटन' में हर सोमवार से शुक्रवार रात 10 बजे, केवल एण्डटीवी पर**

बेटी पलक के बॉलीवुड डेब्यू पर छलका श्वेता तिवारी का दर्द

इस बात का हो रहा पछतावा

श्वेता तिवारी बेटी पलक तिवारी के बॉलिवुड डेब्यू से काफी खुश तो हैं पर उन्हें एक बात का बहुत पछतावा हो रहा है और उसकी टीस उनके मन में है। (Photos: Instagram@shweta.tiwari/@palak-tiwarii)पॉप्युलर टीवी ऐक्ट्रेस श्वेता तिवारी इस बात से बेहद खुश हैं कि उनके बेटी पलक तिवारी (Shweta Tiwari on daughter Palak Bollywood debut) जल्द ही बॉलिवुड में डेब्यू करने जा रही है। पलक फिल्म रोज़ी- द सैफरन चैप्टर (Rosie: The Saffron Chapter) से डेब्यू कर रही हैं और श्वेता बहुत ही गर्व महसूस कर रही हैं। लेकिन एक बात श्वेता तिवारी को खाए जा रही है और इस कारण वह बहुत दुखी हैं।

श्वेता को इस बात का पछतावा

श्वेता तिवारी को इस बात का पछतावा हो रहा है कि वह चाहकर भी बेटी की कोई मदद नहीं कर पाईं क्योंकि वह एक अलग इंडस्ट्री से हैं। इस बारे में आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में श्वेता तिवारी ने कहा, %मुझे उस (पलक) पर बहुत ही गर्व है क्योंकि उसे जो कुछ भी मिला अपनी कड़ी मेहनत और ऑडिशन के बल पर मिला। मैंने तो बस उसे सपॉर्ट किया। अलग इंडस्ट्री से होने के कारण मैं उसे और कुछ दे ही नहीं पाई। मैं टीवी इंडस्ट्री से हूं और वह फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करने जा रही है।

खाए जा रही चिंता

श्वेता तिवारी ने आगे कहा कि फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करने का तरीका व नजरिया एकदम अलग है। श्वेता को इसी बात का दुख है कि वह चाहकर भी बेटी पलक की ज्यादा मदद नहीं कर पाईं।

श्वेता ने टीवी के अलावा फिल्में भी कीं

बता दें कि श्वेता तिवारी करीब 2 दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने 1999 में टीवी शो कलीरें से अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और फिर दर्जनों टीवी शोज किए। कसौटी जिंदगी के की प्रेरणा के किरदार से वह घर-घर मशहूर हो गईं। श्वेता तिवारी ने कई फिल्में भी की हैं, जिनमें बेनी और बब्लू, आबरा का डाबरा, मिले ना हम तुम और सल्तनत जैसी फिल्में शामिल हैं।

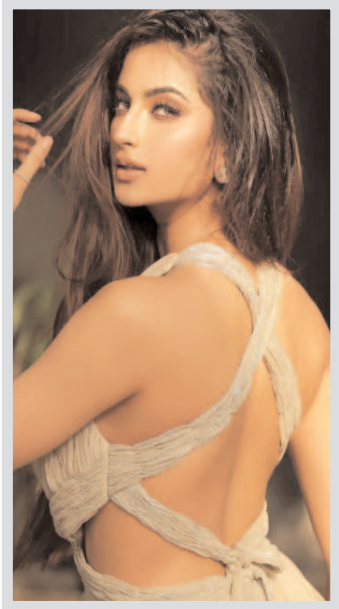

रोज़ी में दमदार रोल में दिखेंगी पलक

पलक तिवारी रोज़ी में एकदम अलग किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके लुक के पोस्टर और टीजर पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं। पलक तिवारी भी अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं।

चौंका रहा पलक का ट्रांसफॉर्मेशन-फिल्म के लिए पलक तिवारी ने खुद को काफी ग्रूम किया है। बीते कुछ वक्त से उनके ग्लैमरस ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और सब तारीफ कर रहे हैं।

श्वेता तिवारी को इस बात का पछतावा हो रहा है कि वह चाहकर भी बेटी की कोई मदद नहीं कर पाईं क्योंकि वह एक अलग इंडस्ट्री से हैं। इस बारे में आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में श्वेता तिवारी ने कहा, 'मुझे उस (पलक) पर बहुत ही गर्व है।

समंदर में जेट स्कीइंग करती नजर आईं सारा अली खान, वीडियो शेयर कर बोलीं-मस्ती-मजा...100% गारंटी है

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अपनी गर्ल गैंग के साथ इन दिनों काम से ब्रेक लेकर एडवेंचरस मूमेंट्स एंजॉय कर रही हैं। सैफ अली खान-अमृता सिंह की लाडली मालदीव में हैं। जहां से वह लगातार अपने वेकेशन की खास फोटो और वीडियो शेयर कर अपने चाहने वालों का दिल जीत रही हैं। इसी बीच सारा ने अपना एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी सहेलियों के संग समंदर की लहरों के बीच जेट स्कीइंग करती नजर आ रही हैं। सारा ने अपने वेकेशन को रोचक बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। सारा ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वे पूरे उत्साह के साथ समंदर में जेट स्कीइंग करती नजर आ रही हैं। वह अपनी सहेलियों के संग रेस लगाती दिख रही हैं। इस दौरान वीडियो के लास्ट में एक फोटो भी उन्होंने शेयर किया है, जिसमें वो समंदर में जेट पर आराम फरमाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए सारा ने काफी लंबा कैप्शन लिखा है और इसके जरिए उन्होंने अपने जेट स्की ट्रेवल के अनुभवों के बारें में बताया है। सारा लिखती हैं - हम निकले अपने जेट स्की पर ..खारा समुंदर यस! हम तीनों के लिए सॉल्टी सी एडवेंचर टाइम..उड़ते बाल, लहराती लहरें लेकिन बहुत आजाद फील कर रही हूं..

डिजिटल फिल्म कैंपेन परंपरा और समानता के बीच संतुलन के प्रयास को दर्शाता है

मोहे के साथ शादी के शुभ मिलन के जश्न को मनाता कन्यामान

मुंबई । भारत में, शादियां रीति-रिवाजों और परंपराओं का एक प्रतीक हैं जो कि एक खुशहाल मिलन को भी दर्शाती हैं। ये सदियों पुराने रीति रिवाज़ हमारे समाज का एक अहम् हिस्सा रहे हैं और इन सब में सबसे महत्वपूर्ण है 'कन्यादान'। इन रस्मों और इनके पीछे की पारंपरिक सोच पर प्रकाश डालते हुए, मोहे का हालिया डिजिटल वीडियो कैंपेन जिसमें आलिया भट्ट, शादी और जीवन में महिलाओं के लिए अधिक संयुक्त और समान स्थान को बढ़ावा देने की बात कर रही हैं। जो कि परंपरा और समानता के बीच के संतुलन के प्रयास को दर्शाता है। फिल्म के माध्यम से, आलिया एक नए विचार के बारे में बात करती है जो स्वयं रीति-रिवाजों और इसकी मुख्य विचार प्रक्रिया के बीच के मिलन को दिखाता है जिसे आज कल के आधुनिक संदर्भ में देखकर रखा गया है।पूरी तरह से हमारी परंपराओं का पालन करते हुए और हमारे रीति-रिवाजों के प्रति श्रद्धा रखते हुए, यह फिल्म एक ही समय में पारंपरिक विश्वास पर अपना एक आधुनिक रुख अपनाती है। एक बालिका को एक दायित्व मानने से हमारी मानसिकता में बदलाव की शुरुआत करते हुए, यह फिल्म एक-दूसरे की जिम्मेदारी साझा करने और न केवल एक साथ बल्कि समान रूप से साथ चलने की बात करती है। फिल्म सम्मान के एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण संकेत के साथ समाप्त होती है और कन्यादान से कन्यामान तक के एक सुंदर बदलाव के प्रस्ताव को दिखाती है। अपने विचारों को व्यक्त करते हुए, अत्यंत सम्माननीय आलिया भट्ट ने बताया, मैं पूरी तरह से इन विचारों में विश्वास करती हूं साथ ही यह मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे खुशी है कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन सकी और एक संदेश दे सकी जो कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

सार समाचार

मी इंडिया ने भारत में मी टीवी 5एक्स सीरीज़ लॉन्च की

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नं. 1 स्मार्ट टीवी एवं स्मार्टफोन ब्रांड, मी इंडिया ने मी टीवी 5एक्स सीरीज़ की शुरुआत के साथ अपने स्मार्ट टीवी पोर्टफोलियो को अपग्रेड किया। यह लोकप्रिय मी टीवी 4एक्स सीरीज़ का उत्तराधिकारी है। नए लुक एवं प्रीमियम मैटल बेज़ेललेस डिज़ाइन के साथ मी टीवी 5एक्स सीरीज़ 3 आकारों, 43'', 50'' और 55'' में आती है, जो आपके वातावरण के अनुरूप पर्सनलाईज़्ड सिनेमेटिक अनुभव प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं।मी टीवी 5एक्स सीरीज़ में सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटिक अनुभव के लिए अनेक नए फीचर्स एवं उन्नत टेक्नॉलॉजी हैं। प्रीमियम एवं ठोस मैटल डिज़ाइन के साथ इस टीवी में 96.6 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी अनुपात है और यह ट्रू बेज़ेललेस डिस्प्ले प्रदान करता है।इसमें 3840 × 2160श्च के रिज़ॉल्यूशन के साथ 4के डिस्प्ले पैनल है। यह टीवी सभी लोकप्रिय एचडीआर टेक्नॉलॉजी, जैसे डॉल्बी विज़न, एचडीआर 10+, एचडीआर 10 को सपोर्ट करता है। तीन वैरिएंट्स की इस सीरीज़ में शाओमी की इन्हेंस्ड प्रोप्रायटरी डिस्प्ले टेक्नॉलॉजी - एडैप्टिव ब्राईटनेस के साथ विविड पिक्चर इंजन 2 दिया गया है। एम्बेडेड फोटो-इलेक्ट्रिक सेंसर के साथ यह टीवी बैकलाईट को कमरे की लाईटिंग के अनुरूप ऑटोमैटिक रूप से एडजस्ट कर लेता है। स्क्रीन पर हर विवरण पूरी तरह से जीवंत लगे, इसके लिए इस टीवी में ''बिलियन कलर व्यू'' दिया गया है, जो डीसीआई-पी3 स्टैंडर्ड को 94 प्रतिशत कवर कर लेता है।मी टीवी 5एक्स सीरीज़ मी.कॉम, फ्लिपकार्ट.कॉम, मी होम, मी स्टूडियो एवं क्रोमा पर 43'' के लिए 31,999रु., 50'' के लिए 41,999रु. और 55'' के लिए 47,999 रु. में मिलना शुरू होगी।

अमेज़न सेलर्स भर्ती, प्रशिक्षण, ढांचागत सपोर्ट और नए उत्पाद के लॉन्च में निवेश की योजना बना रहे हैं: 21 सिटी सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेज़न इंडिया ने अमेज़न इंडिया के मार्केटप्लेस द्वारा बिक्री करने वाले छोटे व मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) की आगामी त्योहारों के सीज़न से अपेक्षाओं को समझने के लिए एक अध्ययन के परिणाम जारी किए। यह अध्ययन अंग्रेजी भाषा में और क्षेत्रीय भाषाओं में नीलसन द्वारा 30 अगस्त, 2021 से 09 सितंबर, 2021 के बीच अमेज़न.इन पर रजिस्टर्ड लगभग 2000 (1965) विक्रेताओं के बीच किया गया। इंग्लिश और क्षेत्रीय भाषाओं में किए गए इस अध्ययन में भारत के 21 शहरों के विक्रेता शामिल थे - दिल्ली एनसीआर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलोर, पुणे, अहमदाबाद, लखनऊ, लुधियाना, इंदौर, नागपुर, कोयम्बटूर, कोच्चि, पटना, जयपुर, राजकोट, मैसूर, गुवाहाटी, विज़ाग और भुवनेश्वर। सर्वे में शामिल सभी विक्रेताओं ने साझा किया कि ई-कॉमर्स उन्हें पिछले सालों के मुकाबले इन त्योहारों पर और ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करेगा। सुमित सहाय, डायरेक्टर, सेलिंग पार्टनर सर्विसेस, अमेज़न इंडिया ने इन परिणामों के बारे में बताया, ''त्योहारों के मौसम में एक सबसे महत्वपूर्ण गणित यह है कि हम अपने मार्केटप्लेस पर मौजूद लाखों विक्रेताओं की सफलता व वृद्धि में किस प्रकार योगदान देंगे। इन त्योहारों पर हम कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक मंदी से विक्रेताओं को उबारने और उनकी व्यवसायिक वृद्धि को गति देने के लिए अपने प्रयास केंद्रित करेंगे। अध्ययन के परिणाम प्रदर्शित करते हैं कि हमारे प्रयास एसएमबी विक्रेताओं की जरूरतों व उम्मीदों के अनुरूप हैं। हमारा मानना है कि अमेज़न इन त्योहारों पर ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने, व्यवसायों को बड़ी संख्या में भारत के ग्राहकों तक पहुंचने के अवसर देने तथा उनके उत्पादों के लिए बेहतर मूल्य का निर्माण करने के लिए उपयुक्त स्थति में है।''

केल डीम्ड- टू- बी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफआर्किटेक्चर के लिए ज़मीन की देखभाल हेतु सर्वेक्षण संचालित

वदेश्वरम (विजयवाडा) / हैदराबाद, (एजेंसी)। केएल डीम्ड- टू- बी यूनिवर्सिटी, स्नातक और उच्च शिक्षा के लिए देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक, ने विजयवाडा में बीसेंट रोड के पुनरुद्धार के लिए सर्वेक्षण शुरु किए जाने की घोषणा की है। उनके शहरी पुनरुद्धार योजना के एक भाग के अंतर्गत केएल स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर के 37 छात्र बीसेंट रोड और इसके आसपास के क्षेत्र के 2 वर्ग किमी में सुधार लाने की व्यवहार्यता की खोज करने के लिए एक व्यापक, टेक्नोलॉजी द्वारा सक्षमीकृत सर्वे संचालित कर रहे हैं। 830 हितधारकों के सैंपल साइज़ के साथ इस सर्वे का डाटा इस क्षेत्र में विकास के लिए मार्गदर्शन हेतु व्यवस्थात्मक डिज़ाइन प्लान को आकार देने में सहायक होगा जिससे वर्तमान परिदृष्य के आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती। इस अध्ययन में पादचारियों, विक्रेताओं, और अन्य हितधारकों द्वारा दी गई राय के अनुसार आवश्यक बदलावों के विस्तृत स्पष्टीकरण को कवर किया जाएगा। इसके बाद छात्र बीसेंट रोड के डिज़ाइन मानकों के उन्नयन के साथ इस स्थान का वैभव वापस लाने के लिए शहरी डिज़ाइन समाधान प्रस्तावित करेंगे। छात्रों ने सर्वेक्षण प्रश्नावली के लिए एक क्त्र कोड विकसित किया है जिसे बीसेंट रोड का उपयोग करने वाले उनकी सुविधा के अनुसार जवाब देने के लिए स्कैन कर सकते हैं। यह न केवल उपयोगकर्ताओं के लिए अनुकूल है इससे बल्कि छात्रों और सैम्पल के बीच किसी भी तरह का सीधा संपर्क न हो यह भी सुनिश्चित करते हुए कोविड सुरक्षा नियमों का भी अनुपालन हो सकेगा। सर्वेक्षण और विश्लेषण के बाद केएल यूनिवर्सिटी के प्रतिभाशाली छात्र विजयवाडा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के समक्ष पुनरुद्धार समाधान पर सुझाव प्रस्तुत करेंगे।

रेटगेन ने एआई से संचालित होने वाला SaaS सॉल्यूशन 'डिमांड.एआई' का किया लॉन्च

हाइपर-लोकल सिटी डिमांड का तुरंत पता लगाने में कारोबारियों की मदद करेगा

- सेल्फसर्व SaaS सॉल्यूशन उपयोगकर्ताओं को शहरों में भविष्य की 75 से अधिक दिनों के लिए मांग का पता लगाने में बनाता है सक्षम

मुंबई (एजेंसी)। यात्रा और आतिथ्य के लिए SaaS सॉल्यूशन की प्रदाता कंपनी रेटगेन टेक्नोलॉजीज ने आज डिमांड.एआई के लॉन्च की घोषणा की। यह सॉल्यूशन एक शहर में हाइपर-लोकल डिमांड को ट्रैक करने में व्यवसायों की मदद करने के लिए एआई द्वारा संचालित एक सेल्फ सर्व यूनिक SaaS सॉल्यूशन है। इस तरह से उनकी वाणिज्यिक रणनीति को कस्टमाइज किया जा सकता है और बेहतर आरओआई को भी सुनिश्चित किया जा सकता है। कोविड-19 के कारण बढ़ी अस्थिरता ने किसी भी व्यवसाय के लिए भविष्य की योजना बनाना मुश्किल बना दिया है। इसके अलावा, कोविड-19 ने ऐतिहासिक डेटा रुझानों में व्यवधान उत्पन्न करते हुए मांग संबंधी पूर्वानुमान में एक विसंगति पैदा कर दी, जिससे कारोबारियों के लिए यह समझना मुश्किल हो गया कि वे अगले कुछ महीनों में कितनी मांग की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि महामारी अधिकांश ऐसे उद्योगों के लिए चुनौतीपूर्ण रही है जो राजस्व बढ़ाने के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं, यह चुनौती उन टीमों के लिए अधिक स्पष्ट है जो अपनी भविष्य की मांग की योजना बनाने के लिए ऐतिहासिक डेटा पर निर्भर हैं, विशेष रूप से होटल, एयरलाइंस, वेकेशन रेंटल्स, कार रेंटल्स, टूरिज्म बोर्ड और डेस्टिनेशन मार्केटिंग से जुड़े लोग।गलत पूर्वानुमान उन एजेंसियों को भी प्रभावित करते हैं, जो स्थानीय स्तर पर आउटडोर कैम्पेन आयोजित करती हैं और शहर के किसी विशिष्ट इलाके में लोगों को एकत्र करने के लिए विविध किस्म के इवेंट आयोजित करती हैं। उन्हें उपयोग में आसान और किफायती प्लेटफॉर्म की आवश्यकता होती है। डिमांड.एआई 0 से 100 रैंक वाले शहर के लिए डिमांड इंडेक्स प्रदान करके इस समस्या को हल करता है ताकि उन्हें यह समझने में मदद मिल सके कि 75 दिनों में मांग कैसे विकसित हो रही है। उपयोग में आसान और तत्काल पहुंच योग्य प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता को मानचित्र के जरिये या तालिका के माध्यम से प्रत्येक इलाके की मांग का पता लगाने की अनुमति देता है, ताकि तुलना की जा सके कि प्रत्येक शहर में किस इलाके में उच्च मांग दिखाई देगी। डिमांड इंडेक्स के अलावा, उपयोगकर्ता यह भी समझेंगे कि कौन से लोकल इवेंट ऐसे हैं, जिनकी मांग में वृद्धि हो रही है। या शहर में किस प्रकार की मांग आ रही है, और यह मांग होटल और वेकेशन रेंटल की बुकिंग को कैसे प्रभावित करेगी।इस डिमांड इंडेक्स को रेटगेन के इन-हाउस इनक्यूबेटर आरजी लैब्स ने छह महीने में विकसित किया है। यह प्रोडक्ट रेटगेन के डेटा संग्रह का लाभ उठाता है। इसे अन्य मांग संकेतकों जैसे सक्रिय कोविड मामलों, टीकाकरण संख्या, इवेंट्स, एयरलाइन क्षमता और बुकिंग के साथ जोड़ा जाता है ताकि एआई का उपयोग करके पूर्वानुमान दिया जा सके, जिसे साप्ताहिक आधार पर अपडेट किया जाता है। मांग को दर्शाने वाले पारंपरिक उत्पाद किसी विजन को हासिल करने के लिहाज से जटिल होते हैं और इनका हमेशा मध्यम से लंबी अवधि का इनक्यूबेशन पीरियड होता है। हालांकि अधिकांश उद्योग अस्थिरता से निपटने का प्रयास करते हैं और तेजी से डिजिटलीकरण की तलाश करते हैं, क्योंकि वे जरूरी कदम उठाने के लिए अधिक इंतजार नहीं कर सकते हैं और यही वह जगह है जहां डिमांड.एआई उनकी मदद कर सकता है। यात्रा से संबंधित किसी भी कारोबार के लिए डिमांड.एआई तत्काल समस्या को हल कर सकता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए रेटगेन के फाउंडर भानु चोपड़ा ने कहा, ''हम जानते हैं कि आज ट्रेवल और टूरिज्म सेक्टर दुनिया में पैदा होने वाले हर चार में से एक रोजगार को जन्म देता है और डब्ल्यूटीटीसी ने भी इसकी पुष्टि की है। हालांकि भविष्य में सामने आने वाली ट्रेवल डिमांड और इससे उन पर पड़ने वाले असर को समझने में कारोबारी असमर्थ रहते हैं और इस तरह वे राजस्व के अनेक नए अवसरों को खो देते हैं। ऐसी स्थिति में उनके लिए महामारी के बाद उपजे हालात से उबरना और मुश्किल हो जाता है। ऐसी सूरत में डिमांड.एआई के साथ, हम यात्रा के भविष्य को स्पष्ट करने और इसे सरल, स्पष्ट और तत्काल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे किसी भी यात्रा-संबंधी व्यवसाय को महामारी से आसानी से उबरने में मदद मिलती है।''

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशक की 10,000 यूनिट्स की बुकिंग का आंकड़ा पार किया

40,000 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर 6 एयरबैग्स (1.0 लीटर और 1.5 लीटर) और टीपीएमएस के साथ ऑटोमैटिक स्टाइल वैरिएंट्स की पेशकश

मुंबई, (एजेंसी)। स्कोडा ऑटो इंडिया ने मीडियम साइज एसयूवी कुशक की 10,000 यूनिट्स की बुकिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। मीडियम साइज एसयूवी ने स्कोडा ऑटो इंडिया के ग्रोथ को गति दी है। कुशक की भारी मांग को देखते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया लगभग 40,000 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर ऑटोमैटिक स्टाइल वैरिएंट को 6 एयरबैग्स (1.0 लीटर और 1.5 लीटर दोनों) और एक टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) से लैस करेगा। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्ट मि. ज़ैक हॉलिस ने कहा, कोरोना वायरस महामारी और सप्लाई की चुनौतियों की वजह से अभूतपूर्व दबावों के बावजूद, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने स्कोडा कुशक की 10,000 बुकिंग के आंकड़े को पार कर लिया है। ग्राहकों के लिए जो बातें सबसे ज्यादा मायने रखती हैं, उनको ध्यान में रखते हुए कुशक को बनाया गया था, और ये हमारे लिए गर्व की बात है कि कार बहुत से भारतीय घरों में अपनी जगह बना रही है। 2021 हमारे लिए खास है क्योंकि हमने इस देश में ऑपरेशन के दो दशक पूरे किर लिए हैं। हम एक अनपैरलल्ड वैल्यू लक्जरी प्रोपोजिशन देने में सफल रहे हैं और कुशक की लॉन्चिंग ने वास्तव में भारत में स्कोडा ब्रांड की महत्वाकांक्षाओं को गति दी है। हमें भविष्य के कुछ रोमांचक पलों का इंतजार है, क्योंकि हमारा इस डायनामिक ऑटोमोटिव मार्केट में लगातार आगे बढ़ना जारी है। **भारत में स्कोडा ऑटो के 20 साल**-स्कोडा ऑटो इंडिया, एक्सीलेंस को ग्राहकों तक पहुंचाने के 20 साल पूरे होने को सेलीब्रेट कर रहा है। औरंगाबाद में पहली फैक्ट्री स्थापित होने और ऑक्टेविया को लॉन्च करने के साथ कंपनी की ग्रोथ स्टोरी शुरू हुई। ऑक्टेविया के साथ बहुत जल्द सफलता का स्वाद चखते हुए, कंपनी ने देश में अपने वैश्विक पोर्टफोलियो से सुपर्ब और लॉरा जैसे और प्रॉडक्ट पेश किए।

वेस्टर्न डिजिटल ने पॉकेट साईज़ की डब्लूडी एलीमेंट्स एसई एक्सटर्नल एसएसडी प्रस्तुत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टर्न डिजिटल ने नई डब्लूडी एलीमेंट्सएसई एसएसडी की घोषणा की। यह एक नया पोर्टेबल स्टोरेज समाधान है, जो उत्तम परफॉर्मेंस के साथ पॉकेट-साईज़ का डिज़ाइन भी प्रस्तुत करता है। यह कंपैक्ट डिवाईस उन उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन समाधान है, जिन्हें फाईल्स को तेजी से मूव करने के लिए पोर्टेबल ड्राईव की जरूरत होती है। डब्लूडी एलीमेंट्स एसई एसएसडी के साथ उपभोक्ताओं को अपने लैपटॉप, डेस्कटॉप एवं अन्य डिवाईसेस में स्टोर किए गए कंटेंट का पूरा नियंत्रण मिल जाता है, फिर चाहे वह कंटेंट मनोरंजन के लिए बनाया गया हो या किसी कार्य को पूरा करने के लिए।खालिद वाणी, सीनियर डायरेक्टर, सेल्स, भारत, वेस्टर्न डिजिटल ने कहा, 'सॉलिड स्टेट ड्राईव स्टोरेज उद्योग में अगली बड़ी पहल हैं क्योंकि वो बेहतरीन परफॉर्मेंस, स्पीड, विश्वसनीयता व सुगमता प्रदान करती हैं। हमारी नई डब्लूडी एलीमेंट्स एसई एक्सटर्नल एसएसडी मैक एवं पीसी यूज़र्स के लिए एक उत्पादकता केंद्रित समाधान है।जगन्नाथ चेलिया, सीनियर डायरेक्टर- मार्केटिंग, इंडिया वेस्टर्न डिजिटल ने कहा, वेस्टर्न डिजिटल अभिनव टेक्नॉलॉजी प्रस्तुत करने और मैक एवं पीसी यूज़र्स को अपने कंटेंट का प्रबंधन करना सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है। डब्लूडी एलीमेंट्स एसई एक्सटर्नल एसएसडी में बेहतरीन परफॉर्मेंस, कंपैक्ट साईज़ एवं क्षमता का मिश्रण है। यह उन उपभोक्ताओं के लिए उत्तम विकल्प है, जो कंटेंट का बैकअप लेकर विभिन्न डिवाईसेस के बीच उसे साझा करना चाहते हैं।

शाओमी इंडिया ने 100 से ज्यादा नए व एक्सक्लुसिव रिटेल स्टोर खोलकर अपनी पहुंच बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नं. 1 स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने भारत में 100 से ज्यादा शाओमी रिटेल स्टोर खोलने की घोषणा की। भारत में सबसे बड़े एक्सक्लुसिव ब्रांड रिटेल नेटवर्क के रूप में शाओमी टियर 5 और टियर 6 शहरों में इस स्टोर्स के साथ देश में अपना विस्तार कर रहा है। इस विस्तार के साथ शाओमी इंडिया कश्मीर से कन्याकुमारी तक विभिन्न शहरों में अपनी पहुंच मजबूत कर रहा है, जिससे ग्रामीण इलाकों में रिटेल व्यवसाय के परिदृश्य में परिवर्तन आएगा और ग्राहकों को त्योहारों की अभूतपूर्व खुशी मिलेगी।शाओमी इंडिया ने देश के लिए अपनी प्रतिबद्धता को सदैव सर्वोपरि रखा है। अपनी इसी प्रतिबद्धता के तहत ब्रांड ने 50,000 से कम आबादी वाले टियर 5 और टियर 6 शहरों में 100 से ज्यादा नए रिटेल स्टोर खोले हैं। देश के सबसे दूरदराज के इलाकों में पहुंचने तथा सभी तक टेक्नॉलॉजी पहुंचाकर ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए दृढ़निश्चित यह कंपनी 200 से ज्यादा परिवारों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करेगी और भारत में उद्यमशीलता का विकास करेगी।इस उपलब्धि के बारे में मुरलीकृष्णन बी, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, शाओमी इंडिया ने कहा, ''हमने मी अभियान के साथ 6 महीने पहले वृद्धि करना शुरू किया। हम देश में अपने रिटेल पार्टनर्स से मिली प्रतिक्रिया व सहयोग से बहुत उत्साहित हैं। इससे हमें 100 से ज्यादा नए स्टोर्स के साथ अपने नेटवर्क को मजबूत करने का प्रोत्साहन मिला। इस प्रयास के द्वारा हम शाओमी और रेडमी उत्पादों की उपलब्धता टियर 5 और टियर 6 शहरों में तथा सीमित पहुंच वाले इन इलाकों में सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रस्तुत करना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि हमारे रिटेल स्टोर उभरते हुए उद्यमियों को उनके लक्ष्य पूरे करने में मदद करेंगे।

फ्लिपकार्ट ने किया त्योहारी सीज़न का आयोजन

फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज़ से लाखों विक्रेताओं, एमएसएमई, किराना और सर्वश्रेष्ठ ब्रैंड्स मिलकर बढ़ाएंगे त्योहारी उल्लास

बेंगलुरु, (एजेंसी)। भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने सबसे प्रमुख इवेंट द बिग बिलियन डेज़ का आयोजन आगामी 7 से 12 अक्टूबर के दौरानकरने की आज घोषणा के साथ ही देश में त्योहारी सीज़न का आगाज़ कर दिया है। छह दिनों तक चलने वाले इस शॉपिंग उत्सव के दौरान, लाखों उपभोक्ताओं समेत विक्रेताओं, लघु व्यवसायों, कारीगरों, किराना स्टोर्स, ब्रैंड्स तथा ई-कॉमर्स इकोसिस्टम पार्टनर्स को फेस्टिवल सीज़न का उल्लास जी-भरकर अनुभव करने का मौका मिलेगा। पहली बार, नॉन-प्लस ग्राहकों को फ्लिपकार्ट प पर अपने 50 अर्जित सुपरकॉइन्स को रीडीम करने के बदले अर्ली एक्सेस की सुविधा भी मिलेगी। इस साल, द बिग बिलियन डेज़ देशभर के महानगरों से लेकर टियर 2 शहरों एवं अन्य क्षेत्रों के कई स्वदेशी ब्रैंड्स एवं विक्रेताओं के लिए भी ढेरों नए अवसरों को लेकर आया है। पिछले करीब डेढ़ वर्षों में, फ्लिपकार्ट का ज़ोर एमएसएमई के लिए एक मजबूत रिटेल इकोसिस्टम तैयार करने तथा उन्हें अपने कारोबारों में नए सिरे से जान फूंकने का अवसर दिलाने पर रहा है। फ्लिपकार्ट ने देश के प्रत्येक भाग के उपभोक्ताओं को मूल्य दिलाने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ी है और सभी के लिए विस्तृत चयन की सुविधा के साथ-साथ टैक्नोलॉजी की ताकत भी जुटायी है। इस साल फ्लिपकार्ट के द बिग बिलियन डेज़ के दौरान उपभोक्ताओं को नए लॉन्च, गेम्स, इंटरेक्टिव वीडियो, लाइव स्ट्रीम और रिवाड्र्स का लाभ मिलेगा। द बिग बिलियन डेज़ 2021 की घोषणा करते हुए कल्याण कृष्णमूर्ति, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फ्लिपकार्ट ग्रुप ने कहा, ''हर सालद बिग बिलियन डेज़ भारत के त्योहारी सीज़न की शुरुआत का ऐलान होता है और हर बार हम पिछली बार की तुलना में कहीं बेहतर अनुभव उपभोक्ताओं, विक्रेताओं तथा ब्रैंड पार्टनर्स के लिए लेकर आते हैं। फ्लिपकपार्ट अपने उपभोक्ताओं के लिए मूल्य जुटाने तथा एमएसएमई, विक्रेताओं एवं लाखों किराना पार्टनर्स हेतु अवसरों के सृजन और ई-कॉमर्स के माध्यम से रोज़गार के अवसरों को पैदा करने की प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि देश ने पिछले डेढ़ वर्षों में ई-कॉमर्स को किस हद तक अपनाया है।

भारती एक्सा लाइफ ग्रुप क्रेडिट प्रोटेक्शनन प्रो से लोन की चुकौती सुरक्षित करके हो जाइए निश्चिंत

मुंबई/नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के अग्रणी व्य वसाय समूहों में से एक भारती एंटरप्राइजेज और विश्व/ की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक एक्साश का संयुक्त उपक्रम, भारती एक्सां लाइफइंश्योरेन्सज ने भारती एक्साश लाइफग्रुप क्रेडिट प्रोटेक्शंन प्रो के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक सिंगल प्रीमियम ग्रुप क्रेडिट प्रोटेक्शान प्ला्न है, जो ग्राहकों को लोन की देनदारी के मामले में अपने प्रियजनों की सुरक्षा का मौका देता है।इस प्लाशन की परिकल्पना ग्राहकों को एक ऐसा समाधान प्रदान करने के लिये की गई थी जो जीवन में मौत, जानलेवा बीमारियाँ, दुर्घटना के कारण पूर्ण और स्था यी विकलांगता और गंभीर बीमारी जैसी दुर्भाग्यीपूर्ण और आकस्मिक स्थितियों के कारण बकाया देनदारियों से वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर उनके भविष्यु को सुरक्षित करे। यह प्लाान विभिन्न प्रकार के ऋण में काम आ सकता है, जैसे कि होम लोन, मोर्टगेज लोन, एजुकेशन लोन, लोन अगेंस्टा प्रॉपटी (एलएपी), टू-व्ही लर लोन/ थ्री-व्हीललर लोन, कार लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, अन्यस ऑटो व्हीमकल लोन, पर्सनल लोन, गोल्डर लोन, अन्य कंज्यूलमर लोन, प्रोफेशनल लोन, कमर्शियल व्हीाकल लोन, कमर्शियल एक्विपमेंट लोन, बिजनेस लोन, अन्यन कमर्शियल लोन, एसएमई लोन, एग्रीकल्चेर लोन, फार्म इक्विपमेंट लोन, ट्रैक्टेर लोन, माइक्रोफाइनेंस लोन और कोई अन्यक ऋण। भारती एक्साय लाइफ ग्रुप क्रेडिट प्रोटेक्शान प्रो के लॉन्चन पर भारती एक्सा लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्ट्र और चीफएक्जीक्यूटटिव ऑफिसर,पराग राजा ने कहा कि,,भारती एक्सान लाइफमें हम हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स को डिजाइन करने में विश्वास रखते हैं, जो हमारे ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करते रहें।

पिछले 15 वर्षों में हमने ग्राहकों को अभिनव और जोखिम के लिये व्यलवहारिक समाधान प्रदान करते हुए वृद्धि की है।

यस बैंक ने क्रेडिट काड्र्स जारी करने के लिए वीजा के साथ साझेदारी की घोषणा की

- वीजा पेमेंट नेटवर्क पर नौ क्रेडिट कार्ड वैरिएंट्स एनेबल किये गये
- रिवाड्र्स और विशेष सुविधाओं से भरी कार्ड पेशकशें

मुंबई, (एजेंसी)। यस बैंक ने पेमेंट प्लेटफॉर्म पर अपने ग्राहकों को क्रेडिट काड्र्स उपलब्धव कराने के लिए वीजा के अपनी साझेदारी की घोषणा की। बैंक ने वीजा पेमेंट नेटवर्क पर चुनिंदा क्रेडिट काड्र्स के कंज्यूमर एवं कॉमर्शियल वैरिएंट्स के निर्गमन की शुरुआत कर दी है। यह शुरुआत 60 दिनों से भी कम के रिकॉर्ड समय में की गयी है। इससे विभिन्नु खंडों में ग्राहकों के लिए सहूलियत सुनिश्चित हो सकेगी।

वीजा प्लेटफॉर्म पर नौ क्रेडिट कार्ड वैरिएंट्स एनेबल किये गये हैं जो यस फर्स्ट , यस प्रीमिया और यस प्रॉस्पे रिटी में सभी खंडों - कंज्यूटमर काड्र्स, बिजनेस काड्र्स और कॉर्पोरेट काड्र्स खंडों के हैं। इन विजा को-ब्रांडेड काड्र्स पर आकर्षक लॉयल्टी प्रोग्राम्सै लोडेड हैं जिन पर अर्जित पॉइंट्स कभी भी समाप्तो नहीं होंगे और इन्हौ यस बैंक क्रेडिट कार्डधारकों के साथ साझा किया जा सकता है और इनको स्था नांतरित किया जा सकता है। अन्यड लाभों में आकर्षक विदेशी मुद्रा मार्कअप और कई जीवनशैली सुविधाएं जैसे एयरपोर्ट लाउंज एक्सोस एवं गोल्फिकोर्स प्रिविलेजेज* शामिल हैं। यस बैंक, एनपीसीआई के साथ प्रौद्योगिकी एकीकरण की प्रक्रिया में भी है और तय समय-सीमा के भीतर रुपे ब्रांडेड क्रेडिट काड्र्स जारी करने की योजना है। लॉन्चत पर टिप्पकणी करते हुए, यस बैंक के हेड - क्रेडिट काड्र्स और मर्चेंट एक्विजिशन, रजनीश प्रभु ने कहा, ''हमारे ग्राहकों को क्रेडिट से जुड़ी समग्र सुविधाएं प्रदान करने में बैंक द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों की दिशा में वीजा के साथ हमारी साझेदारी एक नये आयाम को जोड़ती है।

वीजा के पेमेंट एवं सिक्योंरिटी सिस्ट म के साथ, हमारे ग्राहकों को यस बैंक क्रेडिट काड्र्स के उपयोग में निर्बाध सुविधाएं मिलती रहेंगी।''वीजा के हेड - बिजनेस डेवलपमेंट, भारत, सुजय रैना ने कहा, ''यस बैंक के ग्राहकों के लिए वीजा समाधानों की व्यापक पेशकश लॉन्च, करने के लिए हमें उनके साथ सहयोग करने की प्रसन्नाता है। ऐसे समय में जब ग्राहकों का उनके दैनिक एवं विवेकपूर्ण खर्चों के लिए क्रेडिट पेशकशों की ओर रूझान बढ़ रहा है।

बैंक ऑफ़ इंडिया ने अपने 116 वें स्थापना दिवस पर पूरे भारत भर में किया वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने सामाजिक जुड़ाव को जारी रखने के प्रयासों के तहत बैंक ऑफ़इंडिया ने अपने 116 वें स्थापन दिवस को एक वृक्षारोपण अभियान के साथ मनाया। बैंक ऑफ़इंडिया के सभी 59 ज़ोन्स और 10 एनबीजीज़ में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान में बैंक के अधिकारीयों ने 7800 पौधें लगाए और पर्यावरण को मानव स्नेही रखने का सामूहिक संकल्प लिया। 5083 देशीय शाखाओं ने बहुत ही उत्साह और उमंग के साथ वृक्षारोपण अभियान का समर्थन किया।बैंक ऑफ़इंडिया के एमडी और सीईओ श्री. ए. के. दास ने स्थापना दिवस पर बैंक के मुख्यालय में कार्यकारी निदेशकों और सीवीओ के साथ मिलकर पौधा लगाया और वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया।

यह एक फेस्टिव कॉम्पिटशन है जहां स्कूली छात्र अपने इनोवेटिव आंत्रप्रिन्योरशिप आइडिया रख पाएंगे।

एमईपीएससी और थिंक स्टार्ट-अप ने इंडिया@75 यूथ आइडियाथॉन आयोजित करने के लिए हाथ मिलाया

न्यू दिल्ली,(एजेंसी)।

स्वतंत्रता के 75 वें वर्षों को चिह्नित करते हुए मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड आंत्रप्रिन्योरशिप तहत मैनेजमेंट आंत्रप्रिन्योरशिप प्रोफेशनल स्किल काउंसिल ने थिंकस्टार्टअप के सहयोग से K12 सेगमेंट और बजाज आलियांज लाइफ ने इंडिया@75 यूथ आइडियाथॉन का आयोजन किया है। यह एक फेस्टिव कॉम्पिटशन है जहां स्कूली छात्र अपने इनोवेटिव आंत्रप्रिन्योरशिप आइडिया रख पाएंगे। तीन चरणों की ये प्रतियोगिता 21 सितंबर से 13 नवंबर 2021 तक आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच विचारों की शक्ति के माध्यम से उनके अंदर आंत्रप्रिन्योरशिप की भावना पैदा करना है जो राष्ट्र को बदल सकता है। जीतने वाले छात्रों के आइडिया को प्रोटोटाइप/प्रोडक्ट में विकसित किया जाएगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने यूथ आइडियाथॉन को मान्यता दे दी है। वहीं, मैकमिलन एजुकेशन, टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल, शीएटवर्क और EDF रिन्यूएबल्स भी इस आयोजन के लिए साझेदारी कर रहे हैं।इस प्रतियोगिता में भारत के सभी सीबीएसई एफिलेटेड स्कूलों व विदेश के स्कूलों के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र हिस्सा ले सकते हैं । छात्रों के लिए विशेष रूप से एक वेबसाइट बनाई गई है जहां यूथ आइडियाथॉन में मुफ्त में भाग लिया जा सकेगा। साथ ही छात्र जितने चाहें उतने आइडिया जमा कर सकते हैं। यूथ आइडियाथॉन में लाखों छात्रों की भागीदारी के साथ-साथ युवा इनोवेटर्स के 500 प्रतिभागियों को वीडियो इंटरव्यू के माध्यम से शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, जिसमें से इंडियाञ्च75 यूथ आइडियाथॉन के टॉप 100 फाइनलिस्ट का चयन किए जाएंगे। भाग लेने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार, सलाह, इनक्यूबेशन और लर्निंग सपोर्ट के रूप में पुरस्कार बांटे जाएंगे। इतना ही नहीं आयोजकों ने प्रतियोगिता के दौरान सफल आंत्रप्रिन्योर के साथ डेली वेबिनार भी निर्धारित किए हैं। भारत सरकार के माननीय राज्य मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा इस यूथ आइडियाथॉन के लॉन्च समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ''मुझे खुशी है कि इंडिया@75 यूथ आइडियाथॉन, इनोवेश और आंत्रप्रिन्योरशिप की भावना का जश्न

सार समाचार

ज्वैलर्स से 22 लाख के पन्ने ठगे

नगीनों के बड़े व्यापारी बनकर ज्वैलर्स के पास पहुंचे, विदेश भेजने का झांसा देकर 208 कैरेट के पन्ने खरीदने, 20 दिनों बाद पेमेंट देने का एग्रीमेंट किया

जयपुर (कासं)। जयपुर में एक ज्वैलर्स से 208 कैरेट के पन्ने खरीदने का झांसा देकर 22 लाख रुपए ठग लिए। दोनों ठगों ने खुद को नगीनों का बड़ा व्यापारी बताया था। उन्होंने विदेश में माल भेजने का झांसा दिया और सादे कागज पर 20 दिनों में रुपए देने का वादा किया। उनसे संपर्क नहीं हुआ तो ज्वैलर्स ने जालुपुरा थाने में ठगी का मामला दर्ज कराया है। जेम्स व्यापारी संजय जैन ने बताया कि उसके पास दलाल अब्दुल समद दो महीने पहले रईस अहमद और मजीद अहमद को लेकर आया था। दोनों ने खुद को व्यापारी बताया। वे एमआई रोड की दुकान पर आए। दोनों ने नगीनों का माल देखा और 208 कैरेट के पन्ने लेने की बात कहीं। दोनों ने कहा कि वे नगीनों के बड़े व्यापारी और विदेशों में माल भेजते है। दोनों ने माल देखकर लेने की बात कहीं। 208 कैरेट के नगीनों की कीमत 22 लाख रुपए थी। दोनों ने कहा कि उनकी पेमेंट बाद में आएगी। दोनों ने 20 दिनों के बाद पेमेंट करने की बात कहीं। तब ज्वैलर ने उससे एक सादे पेपर पर लिखित में एग्रीमेंट करवा लिया। वे दोनों नगीने लेकर चले गए। 20 दिनों के बाद ज्वैलर ने दोनों से पेमेंट के लिए संपर्क किया। दोनों के मोबाइल बंद मिले। तब उसने दलाल को फोन कर रुपए देने की बात कहीं। उसने भी मोबाइल पर कॉल किया तो बंद मिला। वे दोनों मजीद की वैशाली नगर में दुकान पर पहुंचे और रुपए देने को बोला। पहले तो वह बहाने बनाने लगा। बाद में उसने रुपए देने से मना कर दिया।

सूखे पड़े पश्चिमी राजस्थान में मानसून मेहरबान

बाड़मेर, जोधपुर, सिरोही, जैसलमेर में अच्छी बारिश, जवाई बांध में पानी की आवक से वाटर ट्रेन का संकट टला

जयपुर (कासं)। राजस्थान में मानसून जाते-जाते सूखे पड़े पश्चिमी राजस्थान पर मेहरबान दिख रहा है। बीते 2-3 दिनों से लगातार पश्चिमी राजस्थान के क्षेत्रों में बारिश हो रही है। बीते 24 घंटे के दौरान बाड़मेर, जोधपुर, पाली, सिरोही, जैसलमेर जिलों में अच्छी बारिश हुई। इसके कारण बीसलपुर, जवाई बांध का जलस्तर बढ़ा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज और कल भी प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों के साथ ही पश्चिमी राजस्थान क्षेत्र में भी तेज बारिश हो सकती है। जवाई बांध में लगातार जल स्तर बढ़ने से अभी के लिए वाटर ट्रेन का संकट का टल गया है। बताया जा रहा है कि अभी तक करीब तीन महीने का पानी आ चुका है। आबादी के हिसाब से यह कम है, लेकिन कैचमेंट एरिया में बारिश के बाद जल स्तर बढ़ने की भी संभावना है। बीसलपुर में भी लगातार पानी की आवक जारी है। इससे जयपुर, अजमेर और टोंक जिले के लोगों को थोड़ी राहत मिली है। बारिश की स्थिति देखे तो माउंट आबू, निम्बाहेड़ा और भीलवाड़ा में बीते 24 घंटे के दौरान करीब 3 इंच बारिश हुई। तेज बारिश के कारण यहां बरसाती नदियों और नालों में पानी की आवक बढ़ गई। भीलवाड़ा क्षेत्र में अच्छी बारिश के कारण बनास और अन्य सहायक नदियों में पानी आने से बीसलपुर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांध का गेज 310.95 से बढ़कर 311.05 आरएल मीटर (10 सेमी.) बढ़ गया। वहीं बांध में पानी के लिए आवक बढ़ाने वाली प्रमुख नदी त्रिवेणी अभी 3.90 मीटर पर बह रही है। इसके चलते बांध में अभी भी 1695 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में भी तेज बारिश के बाद गंभीरी बांध का जलस्तर बढ़ने के बाद बांध से पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। बांध में जलस्तर बढ़ने के बाद देर शाम 1.5-1.5 मीटर के चार गेट खोले गए, जिसके बाद गंभीरी नदी में पानी आया। इसके अलावा चित्तौड़गढ़ शहर में बस्सी और बेगूं के ओराई बांध में भी चादर चलने लगी है। इसी तरह कोटा बैराज, झालावाड़ में कालीसिंध और धरियावाद में जाखम से भी पानी छोड़ा जा रहा है।

पीटीईटी अभ्यर्थी कर सकते हैं डाटा करेक्शन

परिणाम तैयार करने के बाद डूंगर कॉलेज प्रशासन ने अभ्यर्थियों को दिया अवसर, अपने नाम, उम्र सहित सभी कॉलम में 26 सितम्बर तक कर सकते हैं सुधार

बीकानेर (कासं)। बीकानेर के डूंगर कॉलेज की ओर से राज्यभर में 8 सितम्बर को आयोजित पीटीईटी के एडमिशन रिकार्ड में किसी का संशोधन अब भी किया जा सकता है। कॉलेज ने रिजल्ट तैयार कर लिया है, इसके बाद भी करेक्शन के लिए समय दिया गया है। एग्जाम कॉर्डिनेटर डॉ. जी.पी. सिंह ने बताया कि रिकार्ड में जेन्डर, केटेगिरी, सब केटेगिरी, योग्यता सम्बन्धित जानकारी में 26 सितम्बर तक संशोधन किया जा सकता हैं। परीक्षा परिणाम जारी होने से पूर्व समस्त प्रकार से संशोधित अंक तालिका जारी करने के लिए यह संशोधन अधिकृत वेबसाईट पर किया जा सकता हैं। इसके पश्चात् कोई भी संशोधन के लिए अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। 30 सितम्बर से पूर्व त्रुटि रहित परीक्षा परीणाम जारी करने के हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। कॉलेज जॉईन करने से पहले छात्र को दसवीं तथा उसके पश्चात् की सभी मुल अंक तालिकाएं आवश्यक होगीं साथ ही राज्य सरकार के नियमानुसार आरक्षण का लाभ लेने हेतु वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

अलवर मॉबलिचिंग मामला में भाजपा का हमला

सासंद बालकनाथ बोले- अलवर के बडौदामेव की युवक की पीट-पीट कर हत्याकर देना जंगलराज

अलवर (कासं)। अलवर के बडौदामेव में युवक की पीट-पीट कर हत्या के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इसे जंगलराज का उदाहरण बताया। वहीं अलवर के सांसद महंत बालकनाथ ने सरकार को तालीबानी शासक कह दिया। बोले अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि इस मामले में मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता मिले वहीं परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। अलवर सांसद बाबा बालकनाथ ने एक बार फिर राजस्थान सरकार को तालीबानी शासक कहा। सांसद ने कहा कि तभी तो बड़ौदामेव में योगेश जाटव जैसे चिरागों को बुझा दिया जाता है। मन विचलित और बहुत दुखी है। राजस्थान सरकार की नाक के तले, गरीब युवाओं को सरेआम मौत के घाट उतारा जा रहा है। हिंसा और कत्लेआम का मंजर राजस्थान में हर जगह देखा जा सकता है। अलवर के बडौदामेव की घटना ने अंदर तक झकझोर दिया है। यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अनेकों कत्लेआम हो चुके हैं। आज एक बार फिर दलित परिवार अपने घर के चिराग को खो चुका है और संवेदनहीन सरकार तालीबानी हुक्मरानों की तरफ चुप्पी साधे है। सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

कोरोना की फिर से एंट्री

बीकानेर (कासं)। बीकानेर में कोरोना की फिर से एंट्री हो गई है। जयनारायण व्यास कॉलोनी में पति-पत्नी के कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के बाद से हेल्थ डिपार्टमेंट हरकत में आ गया है। ये दोनों पिछले दिनों हनुमानगढ़ में एक विवाह समारोह में हिस्सा लेने गए थे। बीकानेर में कोरोना के नोडल ऑफिसर डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि सांगलपुरा के पास जयनारायण व्यास कॉलोनी में रहने वाले 32 वर्षीय युवक और 30 वर्षीय युवती को कोरोना पॉजिटिव मिला है। ये दोनों पति-पत्नी करीब बीस दिन पहले विवाह समारोह में हिस्सा लेने हनुमानगढ़ गए थे। इसके बाद से उनमें अब कोरोना के लक्षण मिले हैं, जांच करने पर दोनों पॉजिटिव पाये गए हैं। इसके अलावा अधिकांश सेंपल नेगेटिव मिले हैं। पीबीएम अस्पताल के कोविड आउटडोर में लिए गए सभी 121 सेम्पल भी नेगेटिव रहे हैं, जबकि जसरासर में 21, पांचू में 31, नोखा में 81, श्रीडूंगरगढ़ में 24, मुक्ता प्रसाद नगर में तीन, देशनोक में दो, रेलवे स्टेशन पर 128 सेम्पल लिए गए।

कलेक्टर ने जिले की सीमा क्षेत्र में त्रिस्तरीय जन अनुशासन दिशानिर्देश 6.0 किये जारी

1 से 5 तक की कक्षाएं 27 सितंबर से शुरू होंगी

सीकर (कासं)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अविचल चतुर्वेदी ने आदेश जारी कर सीकर जिले में निरन्तर नोवल कोरोना वायरस सें संक्रमित पाये जाने से कोरोना वायरस के अत्यधिक संक्रमण फैलने की सम्भावनाओं के मध्यनजर लोक शांति बनाये रखने की दृष्टि से दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत सख्त निषेधाज्ञा लागू की है। नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं लोक शान्ति बनाये रखने की दृष्टि से सीकर जिले की दण्ड प्रकिया सहिता की धारा 144 के अन्तर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीकर जिले की सीमा क्षेत्र में त्रिस्तरीय जन अनुशासन दिशानिर्देश 6.0 में जन सामान्य की सुविधा एवं लॉकडाउन में जन सामान्य की सुविधा एवं आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए आगामी आदेशों तक अतिरिक्त दिशानिर्देश जारी कर निषेधाज्ञा लागू की है। शादी-समारोह में अधिकतम 200 व्यक्तियों के सम्मिलित होने की अनुमति होगी। जिले कार्यालय के समस्त राजकीय, निजी कार्यालयों में समयानुसार 100 प्रतिशत कार्मिक अनुमत होंगे। सभी कार्मिकों द्वारा कोरोना प्रोटोकॉल (विशेषकर 2 गज की दूरी) की पालना सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।जिले के सरकारी, निजी विद्यालयों की कक्षा 6वीं से 8वीं तक की नियमित शिक्षण गतिविधियां 20 सितम्बर से एवं कक्षा 1 से 5वी तक की नियमित कक्षा गतिविधियां 27 सितम्बर 2021 से 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित की जा सकेंगी।विद्यालय के शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ एवं संस्थान आवागमन के लिए संचालित बस, ऑटो एवं कैब के चालक इत्यादि को 14 दिन पूर्व वैक्सीन की कम-से-कम एक खुराक प्रथम डोज अनिवार्य रुप से लेनी होगी।शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ, विद्यार्थियों के आवागमन के लिए संचालित स्कूल बस,ऑटो,कैब इत्यादि वाहन की बैठक क्षमता के अनुसार ही अनुमत होंगे। नियमित कक्षाओं के अध्ययन के लिये छात्रों की बैठक व्यवस्था इस प्रकार की जायेगी कि प्रत्येक कक्ष में छात्रों की उपस्थिति कक्ष की क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।ऑनलाईन,डिस्टेंस लर्निंग अध्यापन का माध्यम रहेगा एवं इसे प्रोत्साहित किया जायेगा। जिले में शिक्षण गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन के लिए शिक्षण संस्थाओं द्वारा निम्न की पालना सुनिश्चित की जायेगी। :शिक्षण संस्थानों में आने से पूर्व सभी विद्यार्थियों द्वारा अपने माता-पिता,अभिभावक से लिखित में अनुमति लेना अनिवार्य होगा वे माता-पिता, अभिभावक जो अपने बच्चों को अभी ऑफलाईन अध्ययन के लिए संस्थान नहीं भेजना चाहते उन पर संस्थान द्वारा उपस्थिति के लिए दबाव नहीं बनाया जायेगा एवं उनके लिए ऑनलाईन अध्ययन की सुविधा निरन्तर संचालित रखी जायेगी। शिक्षण संस्थानों द्वारा प्रार्थना सभा का आयोजन नहीं किया जायेगा।

अध्ययन अवधि के दौरान संस्थान में एवं आवागमन के दौरान फेस मास्क पहनना अनिवार्य होगा, नो मास्क नो एन्ट्री की पालना आवश्यक है। किसी विद्यार्थी स्टाफ द्वारा मास्क नहीं लगाया जाने पर संस्थान द्वारा मास्क उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जावे। शिक्षण संस्थानों द्वारा प्रत्येक शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ, विद्यार्थी की स्क्रीनिंग की व्यवस्था करनी होगी एवं इसके उपरान्त ही प्रवेश दिया जावे।

मुख्य द्वार पर प्रवेश एवं निकास के दौरान संस्थान परिसर, कक्षाओं में सामाजिक दूरी (दो गज की दूरी) का ध्यान रखा जावे एवं संस्थान में किसी भी स्थान पर विद्यार्थी, अभिभावक,कर्मचारी अनावश्यक रूप से एकत्रित न हो एवं संस्थान परिसर में स्थित कैंटीन को आगामी आदेशों तक बंद रखा जायेगा। प्रत्येक फ्लोर पर क्लासरुम एवं फैकल्टी रूम में कुर्सियों, सामान्य सुविधाओं एवं मानव सम्पर्क में आने वाले सभी बिन्दुओं जैसे रेलिंग्स, डोर हैण्डलस एवं सार्वजनिक सतह, फर्श आदि प्रतिदिन सेनेटाईज किया जावे एवं खिडकी, दरवाजों को खुला रखा जावे ताकि हवा का पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित रहें । संस्थान में प्रतिदिन काम में आने वाली स्टेशनरी एवं अन्य उपकरणों को सेनेटाईज कराना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर प्रतिबंध हो एवं उल्लंघन किये जाने पर नियमानुसार आर्थिक दंड कारित किया जावे।

सोने की नकली माला बेचते दो ठग गिरफ्तार

जयपुर (कासं)।

जयपुर में मकान की नींव खुदाई में गढ़ी हुई सोने की मालाओं का गुच्छा बताकर आधे दामों में नकली सोना बेचते दो शातिर ठगों को मालपुरा गेट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से करीब 800 ग्राम वजनी नकली सोने की 19 मालाओं का गुच्छा बरामद किया है। दोनों ठगों को पुलिस ने बोगस ग्राहक बनकर टोंक रोड पर बंबाला पुलिया के पास से सोमवार को पकड़ा। उनसे गहनता से पूछताछ की जा रही है। थानाप्रभारी रायसल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मगरा राम बागरी (42) निवासी गांव भोकड़ा, आहोर तहसील, जिला जालोर का रहने वाला है। वहीं, दूसरा आरोपी सोपाराम बागरी (33) जालोर जिले में भीनमाल तहसील के गांव रामसिह का रहने वाला है।

हंगामेदार रही आरसीए की जनरल बॉडी मीटिंग

रामेश्वर डूडी के समर्थन में गले में तख्ती लटकाकर बैठक में पहुंचे राजेंद्र सिंह, कार्यकारिणी पर लगाए भेदभाव के आरोप

वैभव बोले- नियमों के अनुरूप ही होगा काम

जयपुर (कासं)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक हंगामेदार रही। आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत की अध्यक्षता में लंबे समय बाद हुई एजीएम की बैठक में नागौर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेंद्र सिंह गले में अपने जिला क्रिकेट संघ की गले में तख्ती लटकाकर पहुंचे।इस दौरान नान्दु ने आरसीए पर नागौर समेत अलवर और श्रीगंगानर से भेदभाव का ही आरोप लगाया।

बैठक में अब तक विवादित माने जाते रहे जिला संघ नागौर और जिला संघ श्रीगंगानगर के सचिव शामिल हुए। नागौर जिला संघ से राजेंद्र सिंह इस बैठक में सभी का ध्यान आकर्षित करने के लिए गले में तख्ती लटकाए पहुंचे। जिस पर उन्होंने नागौर जिला संघ का अध्यक्ष पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी को बताया। इस तख्ती को उतारने के लिए बैठक से पहले उन्हें कहा गया। लेकिन इस पर वह इनकार करते

हुए नजर आए। उन्होंने खिलाड़ियों के चयन को लेकर भी बैठक में अपना पक्ष रखा। इसके साथ ही तीन जिला संघ की बहाली के बाद भी उनके पदाधिकारियों को मीटिंग में शामिल नहीं करने और मीटिंग के मिनिट्स नहीं भेजने के भी आरोप लगाए। नागौर जिला क्रिकेट संघ सचिव राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा की पिछले कुछ सालों से राजस्थान का क्रिकेट बिल्कुल पीछे चला गया है। लोकपाल की ओर से हमारे जिला संघों को बहाल कर दिया गया है। लेकिन इसके बावजूद भी पिछले दिनों हुई सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में नागौर जिले की जिला क्रिकेट संघ द्वारा सेलेक्ट की गई टीम को खेलने नहीं किया

गया। आरसीए द्वारा नियुक्त लोगों द्वारा अपनी मनमर्जी से खिलाड़ियों का सिलेक्शन किया और उनको प्रतियोगिता खेलने के लिए भेज दिया गया। इसके साथ ही पूरे राजस्थान क्रिकेट संघ में मेवाड़वाद चलाया जा रहा है। आरसीए सचिव फ़ोन तक नहीं उठाते हैं। नागौर जिला क्रिकेट संघ सचिव द्वारा किए गए हंगामे के बाद वैभव गहलोत ने कहा कि राजस्थान की क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी को साथ लेकर चला जा रहा है। ऐसे किसी भी विवाद की बात नहीं है। इन जिला संघों द्वारा अदालत के आदेशों की पालना नहीं कि जा रही है। हर जिले से निष्पक्ष टीमों का चयन किया गया था। सब से बैठकर फिर से बात की जाएगी और क्रिकेट को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। लम्बे समय बाद हुई आरसीए की एजीएम में आज ओंबड्समैन और एथिक्स ऑफिसर की नियुक्ति को लेकर आरसीए कार्यकारिणी को अधिकार दिए गए। इस पर आगामी दिनों में कार्यकारिणी फैसला करेगी। जबकि बजट संबंधी चर्चाएं भी की गई। आरसीए की बैठक में आज क्रिकेट कमेटी और स्टैंडिंग कमिटीओं के मामले में भी चर्चा की गई। इस पर जल्द ही कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय होगा। मीटिंग के बाद आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने बताया कि राजस्थान को आने वाले समय में 2 अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी मिली है। 17 नवम्बर को न्यूजीलैंड के साथ टी-20 मैच होगा तो वहीं 9 फरवरी कोवेस्टइंडीज के साथ एकदिवसीय मैच का आयोजन होगा। इन मैचों की तैयारियों को लेकर भी आज की मीटिंग में चर्चा की गई है।

सीकर में 32507 लोगों ने लगवाया कोरोना से बचाव का टीका

सीकर (कासं)। जिले में चल रहे कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत मंगलवार को जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 32507 लोगों को कोरोना वायरस से बचाव का टीका लगाया गया। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि जिला कलेक्टर अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में जिले में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत 32507 लोगों को टीका लगाया गया। 9267 लोगों को पहली डोज लगाई गई। वहीं 23240 लोगों को कोरोना वायरस से बचाव की द्वितीय डोज लगाई गई। 18 से 44 आयु वर्ग के 7048 युवाओं को पहली डोज लगाई गई। 18395 को द्वितीय डोज लगाई गई। वहीं 45 से अधिक आयु के 1852 को पहली और 3842 को द्वितीय और 60 व इससे अधिक आयु के 367 को पहली और 1003 को द्वितीय डोज लगाई गई।

रीट परीक्षार्थियों की होगी स्क्रीनिंग थर्मल गन से चिकित्सा कर्मी करेंगे स्क्रीनिंग

सीकर (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से 26 सितम्बर को आयोजित की जाने वाली रीट परीक्षा के परीक्षार्थियों के चिकित्सा विभाग की ओर से परीक्षा केंद्रों पर स्क्रीनिंग की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय चौधरी ने बताया कि जिले में 232 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन पर चिकित्सा विभाग के कार्मिक थर्मल गन से परीक्षा देने के लिए आने वाले परीक्षार्थियों की स्क्रीनिंग करेंगे। रीट की परीक्षा दो पारियों में होंगी। प्रथम पारी की परीक्षा सुबह 10 से 12.30 बजे तक होगी। इस पारी के परीक्षार्थियों की स्क्रीनिंग का कार्य सुबह 8 बजे से शुरू होगा। वहीं द्वितीय पारी की परीक्षा दोपहर 2.30 से शाम 5 बजे तक होगी। इस पारी के परीक्षार्थियों की स्क्रीनिंग दोहपर पौने एक बजे से शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए श्री कल्याण अस्पताल के पीएमओ, जिले के सभी बीसीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे रीट परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों की स्क्रीनिंग के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो पैरामेडिकल स्टॉफ नियुक्त करें और कोविड-19 की गाइड लाइन के अनुसार परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं को सुचारू करवाएं।

एचआईजी को भी ब्याज-पेनल्टी में फायदा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड और नगरीय निकाय की बसाई कॉलोनियों में बने हायर इनकम ग्रुप वाले भूखण्डधारियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। ईडब्ल्यूएस (ईडब्ल्यूएस), एलआईजी और एमआईजी-ए ग्रुप की तरह अब एमआईजी-बी और एचआईजी ग्रुप वालों को बकाया किस्त या मकान के पैसे एकमुश्त जमा करवाने पर ब्याज-पेनल्टी नहीं देनी पड़ेगी। नगरीय विकास विभाग की ओर से जारी आदेशों के बाद इसका सबसे ज्यादा फायदा हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियों के लोगों को होगा।

बरसात के बाद मूंगफली की फसल को मिला जीवनदान, पुष्ट होगा दाना, एक बीघा में 7-8 ि टल मूंगफली होने की उम्मीद

जोधपुर (कासं)।

पिछले दिनों जिले में हुई बारिश से काश्तकारों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है। मूंगफली की फसल को बरसाती पानी से मिले जीवनदान के बाद ऐसा हुआ है। बारिश से पहले जहां काश्तकार एक बीघा जमीन में तीन से चार क्विंटल मूंगफली होने की आस लगाए बैठे थे, वहीं अब उन्हें एक बीघा में सात से आठ क्विंटल मूंगफली होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं बारिश से मूंगफली का दाना भी पुष्ट होगा और उसमें तेल की मात्रा में भी इजाफा होगा। कच्ची आढ़त व्यापार संघ के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष मोती लाल सेठिया ने

बताया कि नहरी और कृषि कुओं की जमीन में मूंगफली की फसल को बरसात के बाद पर्याप्त पानी मिलने से फसल को जीवनदान मिला है। इससे न केवल कचरे की मात्रा में बढ़ोतरी होगी, बल्कि मूंगफली का दाना भी बड़ा और वजनी होगा। सेठिया ने बताया कि मूंगफली के साथ-साथ मोठ और मूंग की फसल को भी फायदा हुआ है। बरसात के बाद एक बीघा में मोठ और मूंग की औसत फसल एक क्विंटल मानी जा रही है।

बम्पर होगी आवक, कीमत भी अच्छी मिलेगी

कच्ची आढ़त व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष मोती लाल सेठिया के अनुसार बरसात के बाद मूंगफली, मोठ और मूंग की अच्छी फसल होने की संभावना है। हालांकि बारिश से पूर्व मूंगफली की कमजोर फसल होने का भय था। वर्तमान में अनाज मंडी में मूंगफली का पुराना स्टॉक विक्रय के लिए पहुंच रहा है।

फोटो वायरल करने की धमकी देकर एक सप्ताह तक किया बलात्कार

चूरू (कासं)। जिले के एक थाना क्षेत्र में अश्लील फोटो खींचकर पति और बच्चों को जान से मारने और फोटो वायरल करने की धमकी देकर बलात्कार करने के आरोप में मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बताया कि वह पति और बच्चों के साथ पड़ोसी राज्य में रहते हैं। जहां उसका पति नौकरी करता है। वर्ष 2020 में रिश्तेदार उसके घर आया। उसके पति ने उसे एक निजी कंपनी में नौकरी पर लगा दिया। उसकी जानकारी के बिना आरोपी रिश्तेदार ने नहाते समय उसकी फोटो खींच ली और वायरल करने की धमकी दी। उससे बलात्कार करने का प्रयास करने लगा। 25 जुलाई 2021 को वह ससुराल आई तो आरोपी ने घर आकर बताया कि उसके बच्चों का एक्सीडेंट हो गया है। इस पर वह आरोपी के साथ चली गई। आरोपी ने बस में उसे पीने के लिए ठंडा दिया। जिसके पीते ही बेहोश हो गई। दूसरी जगह पहुंच गई। पति व बच्चों के बारे में पूछा तो आरोपी ने ने फोटो वायरल करने तथा बच्चों और पति को जान से मारने की धमकी दी और एक क्वार्टर में ले जाकर एक सप्ताह तक उससे बलात्कार किया।

कोर्ट में नौकरी लगाने का झांसा देकर पांच जनों से 10 लाख की धोखाधड़ी

तिजारा कोर्ट के लिपिक और उसकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज

अलवर (कासं)। कोर्ट में नौकरी लगाने के नाम पर तिजारा कोर्ट के लिपिक और उसकी पत्नी द्वारा पांच जनों से १० लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में लिपिक और उसकी पत्नी के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। सदर थानाधिकारी महेश शर्मा ने बताया कि 17 सितंबर को मौसम पुत्र इब्राहिम खान निवासी गांव रायसिस कटोरीवाला तिबारा ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई अरशद की सरपंच प्रत्याशी इमरान पुत्र फकरूदीन के जरिए ओमप्रकाश गुप्ता और उसकी पत्नी पूनम गुप्ता से सरपंच चुनाव के दौरान जान पहचान हुई थी। ओमप्रकाश गुप्ता व उसकी पत्नी ने उसे और अन्य 5 युवकों को कोर्ट में नौकरी लगाने का विश्वास दिलाया और नौकरी लगाने की एवज में प्रत्येक से 3-3 लाख रुपए मांग की। गई। दोनों ने अरशद, इमरान, खालिद, आसिफ व परवेज से 2-2 लाख रुपए ले लिए। इसके बाद आरोपियों ने उनके शालीमार स्थित मकान में इन पांचों उक्त पांचों युवकों की परीक्षा कराई। 9 अप्रेल 2021 को पांचों युवकों को राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर से जारी एक नियुक्ति पत्र दिया। इसके बाद ओमप्रकाश गुप्ता उक्त पांचों युवकों को 13 अगस्त 2021 को जयपुर लेकर गया। वहां पर एक पत्र दिया, जिसमें 16 से 20 अगस्त के बीच ज्वाइन आदेश दिए गए, लेकिन बाद में कोविड का बहाना लगाकर उन्हें फिर 25 अगस्त को जयपुर ले गया। वहां पर 30 अगस्त से 3 सितंबर 2021 तक ज्वाइन करने सम्बन्धी आदेश लेकर आया। इसके बाद ७ सितम्बर को फिर ऐसे ही ज्वाइनिंग आदेश का पत्र दिया। जिस पर जिला एवं सेशन न्यायाधीश अलवर की मुहर और हस्ताक्षर किए हुए थे। बार-बार ज्वानिंग आदेश देकर नौकरी ज्वाइन नहीं कराने पर वह ओमप्रकाश गुप्ता के घर गए तो उसकी पत्नी पूनम ने झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उन्हें वहां से भगा दिया। 17 सितंबर को इन आदेशों के संबंध में न्यायालय में जाकर जानकारी कि तो पता चला कि यहां किसी प्रकार के कोई आदेश जारी नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट के आधार आरोपी दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

अस्पताल पर मिला ताला, मुख्य द्वार के सामने हुआ प्रसव

भिनाय (अजमेर) (कासं)। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ली के मुख्य गेट पर सोमवार रात करीब साढ़े 12 बजे ताला लगा होने के कारण अस्पताल के बाहर ही महिला का प्रसव हो गया। गनाहेडा निवासी आशा बागरिया के परिजन ने बताया कि आशा को प्रसव पीडा होने पर उसे बड़ली के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द ले जाया गया, जहां अस्पताल के गेट पर ताले लगे हुए मिले। मौके पर मौजूद महिला के परिजन ने बड़ली के पूर्व उप सरपंच ओमप्रकाश तेली को सूचना दी। उन्होंने 108 एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन उससे पहले ही अस्पताल के बाहर प्रसव हो गया।

IPL, DC vs SRH

क्या दिल्ली कैपिटल्स इस बार प्लेऑफके लिए क्वालीफाई कर पाएगी, कैगिसो रबाडा ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की वापसी से मजबूत बनी दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफअपने अभियान को नए सिरे से शुरू करेगी तो उसका लक्ष्य पहले चरण की फॉर्म को बरकरार रखना होगा। दिल्ली अभी आठ मैचों में 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि सनराइजर्स के सात मैचों में केवल दो अंक हैं और वह सबसे निचले पायदान पर है। सनराइजर्स ने अब तक केवल एक मैच जीता है। दिल्ली के लिए प्लेऑफअब ज्यादा दूर नहीं है और उसके गेंदबाज कैगिसो रबाडा का मानना है कि पहले चरण में अच्छा प्रदर्शन करने से उनकी टीम प्लेऑफमें जगह बनाने की अच्छी स्थिति में है।

दिल्ली की टीम ने टूर्नामेंट के पहले चरण में आठ मैचों में से छह में जीत दर्ज की और जब कोविड-19 के कारण मई में लीग को स्थगित किया गया तो वह अंकतालिका में शीर्ष पर थी। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली टीम ने पहले चरण का अंत जीत से किया था और वह यूएई में भी जीत से शुरुआत करना चाहेगी। ऐसा करने के लिये उसके पास अच्छे आक्रामक बल्लेबाज हैं जो किसी भी अच्छे आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं और सनराइजर्स भी अपवाद नहीं होगा।रबाडा ने कहा, ' मेरा मानना है कि खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं क्योंकि हम टूर्नामेंट के पहले चरण से ही अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। यह टीम के लिये सकारात्मक है। तालिका में शीर्ष पर रहते हुए सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत करना शानदार है हालांकि हमें अब भी काफी कुछ करने की जरूरत है। हम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए बहुत अच्छी स्थिति में हैं।'श्रेयस अय्यर के चोट से उबरने के बाद वापसी करने से दिल्ली का मध्यक्रम मजबूत हुआ है जिसमें ऋषभ पंत, आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मार्कस स्टोइनिस तथा वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर भी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (380) चयनकर्ताओं को गलत ठहराने के लिए बेताब होंगे।

India vs Australia विमेन वनडे

मिताली राज ने करियर के 20,000 रन पूरे किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने करियर के 20 हजार रन पूरे कर लिए हैं। इनमें घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय मैचों के रन शामिल हैं। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफतीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले वनडे मैच में पूरी की। मिताली ने इस मैच में लगातार 5 वीं हाफसेंचुरी बनाते हुए 107 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली। पिछले 4 मैचों में उन्?होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 79 रन और फिर इंग्?लैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों में 72, 59, और नाबाद 75 रन बनाए थे। मिताली का यह 218वां वनडे मैच था।

टीम इंडिया ने 225 रन बनाए-पहले बल्?लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने निर्धारित ओवर में 8 विकेट पर 225 रन बनाए। कप्तान मिताली राज के अलावा

यास्तिका भ?ाटिया ने 51 गेंदों पर 35 रन, ऋचा घोष ने 29 गेंदों नर नाबाद 32 रन की पारी खेली। वहीं झूलन गोस्वामी ने 24 गेंदों पर 20 रन और स्मृति मंधाना ने 16 रन बनाए।

टी-20 क्रिकेट से ले चुकी हैं संन्यास-मिताली राज टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से 2019 में संन्यास ले चुकी हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 2364 रन हैं और वे इसकी ओवरऑल टैली में सातवें स्थान पर हैं।

वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली-मिताली राज वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली वर्ल्ड की पहली महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने 218 मैचों में 7365 रन बनाए हैं। वहीं इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स दूसरे नंबर पर काबिज हैं। उन्होंने 5992 रन बनाए हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिग में मिताली राज का जलवा बरकरार

झूलन गोस्वामी को एक स्थान का फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज मंगलवार को जारी आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) महिला वनडे रैंकिंग में टॉप स्थान पर बरकरार हैं, जबकि न्यूजीलैंड की एमी सैटरथवेट ने टॉप पांच में वापसी की। मिताली के नाम 762 रेटिंग प्वॉइंट्स हैं। इस लिस्ट में टॉप 10 में स्मृति मंधाना भी शामिल हैं जो सातवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में नाबाद 79 रन की पारी खेलने वाली सैटरथवेट ने टॉप पांच खिलाड़ियों में वापसी की।पिछली रैंकिंग लिस्ट में मिताली के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर काबिज दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेल ली लेटेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों से बाहर रहने के कारण उनका एक रेटिंग प्वॉइंट घट गया। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने रैंकिंग में पांच स्थान का सुधार किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 107 गेंदों में 89 रनों की मैच जिताने वाली पारी के दम पर वे टॉप 10 खिलाड़ियों में जगह बनाने में सफल रहीं हैं। वे नताली साइवर और लौरा वोल्वार्ड्ट के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि स्पिनर पूनम यादव गेंदबाजों में नौवें स्थान पर बनी हुई हैं। भारत की दीप्ति शर्मा ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी की अगुवाई वाली ऑलराउंडर खिलाड़ियों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं।

गेल 42 साल के हुए

पंजाब किंग्स इलेवन से खेलने वाले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम आईपीएल में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स इलेवन से खेलने वाले वेस्टइंडी के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल आज 42 साल के हो गए हैं। आज उनका जन्मदिन है। उनके नाम IPL में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी है। वहीं वह दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने टेस्ट में ट्रिपल सेंचुरी, वन वनडे में डबल सेंचुरी और टी20 इंटरनेशनल में सेंचुरी लगाई है। क्रिस गेल ने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ नाबाद 175 रन की पारी खेली थी। उनकी यह पारी IPLमें एक मैच का सर्वोच्च स्कोर भी है। उन्होंने मात्र 30 गेंद पर सेंचुरी बनाई थी।

गेल ने ओवरऑल करियर में 1500 से अधिक छक्के लगाए हैं- 1999 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले गेल कई बड़े कारनामे कर चुके हैं। वे ओवरऑल करियर में 1500 से अधिक छक्के और 3 हजार से अधिक चौके लगा चुके हैं। वहीं वे टी20 में 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं। वेस्टइंडीज ने 2 बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब भी जीता है। गेल दोनों बार टीम में थे। अगले महीने श्व और ओमान में शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी उन्हें वेस्टइंडीज टीम में जगह मिली है।

टी20 में 1000 से ज्यादा छक्के लगा चुके हैं- क्रिस गेल ने टी20 में अब तक 1042 छक्के लगाए हैं। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज यह कारनामा नहीं कर सका है। दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के ही किरोन पोलार्ड है। उन्होंने 756 छक्के लगाए हैं। टी20 की एक पारी में सबसे अधिक 18 छक्के का रिकॉर्ड भी गेल के ही नाम है। उन्होंने 2017 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग के एक मुकाबले में रंगापुर राइडर्स की ओर से खेलते हुए यह कारनामा किया था।

301 वनडे में 10 हजार से अधिक रन-क्रिस गेल वेस्टइंडीज की ओर से वनडे में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वे और ब्रायन लारा ही वेस्टइंडीज की ओर से वनडे में 10 हजार से अधिक रन बना सके हैं। गेल ने 301 वनडे में 38 की औसत से 10480 रन बनाए हैं। इनमें 25 सेंचुरी और 54 हाफ सेंचुरी शामिल हैं।

ट्विटर यूजर ने जाफर को बताया पाक सपोर्टर, वसीम ने इस तरह कर दी बोलती बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम के भी पाकिस्तान का दौरा रद्द करने पर पाक क्रिकेट टीम और फैन्स निराशा में हैं। इंग्लैंड ने अपने खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक सुरक्षा का हवाला देते हुए पाकिस्तान का अपना ऐतिहासिक दौरा रद्द कर दिया। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के इस फैसले के बाद क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटरों ने ईसीबी को आड़े हाथों लिया है और उसकी जमकर खिंचाई की है। ईसीबी के इस फैसले को गलत बताने वालों में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर भी शामिल हैं। उनके ऐसे ट्वीट पर ट्रोलर्स ने उन्हें पाक का सपोर्टर तक बता दिया। हालांकि जाफर ने इसके बाद जोरदार तरीके से ट्रोलर्स पर पलटवार किया है। जाफर ने सबसे पहले ट्विटर करते हुए लिखा, 'पीसीबी को इंग्लिश बोर्ड से निराश होने का पूरा अधिकार है। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ने पिछले साल कोरोना महामारी के दौरान वैक्सीन के आने से पहले ही इंग्लैंड का दौरा किया था। इंग्लैंड पाकिस्तान और वेस्टइंडीज का ऋणी है। आपसी सहमति के बाद ईसीबी को इस तरह का दौरा नहीं रद्द करना चाहिए था। जब क्रिकेट मैच कैंसल होता है, तो कोई भी विजेता नहीं होता है।'

ईसीबी के फैसले से आहत वसीम अकरम ने कहा-'जीवन भर के लिए भेड़ बने रहने से बेहतर है एक दिन के लिए शेर होना'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अभी न्यूजीलैंड से मिले झटके से उबरा भी नहीं था कि इंग्लैंड ने भी पाक का दौरा रद्द करके उसे और सदमें ला दिया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के इस फैसले से पाकिस्तान के किकेटर्स सकते में है। कुछ क्रिकेटरों का मानना है कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से इसका बदला लेना चाहिए जबकि कुछ का मानना है कि पाकिस्तान को एक ऐसी टीम तैयार करनी चाहिए, जिससे दुनिया की टीमें खेलने के लिए लाइन लगाकर खड़ी रहे। इस बीच, पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भी पाकिस्तान का दौरा कैंसल करने के इंग्लैंड के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। इंग्लैंड से पहले, न्यूजीलैंड ने भी सुरक्षा कारणों का हवाला देकर अंतिम समय पर पाकिस्तान के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ट्वीट करते हुए कहा, 'जीवन भर के लिए भेड़ बने रहने से बेहतर है एक दिन के लिए शेर होना। दुर्भाग्य से हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां हर एक देश में खेल और मनोरंजन पर आतंक का खतरा मंडरा रहा है। लेकिन मैं किसी तैयार देश की तुलना में उस देश में क्रिकेट खेलना ज्यादा पसंद करूंगा जो किसी भी चीज के लिए तैयार है। अकरम के अलावा शोएब मलिक ने इंग्लैंड के इस कदम को पाकिस्तान क्रिकेट के लिए दुखद खबर करार दिया। उन्होंने कहा, ' पाकिस्तान क्रिकेट के लिए यह एक दुखद खबर है। बस मजबूत रहोज् हम मजबूती से वापस करेंगे।'

इंग्लैंड का पाकिस्तान दौरा रद्द? करने पर भड़के बाबर आजम, अन्य देशों पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के बाद इंग्लैंड ने भी पाकिस्तान का अपना प्रस्तावित दौरा रद्द कर दिया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) की तरह ही इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी इसके लिए सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच जिस दिन दौरे का पहला मैच खेला जाना था, उसी दिन एनजेडसी ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पूरा दौरा कैंसल कर दिया था। इसके बाद ईसीबी ने कहा था कि वह पाकिस्तान दौरे को लेकर अपना फैसला जल्द सुनाएगा और ईसीबी ने सोमवार को अपनी मेंस और वुमेंस टीम को पाकिस्तान दौरे पर नहीं भेजने का फैसला किया। ईसीबी के इस कदम के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम काफी सदमे में हैं। बाबर ने इसके लिए अन्य देशों पर पाकिस्तान के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। बाबर ने ट्विटर पर लिखा, ' एक बार फिर हम निराश हैं। हमने हमेशा खेल के हितों को समायोजित करने की कोशिश की है लेकिन अन्य देश ऐसा नहीं कर रहे हैं। हमने अपनी क्रिकेट यात्रा में एक लंबा सफर तय किया है और हमें उम्मीद है कि यह समय के साथ और बेहतर होगा। हम न केवल इससे बाहर निकलेंगे बल्कि हम और ज्यादा मजबूत होंगे। इंशाअल्लाह।' पाकिस्तान दौरे पर इंग्लैंड की मेंस टीम को दो टी20 मैच खेलना था जबकि वुमेंस टीम को दो टी20 और तीन वनडे मैच खेलने थे। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने भी हाल ही में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पहले वनडे से कुछ देर पहले ही पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया था और दौरा कैसिंल कर दिया था।

पाकिस्तान क्रिकेट के लिए पिछला कुछ समय बिल्कुल अच्छा नहीं रहा है।

ईसीबी के भी दौरा रद्द करने पर भड़के पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा, बोले- अब तक भारत हमारे निशाने पर था, लेकिन अब न्यूजीलैंड और इंग्लैंड भी होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट के लिए पिछला कुछ समय बिल्कुल अच्छा नहीं रहा है। पहले न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज शुरू होने से कुछ समय पहले अचानक दौरा रद्द कर दिया और अब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी पाकिस्तान का अपना दौरा रद्द कर दिया है। इंग्लैंड की महिला और पुरुष टीम को अगले महीने अक्टूबर में पाकिस्तान का दौरा करना था, लेकिन ईसीबी ने अब अपनी दोनों टीमों को पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला लिया है। ईसीबी का यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष रमीज राजा को बिल्कुल नागवार गुजरा और उन्होंने अब इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम को धमकी दी

है।'क्रिकबज' ने रमीज राजा के हवाले से कहा, 'अब तक टी-20 वर्ल्ड कप में हमारे निशाने पर सिर्फ भारत था, लेकिन अब हमारे निशाने पर दो और टीम हो गई हैं।न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने दौरा रद्द करके अच्छा नहीं किया है और हम इसका बदला मैदान पर लेंगे। यह हमारे लिए एक सबक है, क्योंकि जब हम इन देशों की यात्रा करते हैं, तो हमें सख्त क्वारंटाइन से गुजरना पड़ता है और हम उनकी नसीहतों को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन इसमें एक सबक है।'उन्होंने कहा, अब से हम उतना ही आगे बढ़ेंगे, जितना हमारे हित में है। आप सुरक्षा खतरे और धारणा के आधार पर कोई भी निर्णय ले सकते हैं। गुस्से की भावना थी क्योंकि पहले न्यूजीलैंड अपने सामने आने वाले खतरे के बारे में जानकारी साझा किए बिना दौरे से हट गया और अब इंग्लैंड, लेकिन इसकी उम्मीद थी।'बता दें कि इंग्लैंड की महिला और पुरुष टीम को पाकिस्तान की टीम के साथ रावलपिंडी में 13 और 14 अक्टूबर को दो टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलने थे। इंग्लिश महिला टीम को साथ ही 17, 19 और 21 अक्टूबर को तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलनी थी। ईसीबी ने कहा कि 2022 में मेन्स फ्यूचर टूअर्स प्रोग्राम के हिस्से के रूप में पाकिस्तान का दौरा करने के लिए उसकी लंबी प्रतिबद्धता थी, क्योंकि उसने अक्टूबर में दो अतिरिक्त टी-20 वर्ल्ड कप वॉर्मअप गेम खेलने के लिए सहमति व्यक्त की थी।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

अफगानिस्तान में नहीं दिखाए जाएंगे आईपीएल के मैच, वजह है महिला दर्शकों की मौजूदगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान ने अफगानिस्तान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच ब्रॉडकास्ट करने पर रोक लगा दी है। तालिबान ने इसके लिए पहले ही अफगान मीडिया को चेतावनी दी थी कि आईपीएल में महिला दर्शक होती हैं और इस वजह से मैचों को अफगानिस्तान में ब्रॉडकास्ट ना किया जाए। तालिबान ने जब से अफगानिस्तान पर कब्जा किया है, तब से इस देश में क्रिकेट के भविष्य पर भी सवालिया निशान लग गए हैं। अफगानिस्तान के न्यूज चैनल TOLO के सीनियर जर्नलिस्ट फवाद अमन ने ट्विटर के जरिए इसकी जानकारी देते हुए, इसके बहुत ही बेहूदा कदम बताया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'बेहूदा: तालिबान ने अफगानिस्तान में इंडियन प्रीमियर लीग के ब्रॉडकास्ट पर रोक लगा दी है। तालिबान ने अफगान मीडिया आउटलेट्स को इसको लेकर वॉर्निंग दी थी कि आईपीएल के दौरान महिलाएं नाचती हैं और स्टेडियम में मैच देखने भी जाती हैं।' इससे पहले अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) में भी एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। तालिबान ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर हामिद शिनवरी को पद से हटा दिया है। शेनवारी ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अनस हक्कानी ने उन्हें उनके पद से हटा दिया है। हामिद ने बताया कि उन्हें पद से हटाने की कोई वजह नहीं बताई गई है, लेकिन बताया कि उन्हें कहा गया है कि नसीबुल्लाह हक्कानी उनकी जगह लेगा।

न्यूजीलैंड के बाद ईसीबी ने कैंसल किया पाकिस्तान दौरा, अख्तर ने कहा- टी20 वर्ल्ड कप में हम इसका बदला लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी पाकिस्तान दौरा कैंसल कर दिया है। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच जिस दिन दौरे का पहला मैच खेला जाना था, उसी दिन एनजेडसी ने सिक्योरिटी थ्रेट का हवाला देकर पूरा दौरा कैंसल कर दिया था। इसके बाद ईसीबी ने कहा था कि वह पाकिस्तान दौरे को लेकर अपना फैसला जल्द सुनाएगा। सोमवार को ईसीबी ने यह दौरा कैंसल करने का फैसला लिया।ईसीबी के फैसले पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर काफी भड़के हुए हैं। अख्तर ने कहा कि अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को समझ में आ जाना चाहिए कि उसके लिए कोई स्टैंड नहीं लेगा और उन्हें खुद अपने लिए स्टैंड लेना होगा। अख्तर ने साथ ही कहा कि अगर वह पीसीबी चीफ होते तो आने वाले समय में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं जाते। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। अख्तर ने कहा, 'आप हमारे पूरे देश की इमेज खराब कर रहे हैं, आप यह दिखाना चाहते हैं कि हमारी आर्मी और इंटेलिजेंस आपकी रक्षा नहीं कर सकते हैं। मैं अगर पीसीबी चीफहोता तो आने वाले समय में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के दौरे पर नहीं जाता और सिक्योरिटी थ्रेट का ही हवाला देता।'अख्तर ने आगे कहा, 'टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का पहला मुकाबला भारत से 24 अक्टूबर को है, लेकिन उससे बड़ा मुकाबला 26 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। पूरी टीम को मिलकर न्यूजीलैंड को धूल चटानी चाहिए। पहले पीसीबी अपना सिलेक्शन ठीक कर ले और उन तीन-चार लड़कों को टीम में जगह दे, जो बाहर हैं। गुस्सा निकालने का सही समय होगा, पाकिस्तान टीम को अब यही करना होगा। पाकिस्तान ने इससे बुरे समय को देखा है हम फिर वापसी करेंगे। हम इसका बदला लेंगे वर्ल्ड कप जीतकर।'

युवराज सिंह ने मूनवॉक डांस करके 'यूनिवर्स बॉस' क्रिस गेल को किया बर्थडे विश, सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली **(एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के दूसरे हाफमें मंगलवार को पंजाब किंग्स का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में सबकी निगाहें बथर्ड बॉय और वेस्टइंडीज के विस्फोटक ओपनर क्रिस गेल पर होंगी, जो अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। गेल अपने जन्मदिन पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में उतरेंगे। इस बीच, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने मजेदार अंदाज में 'यूनिवर्स बॉस' गेल को उनके जन्मदिन की बधाई दी है। युवराज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह पंजाब किंग्स के ओपनर गेल के साथ मूनवॉक डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। यूवी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। युवराज ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं। एमजे मू?स के साथ कई शानदार रातों पर ध्यान। आपको भरोसा है कि विराट कोहली मुझसे बेहतर डासंर है?' गेल माइकल जैक्सन के बहुत बड़े फैन माने जाते हैं। गेल ने युवराज के इस पोस्ट पर कई मजेदार इमोजी पोस्ट किए हैं। साथ ही उन्होंने युवराज का आभार भी जताया है। क्रिस गेल और युवराज आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए एकसाथ खेल चुके हैं और वे एक साथ ड्रेसिंग रूम शेयर कर चुके हैं। विस्फोटक बल्लेबाज गेल से पंजाब को आक्रामक शुरुआत की उम्मीद होगी, शानदार प्रदर्शन करके प्लेऑफ में पहुंचना चाहेगी। पंजाब की टीम इस समय 8 मैचों में से तीन मैच जीतकर आईपीएल 2021 की अंक तालिका में सातवें स?थान पर है। गेल ने आईपीएल 2021 के पहले हाफमें 8 मैचों में 178 रन बनाए थे।

मल्टी वैरिएंट कोरोना वैक्सीन का ट्रायल शुरू

लंदन (एजेंसी)। कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट इस समय पूरी दुनिया के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। अध्ययनों में दावा किया जा रहा है कि वैक्सीन लेने वाले लोगों में कोरोना के इस घातक वैरिएंट का खतरा कम हो सकता है। हालांकि कौन सी वैक्सीन डेल्टा वैरिएंट पर ज्यादा असरदार है इसको लेकर शोध जारी है। इस बीच, कोरोना वायरस के अलग-अलग वैरिएंट के खिलाफ दुनिया की पहली मल्टी वैरिएंट कोरोना वैक्सीन का ट्रायल ब्रिटेन में शुरू हो गया है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर शहर में कोविड-19 के खिलाफ दुनिया की पहली मल्टी-वैरिएंट कोरोना वैक्सीन का परीक्षण शुरू कर दिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को 60 वर्षीय एक विवाहित जोड़ा इस ट्रायल में शामिल होने वाला पहला भागीदार बन गया। दुनिया की पहली मल्टी-वैरिएंट कोरोना वैक्सीन का ट्रायल मैनचेस्टर विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) फाउंडेशन ट्रस्ट के बीच सहयोग से किया जा रहा है। यूएस फार्मास्युटिकल कंपनी ग्रिटस्टोन द्वारा लॉन्च की गई जीआरटी-आर910 नामक दवा, पहली पीढ़ी के कोविड-19 वैक्सीन की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को सार्स-कोव-2 के व्यापक रूपों के लिए बढ़ावा देने का दावा करती है, जो बीमारी का कारण बनती है। डेल्टा वैरिएंट से सुरक्षित रखने में माडर्ना वैक्सीन ज्यादा असरदार

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने अपने हालिया अध्ययन में बताया कि डेल्टा वैरिएंट्स से सुरक्षा देने में फाइजर और जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन के मुकाबले मॉडर्ना की वैक्सीन ज्यादा असरदार हो सकती है। मार्बिडिटी एंड मार्टेलिटी वीकली रिपोर्ट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं का कहना है कि वैसे तो कोरोना के सभी टीके संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने या मौत के खतरे से सुरक्षा दे सकते हैं। हालांकि डेल्टा वैरिएंट से सुरक्षित रखने में अमेरिका की माडर्ना वैक्सीन की प्रभाविकता अधिक पाई गई है। अध्ययन के मुताबिक, माडर्ना वैक्सीन अस्पताल में भर्ती होने के खतरे को 95 फीसदी तक कम कर सकते हैं। वहीं फाइजर के टीके को इसमें 80 फीसदी जबकि जॉनसन एंड जॉनसन को 60 फीसदी तक कारगर पाया गया है।

एस्ट्राजेनेका को मान्यता कोविशील्ड को नहीं, ब्रिटेन के नए कोविड-19 ट्रैवल नियमों पर विवाद: ब्रिटेन ने अपने कोविड-19 ट्रैवल नियमों में बदलाव किए हैं लेकिन इसके साथ ही एक नए विवाद को जन्म भी दे दिया है। ब्रिटेन पर आरोप लग रहे हैं कि वह भारत के साथ भेदभाव कर रहा है। ब्रिटेन सरकार पर अब भारत से आने वाले यात्रियों के लिए तय नियमों समीक्षा करने का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्रिटेन ने नए नियमों के तहत %कोविशील्ड% वैक्सीन लेने वालों को टीका लिया हुआ नहीं माना जाएगा, जबकि आक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका वैक्सीन पाए लोगों को मान्यता दी गई है। इस भेदभाव को लेकर ब्रिटेन पर देश में काफी बयान सामने आ रहे हैं।

ब्रिटिश सरकार पर भड़के शशि थरूर, कहा- क्वारंटीन नियम भेदभावपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के लोकसभा सांसद शशि थरूर ने ब्रिटेन की अपनी आगामी यात्रा रद कर दी है। उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों के लिए क्वारंटीन नियमों में किए गए बदलावों के कारण यह फैसला लिया है। उन्होंने ब्रिटेन की नीति को भेदभावपूर्ण करार दिया है। ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, भारत, तुर्की, थाईलैंड, रूस और जार्डन में वैक्सीनेशन कराने वाले किसी भी व्यक्ति को अन-वैक्सीनेटेड माना जाएगा। ऐसे यात्रियों को ब्रिटेन पहुंचने पर 10 दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना होगा। शशि थरूर ने इसे लेकर एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, पूरी तरह से टीका लगाए गए भारतीयों को क्वारंटीन के लिए कहना अपमानजनक है। इस वजह से मैंने अपनी पुस्तक के रूप में वहां प्रकाशित) के यूके संस्करण के लिए होने वाली डिबेट और लांच इवेंट में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। इस मुद्दे पर बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, यूके द्वारा लागू किए गए दोहरे मानकों को समझना असंभव है।

बुरा फंसा मजार में घुसा चोर, दान पात्र से हाथ छुड़ाने के लिए रात भर छटपटाता रहा

कन्नौज (एजेंसी)। कन्नौज के मड़हारपुर गांव की एक मजार में चोरी करने घुसे शख्स का हाथ वहां रखे दानपात्र में फंस गया। दानपात्र में ताला लगा होने के चलते वह अपना हाथ नहीं निकाल सका। पूरी रात कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुआ। सुबह उसके रोने की आवाज़ पर लोगों का मजमा लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे छुड़ाया, पूछताछ की और थोड़ी देर बाद उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया। मड़हारपुर गांव शहर के करीब ही स्थित है। वहां बाबा हज़रत लाल शहीद की मजार है। मजार में लोहे का दानपात्र रखा हुआ है, जिसमें ताला लगा रहता है। बताया जा रहा है कि सोमवार की रात कुछ युवक वहां पहुंचे और दानपात्र में रखी रकम को चोरी करने की कोशिश करने लगे। लेकिन ताला लगा होने के चलते कामयाब नहीं हो सके। किसी तरह लोहे की दूसरी चीजों की मदद से दानपात्र का ऊपरी हिस्सा उचकाकर उसमें एक युवक ने हाथ डाल दिया, लेकिन वापस नहीं निकाल सका। काफी कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसी जद्दोजहद में सुबह हो गई, तो दो युवक वहां से भाग निकले। जबकि जिसका हाथ दानपात्र में फंसा था वह वहीं बैठा-बैठा रोने लगा। उसकी चीख सुनकर गांव के लोग मजार पर पहुंचे तो नजारा देखकर चौंक गए।

दूल्हे की एक गलती पड़ी भारी, दुल्हन ने दूसरे को किस किया और चली गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में शादी के दौरान बवाल मचने के तमाम मामले सामने आते रहते हैं। कई बार तो ऐसा हुआ जब शादी के मंडप पर शादी टूट गई। अब अमेरिका से भी एक ऐसा मामला सामने आया है जहां शादी के मंडप में दूल्हे ने कुछ ऐसी हरकत कर दी कि दुल्हन नाराज होकर चली गई। इतना ही नहीं दुल्हन ने मंडप पर ही किसी और को किस कर लिया और उसके साथ चली गई।दरअसल, यह घटना अमेरिका के मैरीलैंड की है। ऑनलाइन रिपोर्ट के मुताबिक, यहां स्थित एबरडीन के एक सुंदर मैरिज हॉल में एक शादी हो रही थी। यह शादी 24 साल की सियेरिया की थी जो वह अपने नए नवेले बॉयफ्रेंड सैम के साथ करने जा रही थी। शादी के मंडप पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी और सब उसे बधाई भी आकर दे रहे थे। लेकिन दुल्हन की नजर उस दिन दूल्हे पर थी, उसको लग रहा था कि वह कुछ गड़बड़ कर रहा है। दुल्हन बार-बार उसे देख रही और शादी की बाकी रस्में जारी थी। इसी बीच दुल्हन ने दूल्हे को पकड़ लिया। दूल्हा जमकर शराब पी रहा था और वह उस दौरान भी शराब पीते हुए पकड़ा गया।

गले में बेल्ट बांध डंडों से पीटा, छेड़छाड़ की युवक को दी तालिबानी सजा, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

नईदिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में युवक की बेरहमी से पिटाई करने के मामले में दो लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बलराम यादव (28) नामक युवक के गले में बेल्ट बांधकर डंडों से उसकी पिटाई करने के मामले में तीन लोगों के खिलाफ सोमवार को मामला दर्ज किया था, जिनमें से एक अभी भी फरार है। बलराम जबरन वसूली करने के मामले में हाल में जेल से छूटकर आया था और आरोप है कि जेल से रिहा होने के दूसरे दिन ही उसने एक लड़की से छेड़छाड़ की। वह उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के रहने वाला है और मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की सीमा पर एक ढाबा चलाता है। रीवा जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर हनुमना पुलिस थाना इलाके के अर्जुनपुर पैकान गांव में उसकी हाल में पिटाई की गई थी और सोमवार को सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो सामने आया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। हनुमना पुलिस थाना प्रभारी शैल यादव ने बताया, बलराम यादव की पिटाई करने के मामले में दो आरोपियों विपिन सिंह एवं गब्बर सिंह (दोनों निवासी अर्जुनपुर) को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दीपक तिवारी की तलाश की जा रही है। उसे भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

किसानों का 'भारत बंद' 27 सितंबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एक बार फिर से किसानों का भारत बंद होने जा रहा है। 27 सितंबर को देशभर के किसानों ने भारत बंद का ऐलान किया है। किसानों का ये भारत बंद नए कृषि कानूनों के विरोध में है। तीनों नए कृषि कानूनों को पारित हुए एक साल से ऊपर हो गया है। किसान इन कानूनों के खिलाफ दिल्ली से सटी सीमाओं पर करीब एक साल से प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली की सीमाओं पर देशभर के किसानों ने डेरा डाल रखा है। वहीं, देश के अलग-अलग राज्यों में भी किसान जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।संयुक्त किसान मोर्चा ने 27 सितंबर को देशभर में भारत बंद का ऐलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के अलावा कई और किसान संगठन भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। किसान संगठन ने कहा कि भारत बंद शांतिपूर्ण होगा।

कितने बजे से कितने बजे तक रहेगा भारत बंद

27 सितंबर को भारत बंद सुबह छह बजे से शुरू होगा और यह शाम चार बजे तक जारी रहेगा। इस दौरान कई तरह की आवाजाही पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालयों, बाजारों, दुकानों, कारखानों, स्कूलों, कालेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। भार बंद के दौरान एंबुलेंस और दमकल सेवाओं सहित इमरजेंसी सेवाओं को अनुमति होगी।

केंद्र और राज्य सरकार के सभी दफ्तर और संस्थाएं।

- बाजार, दुकान और उद्योग - स्कूल, कालेज, यूनिवर्सिटी और सभी तरह के शिक्षण संस्थान। - हर तरह का सार्वजनिक यातायात और निजी वाहन।- किसी भी तरह का सरकारी या गैर सरकारी सार्वजनिक कार्यक्रम। अस्पताल, मेडिकल स्टोर, एंबुलेंस और कोई भी मेडिकल सेवाएं।

गांधी परिवार के शासन में नहीं हुआ अमेठी का विकास : स्मृति इरानी

तिरुअनंतपुरम(एजेंसी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के अमेठी के बारे में यह मान लिया जाता था कि वहां बुनियादी ढांचे की कोई कमी नहीं होगी, क्योंकि पांच दशकों तक गांधी परिवार ने वहां शासन किया है, न कि सेवा की है।

हालांकि, इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं सभी परिवारों तक अब भी नहीं पहुंच पाई हैं। इरानी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध गैर सरकारी संगठन देसीय सेवा भारती की पहल सेवासमर्पण का आनलाइन उद्घाटन करना था। उन्होंने कहा कि वह सुबह में इंटरनेट कनेक्शन की

समस्या के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि अमेठी के दूरस्थ इलाकों में थीं। वहां इंटरनेट का नेटवर्क प्राप्त करना कठिन है। इंटरनेट कनेक्टिविटी वहां सभी परिवारों तक नहीं पहुंची है। इरानी ने कहा, मैं अमेठी के दूरस्थ इलाकों में थी। वहां के कुछ गांवों में नेटवर्क कनेक्टिविटी एक चुनौती है। कई लोगों ने यह मान लिया था कि गांधी परिवार ने पांच दशक तक इस निर्वाचन क्षेत्र की सेवा नहीं की है, बल्कि इस पर शासन किया है। इसलिए यहां किसी बुनियादी ढांचे की कमी नहीं होगी। पुलिस ने बताया अपने आवास पर लगाई फांसी बाद में किसी प्रकार आनलाइन कांफ्रेंस से जुड़ने में सफल रहीं केंद्रीय मंत्री ने कहा, हालांकि, आपसे (सेवा भारती) जुड़ने के लिए आज जो संघर्ष करना पड़ा, उससे आपको पता चल ही गया होगा कि उनके (गांधी परिवार) नेतृत्व में, उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास प्रत्येक परिवार तक नहीं पहुंचा है।

हवाना सिंड्रोम जिसने अमेरिकी खुफिया अधिकारियों की नींद उड़ा दी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में कई अमेरिकी अधिकारी हवाना सिंड्रोम से पीड़ित हुए हैं। सीआईए डायरेक्टर बिल बर्न्स हाल में भारत के दौरे पर थे। इस दौरे पर बर्न्स की टीम के एक सदस्य में हवाना सिंड्रोम के लक्षण दिखाई दिए हैं। पिछले एक महीने में अमेरिकी खुफिया अधिकारियों में हवाना सिंड्रोम के लक्षण दूसरी बार दिखाई दिए हैं। इसके कारण बाइडन प्रशासन के टॉप अधिकारियों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रभावित हुई है। पिछले महीने उप राष्ट्रपति कमला हैरिस की वियतनाम यात्रा में इन्हीं कारणों से देरी हुई थी।

क्या है हवाना सिंड्रोम: 2016 में अमेरिकी खुफिया के कई अधिकारी और राजनयिक क्यूबा की राजधानी हवाना में थे। इस दौरान कई कर्मचारियों को मिचली, तेज सिरदर्द, थकान, चक्कर आने की दिक्कतें आने लगी। कई कर्मचारी को नींद की समस्या भी दिखी। इस सबका लंबे वक्त तक असर रहा। इस रहस्यमय बीमारी से प्रभावित कर्मचारियों में से तो कुछ तो ठीक हो गए लेकिन कई लोगों के सामान्य काम-काज भी महीनों तक प्रभावित रहे। इसे हवाना सिंड्रोम कहा गया। अमेरिका इस रहस्यमय बीमारी के बारे में जांच करता रहा है। कई साल लगे। 2020 के आखिर में अमेरिकी नेशनल एकेडमिक्स ऑफ़ साइंसेज ने हवाना सिंड्रोम का संभावित कारण डायरेक्टेड माइक्रोवेव रेडिएशन को बताया। हालांकि यह अब तक साफ नहीं हो सका है कि ये इंसान की जान ले सकते हैं या स्थायी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अफगानिस्तान में जारी पाकिस्तान का गंदा खेल

हक्कानी नेटवर्क के जरिए तालिबान में करा रहा रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी फितरत के मुताबिक अब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में अपना डर्टी गेम चालू कर दिया है। ब्रिटेन की एक मैग्जीन ने अपनी रिपोर्ट में दावा कियाहै कि हक्कानी नेटवर्क और तालिबान के बीच हुए खूनी संघर्ष में सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा का कत्ल कर दिया गया है। वहीं उप प्रधानमंत्री मुल्ला बरादर को बंधक बनाकर रखा गया है। हक्कानी नेटवर्क और तालिबान के बीच सत्ता संघर्ष शुरू होने का का लगातार दावा किया जा रहा है। अब यह जानकारी सामने आ रही है कि इस संघर्ष में पाकिस्तान अपना फायदा तलाश रहा है। अपने फायदे के लिए पाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क को लगातार बढ़ावा दे रहा है। करीब एक महीने पहले तालिबान ने पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। बंदूक की नोंक और डंके की चोट पर आतंकी संगठन ने वहां सरकार भी बनाई। लेकिन अब तालिबान के अंदर ही गुटीय संघर्ष शुरू हो चुका है। कंधार सेक्शन का नेतृत्व मुल्ला मोहम्मद याकूब ओमारी कर रहे हैं जबकि काबुल में एक गुट का नेतृत्व दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी संगठनों में शामिल हक्कानी नेटवर्क का सिरमौर सिराजुद्दीन हक्कानी कर रहा है। अफगानिस्तान की नई तालिबानी सरकार में प्रधानमंत्री बनाए गए हबीतुल्लाह अखुंदजादा कही नजर नहीं आ रहा। उसे लेकर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि उसकी मौत हो चुकी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को हक्कानी नेटवर्क से जुड़े आतंकवादियों ने किडनैप कर लिया है। मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की गिनती उन लोगों में होती है जिन्होंने यूएस से शांति वार्ता की शुरुआत की थी। अफगानिस्तान की नई सरकार के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब चाहते हैं कि पाकिस्ता की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ उनकी सरकार में दखलअंदाजी बंद करे। जो अफगानिस्तान को पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र मानते हैं। मुल्ला बरादर यह चाहता है कि यूएस, कतर, यूके और पाकिस्तान को सम्मान दिया जाए और एक समावेशी सरकार बने। इस सरकार में अल्पसंख्यकों और महिलाओं को भी तवज्जो दी जाए। कहा जा रहा है कि इसी बात को लेकर हक्कानी गुट और तालिबान गुट आमने-सामने हैं।

आदि शंकराचार्य ने आठवीं सदी में बनाए थे 13 अखाड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेंद्र गिरि की सोमवार को संदिग्ध मौत हो गई। उनका शव प्रयागराज के उनके बाघंबरी मठ में ही फंदे से लटका मिला। उनकी मौत को लेकर अलग-अलग थ्योरी सामने आ रही है।

सबसे ज्यादा चर्चा में उनके शिष्य आनंद गिरि हैं, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी वजह बाघंबरी गद्दी की 300 साल पुरानी वसीयत है, जिसे नरेंद्र गिरि संभाल रहे थे। कुछ साल पहले आनंद गिरि ने नरेंद्र गिरि पर गद्दी की 8 बीघा जमीन 40 करोड़ में बेचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद विवाद गहरा गया था। आनंद ने नरेंद्र पर अखाड़े के सचिव की हत्या करवाने का आरोप भी लगाया था।

कहा जाता है कि आदि शंकराचार्य ने आठवीं सदी में 13 अखाड़े बनाए थे। इन अखाड़ों का गठन हिंदू धर्म और वैदिक संस्कृति की रक्षा के लिए किया गया था। उस दौर में वैदिक संस्कृति और यज्ञ परंपरा संकट में थी, क्योंकि बौद्ध धर्म तेजी से भारत में फैल रहा था और बौद्ध धर्म में यज्ञ और वैदिक परंपराओं का निषेध था। मूलत: धर्म की रक्षा के लिए नागा साधुओं की एक सेना की तर्ज पर ही अखाड़ों को तैयार किया गया था। जिसमें उन्हें योग, अध्यात्म के साथ शस्त्रों की भी शिक्षा दी जाती है। आज तक वही अखाड़े बने हुए हैं। नासिक कुंभ को छोड़कर बाकी कुंभ मेलों में सभी अखाड़े एक साथ स्नान करते हैं। नासिक के कुंभ में वैष्णव अखाड़े नासिक में और शैव अखाड़े त्र्यंबकेश्वर में स्नान करते हैं। यह व्यवस्था पेशवा के

दौर में कायम की गई जो सन 1772 से चली आ रही है।

वहीं, वैष्णव अखाड़ों में अणि महंत पद सबसे बड़ा होता है। इसमें महामंडलेश्वर जैसे पदों के समतुल्य श्रीमहंत पद होता है। इन सभी श्रीमहंतों के आचार्य को अणि महंत कहा जाता है, जो अखाड़े का संचालन करते हैं।

ये 13 अखाड़े कौन से हैं

परंपरा के मुताबिक शैव, वैष्णव और उदासीन पंथ के संन्यासियों के मान्यता प्राप्त कुल 13 अखाड़े हैं। इन अखाड़ों का नाम निरंजनी अखाड़ा, जूना अखाड़ा, महानिर्वाणी अखाड़ा, अटल अखाड़ा,आह्वान अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, पंचाग्नि अखाड़ा, नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ा, वैष्णव अखाड़ा, उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा,उदासीन नया अखाड़ा, निर्मल पंचायती अखाड़ा और निर्मोही अखाड़ा है।

देश को मिलेगा 200 किलोमीटर लंबा पहला इलेक्ट्रिक हाईवे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल्द ही देश को पहला इलेक्ट्रिक हाईवे मिल सकता है। सरकार दिल्ली से जयपुर के बीच इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान के दौसा में हाल ही में इसकी घोषणा की। इस हाईवे पर सभी इलेक्ट्रिक वाहन ही चलेंगे। इससे पैसा भी बचेगा और प्रदूषण भी कम होगा। केंद्रीय मंत्री की इस घोषणा को देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की राह में बड़ा कदम माना जा रहा है। समझते हैं, इलेक्ट्रिक हाईवे क्या होता है ये काम कैसे करता है इससे आपको क्या फायदा होगा और दुनिया में कहां-कहां इलेक्ट्रिक हाईवे पर काम चल रहा है

सबसे पहले समझिए इलेक्ट्रिक हाईवे होता क्या है-आसान भाषा में समझें तो ऐसा हाईवे जिसपर इलेक्ट्रिक वाहन चलते हों। आपने ट्रेन के ऊपर एक इलेक्ट्रिक वायर देखा होगा। ट्रेन के इंजन से ये वायर एक आर्म के जरिए कनेक्ट होता है, जिससे पूरी ट्रेन को इलेक्ट्रिसिटी मिलती है। इसी तरह हाइवे पर भी इलेक्ट्रिक वायर लगाए जाएंगे। हाइवे पर चलने वाले वाहनों को इन वायर्स से इलेक्ट्रिसिटी मिलेगी। इसे ही ई-हाइवे, यानी इलेक्ट्रिक हाइवे कहा जाता है। इस हाईवे पर इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए थोड़ी-थोड़ी दूरी पर चार्जिंग पॉइंट भी होंगे।

कहां बनाया जा रहा है-नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि देश का पहला ई-हाईवे दिल्ली और जयपुर के बीच बनाया जाएगा। 200 किलोमीटर लंबे इस हाईवे को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के साथ ही एक नई लेन पर बनाया जाएगा। ये लेन पूरी तरह इलेक्ट्रिक होगी और इसमें केवल इलेक्ट्रिक वाहन ही चलेंगे। सरकार इसके लिए स्वीडन की कंपनियों से बात कर रही है। पूरी तरह तैयार होने के बाद ये देश का पहला ई-हाईवे होगा।

ई-हाईवे से आपको क्या फायदे होंगे

ई-हाईवे की सबसे बड़ी खासियत इसमें वाहनों की सस्ती आवाजाही है। नितिन गडकरी ने कहा था कि ई-हाईवे से लॉजिस्टिक कॉस्ट में 70त्न की कमी आएगी। फिलहाल चीजों की कीमतों में बढ़ोत्तरी की एक बड़ी वजह ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट है। अगर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट में कमी आएगी, तो चीजें सस्ती हो सकती हैं।

ये पूरी तरह इको फ्रेंडली होंगे। वाहनों को चलाने के लिए इलेक्ट्रिसिटी का इस्तेमाल किया जाएगा, जो पेट्रोल-डीजल के मुकाबले सस्ती होगी और पर्यावरण के लिए भी कम हानिकारक होगी।

पेट्रोल-डीजल पर से निर्भरता कम होगी। महंगे पेट्रोल-डीजल की वजह से ट्रांसपोर्टशन कॉस्ट भी बढ़ी है। साथ ही पेट्रोल-डीजल पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है।

किस तरह काम करते हैं इलेक्ट्रिक हाईवे

दुनियाभर में तीन अलग-अलग तरह की टेक्नोलॉजी ई-हाईवे के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। भारत सरकार स्वीडन की कंपनियों से बात कर रही है, इसलिए माना जा रहा है कि स्वीडन में जो टेक्नोलॉजी इस्तेमाल की जा रही है, वही भारत में भी होगी। स्वीडन में पेंटोग्राफ मॉडल इस्तेमाल किया जाता है, जो भारत में ट्रेनों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति रामचरण मीना के नाम से एक मोटरसाइकिल पंजीकृत है। मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ 25 SG 0628 है। मेरे पति का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस मोटरसाइकिल को अपने नाम हस्तान्तरण करवाना चाहती हूँ। अतः किसी को आपत्ति हो तो सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, सवाईमाधोपुर को सूचित करें।

छोटी पत्नी स्व. श्री रामचरण मीना,
तिगरिया, सांचोली, जिला-
सवाईमाधोपुर।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेल:badhtikalam@gmail.com